

Universitätsbibliothek Wuppertal

Aristophanis cantica

Aristophanes

Lipsiae, 1909

Text

Nutzungsrichtlinien Das dem PDF-Dokument zugrunde liegende Digitalisat kann unter Beachtung des Lizenz-/Rechtehinweises genutzt werden. Informationen zum Lizenz-/Rechtehinweis finden Sie in der Titelaufnahme unter dem untenstehenden URN.

Bei Nutzung des Digitalisats bitten wir um eine vollständige Quellenangabe, inklusive Nennung der Universitätsbibliothek Wuppertal als Quelle sowie einer Angabe des URN.

[urn:nbn:de:hbz:468-1-3163](https://nbn-resolving.org/urn:nbn:de:hbz:468-1-3163)

ΑΧΑΡΝΗΣ

ΚΗΡΥΓΜΑ (cf. 123 [59a])

43 πάριτ' ἐς τὸ πρόσθεν

~~~~~

### ΠΑΡΟΔΟΣ

204—346

209—217 = 224—33

(antecedentibus coryphaei tetram troch quaternis) (16)

|                                  |    |                 |                 |                 |   |
|----------------------------------|----|-----------------|-----------------|-----------------|---|
| ἐκπέφευγ', οἶχεται               | cr | cr              | 2               |                 |   |
| φροῦδος. οἶμοι τάλας             | {  | cr              | 4               |                 |   |
| τῶν ἐτῶν τῶν ἐμῶν.               |    | cr              |                 |                 |   |
| οὐκ ἂν ἐπ' ἐμῆς γε νεό-          | {  | cr <sup>~</sup> | 4               |                 |   |
| τητος, δτ' ἐγὼ φέρων             |    | cr              |                 |                 |   |
| ἀνθράκων φορτίον                 | cr | cr              | 2 12            |                 |   |
| 215 ἠκολούθουν Φαῦλλω τρέχων,    | {  | cr              | cr              | cr              | 5 |
| ᾧδε φαύλως ἂν ὀ                  |    | cr              | cr <sub>H</sub> |                 |   |
| σπονδοφόρος οὗτος <ὀ> διωκόμενος | {  | cr <sup>~</sup> | cr <sup>~</sup> | cr <sup>~</sup> | 5 |
| ἐξέφυγεν οὐδ' ἂν ἐλα-            |    | cr <sup>~</sup> | cr <sup>~</sup> | 2 12            |   |
| φρώς [ἂν] ἀπεπλίξατο.            |    | cr              | cr              |                 |   |

216 οὗτος ὑπ' ἐμοῦ τότε      217 alt ἂν om R (cf 214)

Sequuntur coryphaei tetram troch bis trina cum Dicaeopolis vocibus (237 et 41):

εὐφημεῖτε· εὐφημεῖτε.

*dim dact*

(cl Eurip Phaeth 773, 67 N<sup>2</sup>)

### ΦΑΛΛΗΦΟΡΙΚΟΝ

263—79

|                                      |    |    |    |
|--------------------------------------|----|----|----|
| Φαλῆς, ἑταῖρε Βακχίου,               | ia | ia | 2  |
| ἔύγκωμε, νυκτοπεριπλάνη-             | {  | ia | ia |
| 265 τε, μοιχέ, παιδεραστά,           |    | ia | ba |
| ἔκτω c' ἔτει προσείπον εἰς           | {  | ia | ia |
| τὸν δῆμον ἐλθῶν ἄσμενος,             |    | ia | ia |
| ARISTOPHANIS cantica dig. Schroeder. |    | 1  |    |

|                                        |   |             |              |            |             |
|----------------------------------------|---|-------------|--------------|------------|-------------|
| σπονδᾶς ποησάμενος ἑμαυ-               | { | $\bar{ia}$  | $\tilde{ia}$ |            |             |
| τῷ, πραγμάτων τε καὶ μαχῶν             | { | $\bar{ia}$  | $ia$         | 4          |             |
| καὶ Λαμάχων ἀπαλλαγείς.                |   | $\bar{ia}$  | $ia$         | 2          | 16          |
| πολλῷ γάρ ἐσθ' ἦδιον, ὦ                | { | $\bar{ia}$  | $\bar{ia}$   | {          | 2           |
| Φαλῆς, Φαλῆς,                          | { | $ia$        |              | {          | 1           |
| κλέπτουσαν εὐρόνθ' ὠρικὴν ὕληφόρον,    |   | $\bar{ia}$  | $\bar{ia}$   | $\bar{ia}$ | 3           |
| τὴν Στρυμοδώρου Θρητταν ἐκ τοῦ Φελλέως |   | $\bar{ia}$  | $\bar{ia}$   | $\bar{ia}$ | 3           |
| μέσιν λαβόντ' ἄραντα κατα-             | { | $ia$        | $ia^{\sim}$  |            |             |
| 275 βαλόντα καταγιγάρτιστα.            | { | $ia^{\sim}$ | $ia$         | $\bar{4}$  |             |
| [ᾠ] Φαλῆς, Φαλῆς,                      |   | $ia$        |              | 1          |             |
| ἐάν μεθ' ἡμῶν Ξυμπής,                  |   | $ia$        | $\bar{ia}$   | 2          | 16          |
| ἐκ κραιπάλης                           |   | $\bar{ia}$  |              | $\bar{1}$  |             |
| ἔωθεν εἰρήνης ῥοφήσει[ς] τρυβλίον.     |   | $ia$        | $\bar{ia}$   | $\bar{ia}$ | 3           |
| ἦ δ' ἄσπις ἐν τῷ φεψάλῳ κρεμήσεται.    |   | $\bar{ia}$  | $\bar{ia}$   | $ia$       | 3 $\bar{1}$ |

280—83

|                           |            |            |             |   |
|---------------------------|------------|------------|-------------|---|
| οὗτος αὐτός ἐστιν, οὗτος. | <i>tro</i> | <i>tro</i> |             |   |
| βάλλε βάλλε βάλλε βάλλε,  | <i>tro</i> | <i>tro</i> | 4           |   |
| παῖε παῖε τὸν μιρόν.      | {          | <i>tro</i> | $cr^{\sim}$ |   |
| οὐ βαλεῖς; οὐ βαλεῖς;     | {          | <i>cr</i>  | <i>cr</i>   | 4 |

## ΑΜΟΙΒΑΙΟΝ

## Δ(ΙΚΑΙΟΠΟΛΙΣ) Χ(ΟΡΟΣ)

284—301 = 335—46

(interiectis Δ coryphaeique tetr troch iv iv iv iv : iv i i iii iii iv,  
in summa xxxii).

|                                                   |   |               |             |             |             |   |
|---------------------------------------------------|---|---------------|-------------|-------------|-------------|---|
| 285 Δ Ἡράκλεις, τουτί τί ἐστι;                    |   |               |             |             |             |   |
| τὴν χύτραν συντρίψετε.                            |   | <i>tetram</i> |             | 4           |             |   |
| X σέ μὲν οὖν                                      | { | v             | v           |             | $\bar{1}$   |   |
| καταλεύσομεν, ὦ                                   | { | v             | v           | v           |             |   |
| μιὰρὰ κεφαλή.                                     | { | v             | v           | v           | 4           |   |
| Δ ἀντί ποίας αἰτίας, ὦ-                           |   |               |             |             |             |   |
| χαρνέων γεραίτατοι;                               |   | <i>tetram</i> |             | 4           |             |   |
| X τοῦτ' ἐρωτᾷς; ἀναίσχυντος εἶ καὶ βδελυρός,      | { | $cr$          | $cr$        | $cr$        | $cr^{\sim}$ | 4 |
| ὦ προδότα τῆς πατρίδος, ὅστις ἡμῶν μόνος          | { | $cr^{\sim}$   | $cr^{\sim}$ | $cr$        | $cr^{\sim}$ | 4 |
| 290 σπεισάμενος εἶτα δύνασαι πρὸς ἔμ' ἀποβλέπειν. | { | $cr^{\sim}$   | $cr^{\sim}$ | $cr^{\sim}$ | $cr$        | 4 |

Δ ἀντι δ' ὦν ἐσπειράμην οὐκ  
ἴσατ'· ἀλλ' ἀκούσατε.

{ tro<sup>-</sup> tro<sup>-</sup> { 4  
{ <sup>v?</sup>lecyth

295 X σοῦ γ' ἀκού-  
σωμεν; ἀπολεῖ· κατά σε  
χῶσομεν τοῖς λίθοις·

{ cr  
{ cr<sup>~</sup> cr<sup>~</sup> { 1  
{ cr cr { 4

Δ μηδαμῶς πρὶν ἄν γ' ἀκούσῃτ'·  
ἀλλ' ἀνάσχεσθ', ὦραθοί.

tetram 4

X οὐκ ἀνασχίσομαι. μηδέ λέγε μοι εὐ λόγον·  
300 ὡς μεμίσχά σε Κλέωνος ἔτι μάλλον, ὃν ἐ-  
γῶ [κατα]τεμῶ τοῖσιν ἵππευσι καττόματα.

{ cr cr cr<sup>~</sup> cr<sup>~</sup> { 4  
{ cr cr<sup>~</sup> cr<sup>~</sup> cr<sup>~</sup> { 4  
{ cr<sup>~</sup> cr<sup>~</sup> cr cr { 4 25

295 ἀκούσομεν 296 (γ') ἄν 299 εὐ (μοι) 300 ἵππ. ποτ' ἐς κ.

De creticis quos statuimus 285 = 336 (~ 295. 342) levius-  
cule quasi praeacutis cf ad pac 385 ss a nobis adnotata et  
appendix. Nam procul omnino habendus (285) quinarius eno-  
plius, de quo non dubitandum in stropha utique enoplia  
anv 456 = 544; anapaestos vero quinarior cogitare ne tironibus  
quidem fas est. De lecythii forma praeacuta (294: 341) item  
cf append.

358—63 = 385—90

τί οὖν οὐ λέγεις

theses

ἐπίζηνον ἐξενεγκῶν θύραζ',

δ δ 9

ὄ τι ποτ', ὦ χρέτλιε, τὸ μέγα τοῦτ' ἔχεις;

δ δ 6

πάνυ γὰρ ἔμε γε πόθος ὄ τι φρονεῖς ἔχει.

δ δ 6

Subsequuntur bina coryphaei trim iamb

(12)

490—96

τί δράσεις; τί φήσεις; <ἀλλ' > ἴσθι νυν

metra

ἀναίσχυντος ὦν σιδηροῦς τ' ἀνὴρ,

δ δ 3

ὅστις παρασχῶν τῇ πόλει τὸν αὐχένα

δ / δ 3

ἅπασι μέλλεις εἰς λέγειν τάναντία.

trim 3HV

ἀνὴρ οὐ τρέμει τὸ πρᾶγμ'. εἰά νυν

trim 3HV

ἐπειδήπερ αὐτὸς αἰρεῖ, λέγε.

δ / δ 3

δ δ 3

1\*

566—71

|                                               |   |   |                  |
|-----------------------------------------------|---|---|------------------|
| ἰὼ Λάμαχ', ὦ βλέπων ἀστράπας,                 | δ | δ | 3                |
| βοήθησον, ὦ γοργολόφα, φανείσ·                | δ | δ | 3                |
| ἰὼ Λάμαχ', ὦ φίλ', ὦ φυλέτα.                  | δ | δ | 3 <sub>H</sub> 9 |
| εἴτε τις ἔστι ταξίαρχός <τις> ἢ [στρατηγός ἢ] | } | δ | 3                |
| 570 τειχομάχας ἀνὴρ, βοηθηκάτω                |   | δ | 3                |
| τις ἀνύσας, ἐγὼ γάρ ἔχομαι μέσος.             |   | δ | 3 9              |
| 570 τειχόμαχος                                |   |   |                  |

## ΠΑΡΑΒΑΣΙΣ

625—718

Antecedunt strophas tetram anap duo (pro commatio), tum tetram xxxi et dimetrorum series (π:π:π).

665—75 = 692—702

|                                             |   |                 |                 |                 |                 |   |   |
|---------------------------------------------|---|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|---|---|
| 665 δεῦρο Μοῦς' ἐλθέ φλεγυρά, πυρός ἔ-      | } | er              | er <sup>~</sup> | er <sup>~</sup> | }               | 3 |   |
| χουσα μένος ἔντονος Ἀχαρική·                |   | er <sup>~</sup> | er <sup>~</sup> | er              |                 | 3 |   |
| οἶον ἐξ ἀνθράκων πρινίνων φέμαλος ἀν-       | } | er              | er              | er              | er <sup>~</sup> | } | 4 |
| ήλατ' ἐρεθιζόμενος οὐρία ῥιπίδι,            |   | er <sup>~</sup> | er <sup>~</sup> | er              | er              |   | 4 |
| 670 ἡνίκ' ἀν ἐπανθρακίδες ὦσι παρακείμεναι, | } | er <sup>~</sup> | er <sup>~</sup> | er <sup>~</sup> | er              | } | 4 |
| οἱ δὲ Θασίαν ἀνακυκ[λ]ῶσι λιπαράμπυκα,      |   | er <sup>~</sup> | er <sup>~</sup> | er <sup>~</sup> | er              |   | 4 |
| οἱ δὲ μάττωσιν, οὕτω σοβαρὸν                | } | er              | er              | er <sup>~</sup> | }               | 3 |   |
| ἐλθέ μέλος ἔντονον ἀγροικότερον             |   | er <sup>~</sup> | er <sup>~</sup> | er <sup>~</sup> |                 |   |   |
| 675 ὡς ἐμὲ λαβοῦσα τὸν δημότην.             | } | er <sup>~</sup> | er              | er              | }               | 3 |   |
|                                             |   | er <sup>~</sup> | er              | er              |                 |   |   |

Sequuntur tetram troch sena dena.

836—41 = 42—47 = 48—53 = 854—59

|                             |   |    |    |   |   |
|-----------------------------|---|----|----|---|---|
| εὐδαιμονεῖ γ' ἀνθρωπος. οὐκ | } | ia | ia | } | 2 |
| ἦκουσας οἱ προβαίνει        |   | ia | ba |   |   |
| τὸ πρᾶγμα τοῦ βουλευματος;  | } | ia | ia | } | 2 |
| καρπύσεται γάρ ἀνὴρ         |   | ia | ba |   |   |
| ἐν τάγορᾳ καθήμενος·        | } | ia | ia | } | 2 |
| κἂν εἰσίη τις Κτησίας       |   | ia | ia |   |   |
| 840 ἢ συκοφάντης ἄλλος, οἰ- | } | ia | ia | } | 2 |
| μύζων καθεδεῖται.           |   | ia | ia |   |   |

(pherecr aceph)



## ΑΜΟΙΒΑΙΟΝ

1008—17 = 1037—46.

|      |                                 |                                                                                           |   |  |
|------|---------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------|---|--|
|      | Χ Ζηλῶ σε τῆς εὐβουλίας,        | $\begin{cases} \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia}^w & ba \end{cases}$ |   |  |
|      | μᾶλλον δὲ τῆς εὐωχίας,          |                                                                                           |   |  |
| 1010 | ἄνθρωπε, τῆς παρούσης.          | $\begin{cases} \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & ba \end{cases}$                          | 6 |  |
|      | Δ τί δῆτ', ἐπειδὴν τὰς κίχλας   | $\begin{cases} \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & ba \end{cases}$                          | 4 |  |
|      | ὀπτωμένας ἴδητε;                |                                                                                           |   |  |
|      | Χ οἶμαί σε καὶ τοῦτ' εὖ λέγειν. | $\begin{cases} \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & ba \end{cases}$                          | 4 |  |
|      | Δ τὸ πῦρ ὑποσκάλευε.            |                                                                                           |   |  |
| 1015 | Χ ἤκουσας ὡς μαγειρικῶς         | $\begin{cases} \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & ba \end{cases}$   | 6 |  |
|      | κομψῶς τε καὶ δειπνητικῶς       |                                                                                           |   |  |
|      | αὐτῷ διακονεῖται;               |                                                                                           |   |  |

## ΠΑΡΑΒΑΣΙΣ Β'

1150—61 = 1162—73

(antecedentibus coryphaei anapaestis iv : iv; v)

|      |                                       |                                                                                               |   |   |
|------|---------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------|---|---|
| 1150 | Ἀντίμαχον τὸν Ψακάδος,                | — — — — — — — —                                                                               |   |   |
|      | τὸν Ἐγγραφῆ, τὸν μελέων               | ? — — — — — — — —                                                                             |   |   |
|      | πο(ι)ητήν,                            | — — — — — — — —                                                                               | 5 |   |
|      | ὡς μὲν ἀπλῶ λογῶ κακῶς                | $\begin{cases} \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & \bar{ia} \end{cases}$                        | 4 | 9 |
|      | ἔξολέσειεν ὁ Ζεὺς·                    |                                                                                               |   |   |
| 1155 | ὅς γ' ἐμὲ τὸν τλήμονα Λή-             | $\begin{cases} \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & \bar{ia} \end{cases}$ | 5 |   |
|      | ναία χορηγῶν ἀπέλυτ'                  |                                                                                               |   |   |
|      | ἄδειπνον.                             | — — — — — — — —                                                                               |   |   |
|      | ὄν ἔτ' ἐπίδοιμι τευθίδος              | — — — — — — — —                                                                               |   |   |
|      | δεόμενον, ἦ δ' ὠπτημένη               | — — — — — — — —                                                                               | 4 | 9 |
|      | κίζουσα πάραλος, ἐπὶ τραπέζῃ κειμένη, | $\begin{cases} \bar{ia} & \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & \bar{ia} & \bar{ia} \end{cases}$  | 3 | H |
| 1160 | ὀκέλλοι· κᾶτα μέλλοντος λαβεῖν        | $\begin{cases} \bar{ia} & \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & \bar{ia} & \bar{ia} \end{cases}$  | 3 |   |
|      | αὐτοῦ κῦων ἀρπάσασα φεύγει.           | $\begin{cases} \bar{ia} & \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & \bar{ia} & \bar{ia} \end{cases}$  | 3 | 9 |

## ΑΜΟΙΒΑΙΟΝ

## Λ(ΑΜΑΧΟΣ) Δ(ΙΚΑΙΟΤΤ) Χ(ΟΡΟΣ)

1190—1233

|      |                                              |                                                                                              |   |    |
|------|----------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------|---|----|
| 1190 | Λ ἄτταταῖ ἄτταταῖ                            | cr cr                                                                                        | 2 |    |
|      | κυγερά τάδε γε κρυερά πάθεα· τάλας ἐγώ,      | $\begin{cases} \bar{ia} & \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & \bar{ia} & \bar{ia} \end{cases}$ | 3 |    |
|      | διόλλυμαι δορὸς ὑπὸ πολεμίου τυπεῖς          | $\begin{cases} \bar{ia} & \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & \bar{ia} & \bar{ia} \end{cases}$ | 3 |    |
| 1195 | ἐκείνο δ' αἰακτὸν [οἰμωκτὸν] ἄν γένοιτό μοι, | $\begin{cases} \bar{ia} & \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & \bar{ia} & \bar{ia} \end{cases}$ | 3 |    |
|      | Δικαιοπόλις [ἄν] εἴ μ' ἴδοι τετρωμένον       | $\begin{cases} \bar{ia} & \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & \bar{ia} & \bar{ia} \end{cases}$ | 3 |    |
|      | κᾶτ' ἐγχάνοι ταῖς ἐμαῖς τύχαισιν.            | $\begin{cases} \bar{ia} & \bar{ia} & \bar{ia} \\ \bar{ia} & \bar{ia} & \bar{ia} \end{cases}$ | 3 | 17 |

|         |                                                          |                  |          |           |
|---------|----------------------------------------------------------|------------------|----------|-----------|
|         | Δ ἄτταταῖ ἄτταταῖ                                        | <i>cr cr</i>     | <u>2</u> |           |
|         | τῶν τιθίων, ὡς σκληρὰ καὶ κυδώνια.                       | <i>trim</i>      | <u>3</u> |           |
| 1200    | φιλήσατόν με μαλθακῶς, ὦ χρυσίω,                         | <i>trim</i>      | 3        |           |
|         | τὸ περιπεταστόν καὶ τὸ μανδαλωτόν.                       | <i>ia ia ba</i>  | 3        |           |
|         | τὸν γὰρ χόα πρῶτος ἐκπέπωκα.                             | <i>ia ithyph</i> | 3        |           |
|         | Λ ὦ συμφορὰ τάλαινα τῶν ἐμῶν κακῶν.                      | <i>trim</i>      | 3        | 17        |
| 1205(Α) | ἰὼ ἰὼ τραυμάτων ἐπωδύνων.                                | <i>ia lecyth</i> | 3        |           |
|         | Δ ἰῆ ἰῆ χαῖρε Λαμαχίππιον.                               | <i>ia lecyth</i> | 3        |           |
|         | Λ στυγερός ἐγώ. Δ τί με σὺ κυνεῖς;                       | <i>ia ia</i>     | 2        |           |
|         | Λ μογερός ἐγώ. Δ τί με σὺ δάκνεις;                       | <i>ia ia</i>     | 2        |           |
| 1210    | Λ τάλας ἐγώ [τῆς ἐν μάχῃ] ἔμβολῆς βαρείας.               | <i>ia ithyph</i> | <u>3</u> | <u>18</u> |
|         | Δ τοῖς Χουσί γάρ τις ἔμβολὰς ἐπράττετο;                  | <i>trim</i>      | 3        |           |
|         | Λ ἰὼ ἰὼ, Παιάν, Παιάν.                                   | <i>ia sp sp</i>  | <u>3</u> |           |
|         | Δ ἄλλ' οὐχὶ νυνὶ τήμερον Παιώνια.                        | <i>trim</i>      | 3        |           |
|         | Λ λάβετε μου, λάβετε τοῦ κέλου, παπαῖ,                   | <i>trim</i>      | 3        |           |
| 1215    | προσλάβετε, ὦ φίλοι.                                     | <i>cr cr</i>     | 2        |           |
|         | Δ ἐμοῦ δέ γε σφῶν τοῦ πέους ἄμφω μέσου                   | <i>trim</i>      | 3        |           |
|         | προσλάβετε, ὦ φίλοι.                                     | <i>cr cr</i>     | 2        | 19        |
|         | Λ ἰλιγγίω κᾶρα λίθω πεπληγμένος,                         | <i>trim</i>      | 3        |           |
|         | καὶ σκοτοδιניῷ.                                          | <i>δ</i>         | <u>δ</u> |           |
| 1220    | Δ κᾶγῶ καθεύδειν βούλομαι καὶ εὐόμοι                     | <i>trim</i>      | 3        |           |
|         | καὶ σκοτοβινιῷ.                                          | <i>δ</i>         | <u>δ</u> |           |
|         | Λ θύραζέ μ' ἐξενέγκατ' εἰς τὰ Πιττάλου                   | <i>trim</i>      | 3        |           |
|         | παιωνίαισι χερσίν.                                       | <i>ia ba</i>     | 2        |           |
|         | Δ ὡς τοὺς κριτάς με φέρετε· ποῦ ἔστιν ὁ βασιλεὺς;        | <i>trim</i>      | 3        |           |
| 1225    | ἀπόδοτέ μοι τὸν ἄσκόν.                                   | <i>ia ba</i>     | 2        | 19        |
|         | Λ λόγῃ τις ἐμπέτηγέ μοι δι' ὀστέων ὀδυρτά.               | <i>tetram</i>    | 4        |           |
|         | Δ ὄρατε τουτονὶ κενόν· τήνελλα καλλίνικος.               | <i>tetram</i>    | 4        |           |
| 1230    | Χ τήνελλα δῆτ', εἶπερ καλεῖ[σ] γ', ὦ πρέσβυ, καλλίνικος. | <i>tetram</i>    | 4        |           |
|         | Δ καὶ πρὸς γ' ἄκρατον ἐγχεᾶς ἄμυστιν ἐξέλαψα.            | <i>tetram</i>    | 4        | 16        |
|         | Χ τήνελλά νυν, ὦ γεννάδα· χωρεῖ λαβῶν τὸν ἄσκόν.         | <i>tetram</i>    | 4        |           |
|         | Δ ἔπεσθέ νυν ἄδοντες ὦ τήνελλα καλλίνικος'.              | <i>tetram</i>    | 4        |           |
|         | Χ ἄλλ' ἐφόμεσθα σὴν χάριν, (τήνελλα καλλίνικος),         | <i>tetram</i>    | 4        |           |
|         | τήνελλα καλλίνικον ἄδοντες σέ καὶ τὸν ἄσκόν.             | <i>tetram</i>    | 4        | 16        |

1201 καὶ τὸ μ.] κάπιμ. 1208/9 μογερός ἐγώ. — τί με σὺ κυνεῖς;

1222 εἰς τὸν vel εἰς τοῦ.



## ΙΠΠΗΣ

Trimetris iambicis dactylica trimetra (Ἄλλ' ὅπταν μάρπη  
197 ss, Φράζευ Ἐρεχθεΐδη 1015 ss, *simm infra*) non minus com-  
mode inseruntur, quam v c anapaestica dimetra aut tetrametra  
iambicis adici aut opponi videmus 756 ss.

I 303—11 = 382—88

Antecedunt (\*cum chori parodo) tetram troch v (\*viii) iii:  
(\*viii) iii (\*iv) i; (\*i) i (ii) ii ii = xlii, deinde Paphlagonis botu-  
lariique altercatio dimetrorum troch ii ii ii: ii ii ii; iii iii + i = xix.

|     |                                                                              |                                                                            |            |
|-----|------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------|------------|
| 303 | ὦ μιὰρὲ καὶ βδελυρὲ κράκτα, τοῦ σοῦ θράκου                                   | <i>cr<sup>~</sup> cr<sup>~</sup> cr<sup>~</sup> cr</i>                     | 4          |
| 305 | πάσα μὲν γῆ πλέα, πάσα δ' ἐκκλησία,<br>καὶ τέλη καὶ γραφαὶ καὶ δικαστήρι', ὦ | <i>cr cr cr cr</i><br><i>cr cr cr cr</i>                                   | 4<br>4     |
| 311 | βορβοροτάραξι καὶ τὴν πόλιν ἅπασαν ἡ-<br>μῶν ἀνατετυρβακίως·                 | { <i>cr<sup>~</sup> cr cr<sup>~</sup> cr</i><br><i>cr<sup>~</sup> er</i> } | { 4<br>2 } |
|     | 304 καὶ (κε)κράκτα                                                           |                                                                            |            |

Antistrophum adscribo, ut audiant quibus a natura da-  
tum est:

|     |                                                                                              |          |
|-----|----------------------------------------------------------------------------------------------|----------|
| 382 | ἦν ἄρα πυρός γ' ἕτερα θερμότερα καὶ λόγων<br>ἐν πόλει τῶν ἀναιδῶν ἀναιδέτεροι·               | 4<br>4   |
| 385 | καὶ τὸ πρᾶγμ' ἦν ἄρ' οὐ φαῦλον ὦδ' <ἐκπερᾶν?>.<br>ἀλλ' ἔπιθι καὶ στρόβει, μηδὲν ὀλίγον πόει· | 4<br>{ 4 |
| 386 | νῦν γὰρ ἔχεται μέκος·                                                                        | } 2      |

Subsequuntur coryphaei tetrametra trochaica bina, tum  
priori loco (314—21) Paphlagonis botularii servi viii, altero  
(391—97) botularii Paphlagonisque vi.

Π 322—32 = 397—406

ἄρα δῆτ' οὐκ ἀπ' ἀρχῆς ἐδήλους ἀναί- { *er er er er* 4  
 325 δειαν, ἥπερ μόνῃ προστατεῖ [τῶν] ῥητόρων; { *er er er er* 4  
 (ἦ cū πιστεύων ἀμέλγεις κτλ  
 usque ad λείβεται θεώμενος coryphaei sunt) *tetram tro II*  
 ἀλλ' ἐφάνη γὰρ ἀνὴρ ἕτερος πολὺ { —ω—ω —ω—ω  
 τοῦ μιαιώτερος, ὥστε με χαίρειν, { —ω—ω —ω— 4  
 330 ὅς σε παύσει καὶ πάρεισι, δῆλός ἐστιν, αὐτόθεν, *tetram tro* 4  
 πανουργία τε καὶ θράσει *ia ia* 2  
 καὶ κοβαλικεύμασιν. *lecyth* 2  
 (ἀλλ' ὦ τραφεῖς, ὄθενπερ κτλ

usque ad σωφρόνως τραφήναι coryphaei *tetram tro II*)

Cum lecythio (332) in antistropho animi causa congruere glyconeum vult poeta 'πίνε πῖν' ἐπὶ συμφοραῖς' (Sim fr 14).

Subsequuntur dialogi tetrametra iambica tricena bina (335—66 = 409—40) cum dimetrorum serie (priore loco iv iv vi, altero v v vi) interiectis singulis ante clausulas monometris. Finem faciunt (457—60) coryphaei tetram iamb iv.

ΠΑΡΑΒΑCΙC

551—64 = 581—94

Antecedunt anapaestica metra iv iv ii (pro commatio, deinde ii i ii ii, tum tetrametra xl, denique metra ii i i ii.

Ἴππι' ἀναξ Πόσειδον, ᾧ *ch ia* 2 Σ  
 χαλκοκρότων ἵππων κτύπος { *ch ia* 2  
 καὶ χρεμετισμὸς ἀνδάνει, { *ch ia* 2  
 καὶ κυανέμβολοι θοαὶ { *ch ia* 2  
 555 μισθοφόροι τριήρεις, { *ch ba* 2<sup>-</sup> 8  
 μειρακίων δ' ἄμιλλα λαμ- { *ch ia* 2  
 πρυνομένων ἐν ἄρμασιν { *ch ia* 2  
 καὶ βαρυδαιμονούντων, *ch ba* 2<sup>-</sup> 6  
 δεῦρ' ἔλθ' ἐς χορόν, ᾧ χρυσοτρίαιν', ᾧ *asclep* 3<sup>-</sup>  
 560 δελφίνων μεδέων Cουνιάρατε, *asclep* 3<sup>HV</sup> 6  
 ᾧ Γεραΐστιε παῖ Κρόνου, { *glyc* 2  
 Φορμίωνί τε φίλτατ' ἐκ { *glyc* 2  
 τῶν ἄλλων τε θεῶν Ἀθη- { *glyc* 2  
 ναίοις πρὸς τὸ παρεστός. { *phereer* 2<sup>-</sup> 8

Subsequuntur tetram troch iv [ii] iv, iii iii : iii iii, v v.

616—23 = 683—90

|                                 |                                         |
|---------------------------------|-----------------------------------------|
| νῦν ἄρ' ἄξιόν <γε> πᾶσιν        | { tro tro { 2                           |
| έστιν ἐπολολύξαι.               | { ithyph { 2                            |
| ὦ καλὰ λέγων, πολὺ δ' ἀ-        | { cr <sup>~</sup> cr <sup>~</sup> 2     |
| μείνον' ἔτι τῶν λόγων           | { cr <sup>~</sup> cr 2 8                |
| ἔργας<ά>μεν', εἴθ' ἐπέλ-        | { cr <sup>~</sup> cr 2                  |
| θοις ἅπαντά μοι σαφῶς·          | { lecyth 2                              |
| 620 ὡς ἐγὼ μοι δοκῶ             | cr cr 2 $\overline{6}$                  |
| κᾶν μακρὰν ὁδὸν διελθεῖν        | { tro tro <sup>-</sup> { 2              |
| ὡστ' ἀκούσαι. πρὸς τὰδ', ὦ βέλ- | { tro <sup>-</sup> tro <sup>-</sup> { 2 |
| τιστε, θαρρήσας λέγ', ὡς ἅ-     | { tro <sup>-</sup> tro <sup>-</sup> { 2 |
| παντες ἠδόμεσθά σοι.            | { lecyth { 2 8                          |

756—60 = 836—40

|                                                          |                              |
|----------------------------------------------------------|------------------------------|
| νῦν δὴ σε πάντα δεῖ κάλων ἐξιέναι σεαυτοῦ                | ia ia / ia ba 4              |
| καὶ λῆμα θούριον φορεῖν καὶ λόγους ἀφύκτους,             | ia ia / ithyph 4             |
| ὅτοις τόνδ' ὑπερβαλεῖ. ποικίλος γὰρ ἀνήρ                 | ia ia / ithyph 4             |
| κάκ τῶν ἀμηχάνων πόρους εὐμήχανος πορίζειν.              | ia ia ia ba 4                |
| 760 πρὸς ταυθ' ὅπως ἔξει πολὺς καὶ λαμπρὸς ἐς τὸν ἄνδρα. | ia ia / ia ba $\overline{4}$ |
| 759 εὐμηχάνους πορίζων                                   |                              |

Stropham excipiunt tetrametra anapaestica (761—823) amoebeumque inter botularium et coriarium anapaesticum (824—35, dimetr iv ii:vi<sup>-</sup>), antistrophum iambica (841—910) amoebeumque iambicum (metr xvi xvi xxvii, 911—40).

941 ΚΟΡΥΦΑΙΟΣ (an ΧΟΡΟΣ promiscue?) sermone pedestri sec vet̄ gramm; 'a cuncto choro magna cum gravitate cantari' putat van Leeuwen:

εὔ γε, νῆ τὸν Δία καὶ τὸν Ἀπόλλω καὶ τὴν Δήμητρα.

973—76 = 77—80

= 81—84 = 85—88 = 89—92 = 993—96

|                                         |                        |
|-----------------------------------------|------------------------|
| ἠδιστον φάος ἡμέρας                     | } <sup>-</sup> glyc    |
| ἔσται τοῖς <τέ> παροῦσι καὶ             |                        |
| 975 <πᾶσιν> τοῖς ἀφικνουμένοις,         |                        |
| ἦν Κλέων ἀπόληται..                     |                        |
| 974 em Leeuwen, 975 Porson <sup>1</sup> | } <sup>-</sup> pherecr |

1111—20 = 21—30 = 31—40 = 1141—50

|      |                         |                                                                                                                                                               |                                                                        |
|------|-------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------|
| ω    | Δῆμε, καλὴν γ' ἔχει     | — — υ υ υ υ —                                                                                                                                                 | 2                                                                      |
|      | ἀρχὴν, ὅτε πάντες ἄν-   | $\left\{ \begin{array}{l} — — υ υ υ υ — \\ \cup — υ υ υ υ — \\ \cup — υ υ υ — \cup \end{array} \right.$                                                       | $\left. \begin{array}{l} 2 \\ 2 \\ 2 \end{array} \right\} 8$           |
|      | θρωποι δεδίασι ε' ὡς-   |                                                                                                                                                               |                                                                        |
|      | περ ἄνδρα τύραννον.     |                                                                                                                                                               |                                                                        |
| 1115 | ἀλλ' εὐπαράγωγος εἶ,    | $\left\{ \begin{array}{l} — — υ υ υ υ — \\ — — υ υ υ υ — \\ — — υ υ υ υ — \\ \cup — υ υ υ υ — \\ \cup — υ υ υ υ — \\ \cup — υ υ υ — \cup \end{array} \right.$ | $\left. \begin{array}{l} 2 \\ 2 \\ 2 \\ 2 \\ 2 \end{array} \right\} 8$ |
|      | θωπευόμενος τε χαί-     |                                                                                                                                                               |                                                                        |
|      | ρεις κάξαπατώμενος,     |                                                                                                                                                               |                                                                        |
|      | πρὸς τὸν τε λέγοντ' αἰε |                                                                                                                                                               |                                                                        |
|      | κέχρησας· ὁ νοῦς δέ σου |                                                                                                                                                               |                                                                        |
| 1120 | παρῶν ἀποδημεῖ.         |                                                                                                                                                               |                                                                        |

'Telesillea' et 'Reiziana' q v membra, quae quidem non ad prosodica quaedam antiquissima paeanismosque referenda sint (velut ἰηε Παιάν), dimetra acephala coarguuntur esse licentiis antistrophicis ab Euripide admissis, velut ὀρθρευομένα γόοι: παγαίς τ ἐπ' Ὀκεανού Phaeth 773, 25: 33 N<sup>2</sup>. Strophae structuram ex aeolica Anacreontis stropa γουνοῦμαί ε' ἐλαφρῶλε imitatione dixeris esse expressam.

ΠΑΡΑΒΑCΙC Β'

(cf Ad Kirchhoff Herm XIII [1878] 287 ss)

1264—73 = 1290—99

|     |                                              |                                                                                                       |                                                       |
|-----|----------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------|
|     | τί κάλλιον ἀρχομένοις[iv]                    | — — υ υ — — υ υ —                                                                                     |                                                       |
| 265 | ἢ καταπαυομένοισιν,                          | — υ υ — υ υ — υ                                                                                       | 4                                                     |
|     | ἢ θοᾶν ἵππων ἐλατῆρας αἰεῖδεν,               | — υ — — — υ υ — υ υ — —                                                                               |                                                       |
|     | μηδὲν ἐς Λυκίστρατον,                        | — υ — — — υ — (an Iecyth T)                                                                           | 5                                                     |
|     | μηδὲ Θούμαντιν τὸν ἀνέστιον αὖ λυ-           | $\left\{ \begin{array}{l} — υ — — — υ — υ — υ — — \\ — υ — — — υ — (an Iecyth T) \end{array} \right.$ | $\left. \begin{array}{l} 5 \\ 5 \end{array} \right\}$ |
|     | πεῖν ἐκούσῃ καρδίᾳ;                          |                                                                                                       |                                                       |
| 270 | καὶ γὰρ οὗτος[ι], ὦ φίλ' Ἀπολλων, <αἰε> πει- | — υ — — — υ υ — υ — —                                                                                 |                                                       |
|     | νῆ θαλεροῖς δακρυοῖς<iv>                     | — υ υ — υ — — —                                                                                       | 5                                                     |
|     | εἰς ἀπτόμενος φαρέτρας                       | — — υ — — υ —                                                                                         |                                                       |
|     | Πυθῶνι [έν] διὰ μὴ κακῶς πένεσθαι.           | — — υ — — — υ — υ — — 5                                                                               |                                                       |

Stropha chalcidica Pindaricis pannis exornata, in clausulam desinens Archilocheam, quam excipiunt tetr troch sena dena. Subsequuntur anap tetr xix.





|     |                                                                                                                             |                                                               |                  |
|-----|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------|------------------|
|     | τηροῦμαι δ' ὑπὸ τῶνδ', ἐπεὶ                                                                                                 | <i>glyc</i>                                                   | 2                |
| 320 | βούλομαί γε πάλαι μεθ' ὑ-<br>μῶν ἔλθῶν ἐπὶ τοὺς καδί-<br>σκους κακόν τι πο(ι)ῆσαι.                                          | <i>glyc</i><br><i>glyc</i>                                    | 2<br>2           |
|     | ἀλλ' ὦ Ζεῦ <Ζεῦ> μεταβρόντα,<br>ἢ με πό(ι)ησον καπνὸν ἐξαίφνης                                                              |                                                               |                  |
| 325 | ἢ Προξενίδην ἢ τὸν Κέλλου<br>τοῦτον τὸν ψευδαμάμαξυν.<br>τόλμησον, ἄναξ, χαρίσασθαί μοι,<br>πάθος οἰκτίρας·                 | <i>paroem</i><br><i>an an</i><br><i>an an</i>                 | <br><br>8        |
|     | ἢ με κεραυνῷ διατινθαλέῳ<br>σπόδιον ταχέως·                                                                                 | <i>an an</i><br><i>an</i>                                     | 3 11<br>3        |
| 330 | κᾶπειτ' ἀνελών μ' ἀποφυσῆσας<br>εἰς ὄξαλμῆν ἔμβαλε θερμῆν·<br>ἢ δῆτα λίθον με πό(ι)ησον, ἐφ' οὗ<br>τὰς χοιρίνας ἀριθμοῦσιν. | <i>an an</i><br><i>an an</i><br><i>an an</i><br><i>paroem</i> | <br><br><br>8 11 |

319 ἀλλὰ γὰρ οὐχ 320 πάλαι πάνυ

De quattuor membris acephalis (317/18) cf ad eq 1111 ss adnotata.

### III ΑΜΟΙΒΑΙΟΝ

#### ΚΟΡΥΦ ΦΙΛΟΚΛ

334—45 = 365—78

Trochaica membra dimetra vel tetrametra (metr. xiv : xiv) cum dimetrorum (vi) catena interiecto ante clausulam monometro. E dimetris propter leviolem quandam lecythii formam (de qua cf append) notatu digna haec:

339 τίνα πρόφασιν ἔχων;     $\underline{v} \cup \cup \cup \underline{v} \cup \cup$   
= 360 ἀλλ' ἔπαγε τὴν γνάθον.

Sequuntur stropham anapaestica tetrametra xii cum dimetrorum (vii) serie, antistrophum tetr xvi et (accedentibus Bdeycleone et Xanthia) viii.

IV 403—14 = 461—70

X(ΟΡΟΣ) ΒΔ(ΕΛΥΚΛΕΩΝ)

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>X εἶπέ μοι, τί μέλλομεν κινεῖν ἐκείνην τὴν χολήν, ἦν περ ἦνίκα' ἄν τις ἡμῶν ὀργίσῃ τὴν σφηκίαν; 405 νῦν ἐκείνο, νῦν ἐκείνο τοῦ ἐξύθυμον, ᾧ κολαζόμεθα κέντρον ἐν τετάσθω. 465 ἄλλα θαῖμάτια βαλόντες ὡς τάχιστα, παιδιά, θεῖτε καὶ βοάτε καὶ Κλέωνι ταῦτ' ἀγγέλλετε, 410 καὶ κελεύετ' αὐτὸν ἦκειν ὡς ἐπ' ἄνδρα μισόπολιν ὄντα κάπολόμενον, ὅτι τόνδε λόγον εἰσφέρει, [ὡς χρῆ] μὴ δικάζειν δίκας. 470</p> | <p>461 Β Δ ἀλλὰ μὰ Δι' οὐ ραδίως οὐτως ἂν αὐτοὺς διέφυγες, εἴ περ ἔτυχον τῶν μελέων &lt;τῶν&gt; Φιλοκλέους βεβρωκότες. X ἄρα δητ' οὐκ αὐτόδηλα τοῖς πένησιν, ἢ τυραννικῶς μ' ἐλάνθαν' ὑπιούσα; εἰ κύ γ' ᾧ πόνῃ πονηρὲ καὶ κομηταμυνία, τῶν νόμων ἡμᾶς ἀπείργει ὡν ἔθηκεν ἡ πόλις, οὔτε τίν' ἔχων πρόφασιν οὔτε λόγον εὐτράπελον αὐτὸς ἀρχῶν μόνος.</p> |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

407 ἐντέτατ' δ'εὺ 409 λαβόντες V R 412 κάπολούμενον  
 (cf Wilh Schulze Q E 201) 463 αὐτὰ δῆλα 465 λάθρα γ' ἐλάνθαν' V, λάθρα γ' ἐλάμβαν' R, tum ὑπιούσά με vulgo.

|                 |                         |        |
|-----------------|-------------------------|--------|
| 403/4 = 461/2   | tetramm troch           | 8      |
| 405 = 463       | —υ—υ —υ—υ               |        |
|                 | { —υ—υ —υ—υ             |        |
|                 | { —υ—υ —υ—υ             | 6      |
| 408/9 = 466/7   | tetramm troch           | 8      |
| 410 . . .       | (—υ—υ —υ—)              |        |
| 411 = 468 (?)   | —υ <sup>v</sup> —υ —υ—υ |        |
| 412 = . . .     | { (—υ—υ υ—υ—υ)          |        |
| 413/14 = 469/70 | { —υ—υ —υ—υ             |        |
|                 | { —υ— —υ—υ              | 6 (+4) |

De attenuata trochaeorum forma cf appendix. De stropharum discrepantia nub 812, eccl 918.



Sequuntur stropham tetram troch bis undena (418/19=428/29  
cretica), tum in pugna xxiv, antistrophum lv.

## ΑΜΟΙΒΑΙΟΝ

## Χ(ΟΡ) ΒΔ(ΕΛΥΚΛ) ΦΙ(ΛΟΚΛ)

526—45 = 631—48

- |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>X νῦν δὴ τὸν ἐκ θήμετέρου<br/>γυμνασίου λέγειν τι δεῖ<br/>καινόν, ὅπως φανήσκει —<br/>530 ΒΔ ἐνεγκάτω μοι δεῦρο τὴν<br/>κίστην τις ὡς τάχιστα —<br/>ἀτὰρ φανεί ποῖός τις ὦν,<br/>ἦν ταῦτα [αὐτὰ] παρακελεύη;<br/>X μὴ κατὰ τὸν νεανίαν<br/>τόνδε λέγειν. ὄρας γάρ, ὡς<br/>κοι μέγας ἐστὶν ἄγων</p> <p>καὶ περὶ τῶν ἀπάντων,<br/>535 εἶπερ, ὃ μὴ γένοιτο,<br/>νῦν [οὗτος] ἐθέλει κρατῆσαι.<br/>538 ΒΔ καὶ μὴν ὅς' ἂν λέξη γ' ἀπλῶς<br/>μνημόσυνα γράψομαι ᾧ.<br/>ΦΙ τί γὰρ φάθ' ὑμεῖς, ἦν ὀδί<br/>με τῷ λόγῳ κρατῆρη;<br/>X οὐκέτι πρεσβυτῶν ὄχλος<br/>χρήσιμος ἔσθ' οὐδ' ἀκαρῆ·<br/>σκωπτόμενοι δ' ἐν ταῖς ὁδοῖς<br/>θαλλοφόροι καλούμεθ', ἀντ-<br/>545 ωμοσιῶν κελύφη.</p> | <p>X οὐπώποθ' οὕτω καθαρῶς<br/>οὐδένοσ ἠκούσαμεν οὐ-<br/>δὲ ξυνετώσ λέγοντοσ.<br/>635 ΦΙ οὐκ, ἀλλ' ἐρήμασ ὤθεθ' οὐ-<br/>τω βραδίωσ τρυγήσειν.<br/>καλώσ γάρ ἦδειν ὡσ ἐγῷ<br/>ταῦτη κράτιστόσ εἰμι.<br/>X ὡσ δὲ πάντ' ἐπελήλυθεν<br/>κοῦδὲν παρήλθεν, ὡστ' ἔρω<br/>ἠῶξανόμην ἀκούων.</p> <p>κάν μακάρων δικάζειν<br/>640 αὐτόσ ἔδοξα νήσοισ,<br/>ἠδόμενοσ λέγοντι.<br/>ΦΙ ὡσ οὗτοσ ἦδη σκορδινα-<br/>ται κάστιν οὐκ ἐν αὐτοῖσ<br/>ΒΔ ἦ μὴν ἐγῷ σε τήμερον<br/>σκῦτη βλέπειν πο(ι)ήσω.<br/>X δεῖ δὲ σε παντοῖασ πλέκειν<br/>645 εἰσ ἀπόφευειν παλάμασ·<br/>τῆν γάρ ἐμὴν ὀργῆν πεπα-<br/>ναὶ χαλεπόν &lt;νεανία?&gt;<br/>μὴ πρόσ ἐμοῦ λέγοντι.</p> |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

526 νῦν δὲ plerique

532 τονδι Bentley

542 ἂν ἐν ταῖς(ιν) ὁδοῖς(ιν) ἀπάσαισ θαλλ. καλούμεθ'

526 ss = 631 ss

|               |           |           |   |
|---------------|-----------|-----------|---|
| — — — — —     | — — — — — | 2         |   |
| {             | — — — — — | — — — — — | 2 |
|               | — — — — — | — — — — — | 2 |
|               |           | 2         | 6 |
| <i>tetram</i> |           | 4         |   |
| <i>tetram</i> |           | 4         |   |

|           |           |           |   |
|-----------|-----------|-----------|---|
| — — — — — | — — — — — | 2         |   |
| {         | — — — — — | — — — — — | 2 |
|           | — — — — — | — — — — — | 2 |
|           |           | 2         | 6 |

534 ss = 640 ss

|               |           |   |   |
|---------------|-----------|---|---|
| — — — — —     | — — — — — | 2 |   |
| — — — — —     | — — — — — | 2 |   |
| — — — — —     | — — — — — | 2 | 6 |
| <i>tetram</i> |           | 4 |   |
| <i>tetram</i> |           | 4 |   |

|           |           |           |          |
|-----------|-----------|-----------|----------|
| — — — — — | — — — — — | 3         |          |
| — — — — — | — — — — — | 2         | <u>4</u> |
| {         | — — — — — | — — — — — | 2        |
|           | — — — — — | — — — — — | 2        |
|           | — — — — — | — — — — — | 2        |
|           |           | 2         | 6        |

Interiecta sunt strophis tetram anap LXXV cum dimetrorum (ix) serie duobus monometris admixtis, sequuntur tetram LXX cum dimetrorum (v) serie adiecto monometro.

729—36 = 741—49

Antecedunt coryphaei tetram anap iv.

|                                         |                  | <i>thes metr</i> |
|-----------------------------------------|------------------|------------------|
| Χ πιθοῦ, πιθοῦ λόγοισι, μηδ' ἄφρων γένη | <i>trim</i>      | 6                |
| 730 μηδ' ἀτενῆς ἄγαν ἀτεράμων τ' ἀνήρ.  | δ δ              | 6 6              |
| εἶθ' ὄφελέν μοι κηδεμῶν ἦ Ξυγγενῆς      | <i>trim</i>      | 6                |
| εἶναί τις ὄστις το(ι)αῦτ' ἐνουθέτει.    | <i>ia lecyth</i> | 6 6              |
| κοὶ δὲ νῦν τις θεῶν                     | <i>cr cr</i>     | <u>4</u>         |
| παρῶν ἐμφανῆς                           | δ                | 3                |
| Ξυλλαμβάνει τοῦ πράγματος               | { <i>ia ia</i>   | { 4              |
| 735 καὶ δῆλός ἐστιν εὖ πο(ι)ῶν.         | { <i>ia ia</i>   | { 4              |
| κύ δὲ παρῶν δέχου.                      | δ                | 3 9              |

Sequuntur stropham ΒΔ anapaesti (metr xii + i), antistrophum post ΦΙ et ΒΔ monometra singula ΦΙ (metr xviii + i).

868—74 = 885—90

Antecedunt coryphaei dimetra anap iv adiecto monometro.

|                                         |               |          |
|-----------------------------------------|---------------|----------|
| ΒΔ εὐφημία μὲν πρῶτα νῦν ὑπαρχέτω.      | <i>trim</i>   |          |
| Χ ὦ Φοῖβ' Ἀπολλων Πύθι'; ἐπ' ἀγαθῇ τύχη | <i>trim</i>   | 6        |
| 870 τὸ πρᾶγμ', δ μηχανάται              | <i>ia ba</i>  |          |
| ἐμπροσθεν οὗτος τῶν θυρῶν,              | <i>ia ia</i>  |          |
| ἅσασιν ἡμῖν ἀρμόσσι                     | <i>ia ia</i>  | 6        |
| παυσαμένοις πλάνων.                     | δ             |          |
| ἰήιε Παιάν.                             | <i>prosod</i> | <u>3</u> |

ARISTOPHANIS cantica dig. Schroeder.

2

Interiecta sunt strophis Bdelycleonis anapaesti (π π π π π π π π = xvii metra).

## ΠΑΡΑΒΑΣΙΣ

1060—70 = 1091—1100

Antecedunt 1009 ss commatii loco coryphaei pentametra π, anapaesticum alterum (π + π<sub>v</sub> ι) cum dimetris trochaicis π, alterum trochaicum; dein, post anapaestica tetrametra xxxvi, dimetra anap vii duobus adiectis monometris.

|      |                                                      |                                                                            |     |
|------|------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------|-----|
| 1060 | ὦ πάλοι ποτ' ὄντες ἡμεῖς                             | <i>tro tro</i> <sup>~</sup>                                                |     |
|      | ἄλκιμοι μὲν ἐν χοροῖς,                               | <i>tro</i> <sup>~</sup> <i>cr</i>                                          | 4 } |
|      | ἄλκιμοι δ' ἐν μάχαις,                                | <i>cr cr</i>                                                               | 2 } |
|      | καὶ κατ' αὐτὸ τοῦτο μόνον                            | { <i>tro tro</i> <sup>v~</sup>                                             |     |
|      | ἄνδρες ἀλκιμώτατοι·                                  | { <i>tro cr</i>                                                            | 4 } |
|      | πρὶν ποτ' ἦν, πρὶν ταῦτα, νῦν δ'                     | { <i>tro</i> <sup>-</sup> <i>cr</i>                                        |     |
|      | οἴχεται, κύκνου τε πολιώτεροι δὴ                     | { <i>tro</i> <sup>-</sup> <i>tro</i> <sup>v~</sup> <i>tro</i> $\frac{5}{}$ |     |
| 1065 | αἶδ' ἐπανθοῦσιν τρίχες.                              | <i>tro cr</i>                                                              | 2   |
|      | ἀλλὰ κάκ τῶν λειψάνων δεῖ                            | { <i>tro</i> <sup>-</sup> <sup>~</sup> <i>tro</i>                          |     |
|      | τῶνδε ῥώμην νεανικήν χεῖν·                           | { <i>tro</i> <sup>-</sup> <i>tro</i>                                       |     |
|      | ὥς ἐγὼ τοῦμὸν νομίζω                                 | { <i>tro</i> <sup>-</sup> <i>tro</i>                                       | 6   |
|      | γῆρας εἶναι κρείττον ἢ πολ-                          | { <i>tro</i> <sup>-</sup> <i>tro</i> <sup>-</sup>                          |     |
|      | λῶν κικίνουσι νεανίων καὶ                            | { <i>tro</i> <sup>-</sup> <i>tro</i> <sup>-</sup>                          |     |
| 1070 | σχῆμα κεύρου πρωκτίαν.                               | <i>tro cr</i>                                                              | 6   |
|      | 1062 μαχιμώτατοι 67 γνώμην V 91 πάντας ἐμέ] πάντα μὴ |                                                                            |     |
|      | Subsequuntur tetr troch vicena.                      |                                                                            |     |

## ΑΜΟΙΒΑΙΟΝ

1224—48

|      |                                            |                |      |
|------|--------------------------------------------|----------------|------|
|      | BΔ ἐγὼ εἶσομαι· καὶ δὴ γάρ εἰμ' ἐγὼ Κλέων· | <i>trim</i>    | 3    |
| 1225 | ἄδω δὲ πρῶτος Ἀρμοδίου, δέξαι δὲ σύ·       | <i>trim</i>    | 3    |
|      | οὐδεὶς πῶποτ' ἀνήρ ἐγέν[ε]τ' Ἀθηναί[ο]c —  | <i>glyc ba</i> | 3    |
|      | ΦΙ οὐθ' οὐτῶ γε πανοῦργος <οὐδὲ> κλέπτῃς — | <i>glyc ba</i> | 3 12 |
|      | BΔ τουτὶ σὺ δράσεις; παραπολεῖ βούμενος·   | <i>trim</i>    | 3    |
|      | φήσει γὰρ ἔξολεῖν σε καὶ διαφθερεῖν        | <i>trim</i>    | 3    |
| 1230 | καὶ τῆσδε τῆς γῆς ἔξελάν. ΦΙ ἐγὼ δέ γε,    | <i>trim</i>    | 3    |
|      | ἐὰν ἀπειλή, νῆ Δί' ἐτέραν ἄσομαι·          | <i>trim</i>    | 3 12 |

ῶνθρωφ', οὗτος ὁ μαιόμενος τὸ μέγα κράτος, *aeolenopl* 3  
 1235 ἀν[α]τρέψεις ἔτι τὰν πόλιν· ἅ δ' ἔχεται ῥοπαῶ. *aeolenopl* 3  
 ΒΔ τί δ' ὅταν Θέωρος πρὸς ποδῶν κατακείμενος *trim* 3  
 ἄδη Κλέωνος λαβόμενος τῆς δεξιᾶς· *trim* 3 12

Ἄδμήτου λόγον, ᾧταῖρε, μαθῶν  
 τοὺς ἀγαθοὺς φίλει, *asclep mai*  $\overline{4}$   
 1240 τούτῳ τί λέξεις σκόλιον; Φι ὠδί πως ἐγώ· *trim* 3  
 οὐκ ἔστιν ἀλωπεκίζειν *quatern*  $\overline{2}$   
 οὐδ' ἀμφοτέροισι γίγνεσθαι φίλον. *quatern cr* 3 12

ΒΔ μετὰ τοῦτον Αἰσχίνης ὁ Cέλλου δέξεται, *trim* 3  
 ἀνὴρ σοφὸς καὶ μουσικός· κᾶτ' ἄσεται· *trim* 3  
 1245 χρήματα καὶ βίον *dodr*  $\overline{1\frac{1}{2}}$   
 Κλειταγόρα τε κάμοι μετὰ Θετταλῶν — *dodr dodr* 3  
 Φι πολλὰ δὴ διεκόμπασας εὐ κάγῳ. *glyc ba* 3

1227 οὐχ οὕτω 40 ψδικῶς 45 βίαν 48 διεκόμιας (ἐπεὶ  
 κομπατῆς ἦν schol)

1265-91 *Nebouparab: Kō. AE II 1246/1*  
 1265-74 = <1283/4 *intercidit antistrophus*> *if. Kō.*

1265 πολλάκις δὴ ὄοξ' ἐμαυτῷ *tro tro*  
 δεξιὸς πεφυκέναι καὶ *{ tro tro*  
 καιὸς οὐδεπώποτε· *{ tro cr*  $\overline{6}$   
 ἀλλ' Ἀμυνίας ὁ Cέλλου *tro tro*  
 μάλλον οὐκ τῶν Κρωβύλων, *tro cr*  
 οὗτος ὄν γ' ἐγώ ποτ' εἶδον *tro tro*  
 ἀντὶ μήλου καὶ ῥοαῶς δει- *{ tro tro*  
 πνοῦντα μετὰ Λεωγόρου — πει- *{ tro tro*  
 1270 νῆ γὰρ ἦπερ Ἀντιφῶν — *{ tro cr* 12  
 ἀλλὰ πρεσβέων γὰρ εἰς Φάρ- *{ tro tro*  
 καλον ᾤχετ'· εἶτ' ἐκεῖ *{ tro cr*  
 <δεξιὸς??> μόνος μόνοις *tro tro*  
 τοῖς Πενέσταισι Ξυνὴν τῶν *{ tro tro*  
 Θεττάλων, αὐτὸς πενέστης *{ tro tro*  
 ὦν ἔλαττον οὐδένοσ. *{ tro cr* 12

1267 κρωβύλου R 74 ἐλάττων

it. K.<sup>9</sup>  
 Subsequabantur olim (nam interceptus una cum antistropho  
 est ante 1284 antepirrhematicus versus primus) cretica tetrametra  
 octona cum singulis tetrametris trochaicis (cf Ach 971 ss).

## ΦΙΛΟΚΛΕΩΝ

(ebrius)

1326—31

|                           |                  |                  |   |
|---------------------------|------------------|------------------|---|
| ἀνεχε, πάρεχε·            | ύύύ              | ύύύ              |   |
| κλαύσεται τις τῶν ὄπισθεν | tro <sup>-</sup> | tro              |   |
| ἐπακολουθούντων ἐμοί·     | tro <sup>-</sup> | er               | 6 |
| οἶον, εἰ μὴ ῥρήσῃ, ὑμᾶς,  | tro <sup>-</sup> | tro <sup>-</sup> |   |
| 1330 ὦ πονηροί, ταυτηὶ τῇ | tro <sup>-</sup> | tro <sup>-</sup> |   |
| δαδι φρυκτοῦς σκευάω.     | tro <sup>-</sup> | er               | 6 |

Subsequuntur trim iamb III.

Idem

1335—40

|                                    |                  |                  |          |
|------------------------------------|------------------|------------------|----------|
| ἰὴ ἰεῦ, καλούμενοι.                | ia               | ia               | <u>2</u> |
| ἀρχαῖά γ' ὑμῶν· ἀρά γ' ἴσθ'        | {                | ia               | ia       |
| ὥς οὐδ' ἀκούων ἀνέχομαι            |                  | ia               | ia       |
| δικῶν; ἰαιβοὶ <ι>αιβοὶ.            | paroem (enopl)   |                  | 6        |
| τάδε μ' ἀρέσκει· βάλλε κημούς.     | tro <sup>-</sup> | tro              |          |
| 1340 οὐκ ἄπειναι; ποῦ ἔστιν <ἡμῖν> | tro              | tro <sup>-</sup> |          |
| ἡλιαστής; ἐκποδῶν.                 | tro <sup>-</sup> | er               | 6        |

1450—61 = 1462—73

|                                 |                                    |         |             |
|---------------------------------|------------------------------------|---------|-------------|
| 1450 Ζηλῶ γε τῆς εὐτυχίας       | — — — —                            | — — — — | 2           |
| τὸν πρέσβυν, ὥς μετέστη         | — — — —                            | — — — — | 2           |
| Ξηρῶν τρόπων καὶ βιοτῆς,        | {                                  | — — — — | 2           |
| ἕτερα δὲ νῦν ἀντιμαθῶν          |                                    | — — — — | <u>2</u>    |
| ἦ μέγα τι μεταπεσεῖται          | — — — —                            | — — — — | <u>2</u> 10 |
| 1455 ἐπὶ τὸ τρυφῶν καὶ μαλακόν· | — — — —                            | — — — — | 2           |
| τάχα δ' ἂν ἴσωσ οὐκ ἐθέλοι·     | — — — —                            | — — — — | 2           |
| τὸ γὰρ ἀποστήναι χαλεπὸν        | — — — —                            | — — — — | 2           |
| φύσεος, ἦν ἔχοι τις αἰεί.       | — — — —                            | — — — — | 2           |
| καίτοι πολλοὶ ταυτ' ἔπαθον·     | — — — —                            | — — — — | <u>2</u> 10 |
| 1460 Ξυνόντες γυνάμαις ἐτέραις  | — — — —                            | — — — — | 2           |
| μετεβάλλοντο τοῦς τρόπους.      | tro <sup>-</sup> ecy <sup>th</sup> |         | 2 <u>4</u>  |

1454 μεταπίεεται *V*, μεγαπίεεται *R*, 55 ἐπὶ τὸ ῥυφᾶν *V*, ἐπιτρυφόν *R*, ἐπὶ τὸ τρυφερόν Ald 61 μετεβάλ(λοντο) 73 κατακομῆσαι (κατακληῆσαι ΣΓΡ, quae non tam v l, quam lectionis Aristophaneae a Meinekio redintegratae interpretatio acutissima).

1482—1495

Anapaestica dimetra πi v v, interiectis monometris, in summa metra xxviii.

ΕΞΟΔΟΣ

1518—22 = 1523—27

Antecedunt coryphaei tetram anap πi.

|                           |                 |          |
|---------------------------|-----------------|----------|
| ἄγ' ὦ μεγαλύνουμα τέκνα   | v — u — u — v   | 4        |
| τοῦ θαλασσίου <θεοῦ>      | — u — u — —     | 4        |
| 1520 πηδᾶτε παρὰ ψάμαθον  | — — u — u — —   | <u>2</u> |
| καὶ θῖν' ἄλδος ἀτρυγέτου, | { — — u — u — — | 4        |
| Καρίδων ἀδελφοί.          | { — u — u — —   | 4        |

1521 ἀτρυγέτιο (cf antistr)

Subsequuntur tetrametra Archiloea (diaeresi fere neglecta, prioris membri thesi ultima in vocabuli continuatione semel [1531] correpta) πi πi πi, metra in summa xxviii.

## ΕΙΡΗΝΗ

82—101

Trygaei Xanthiaequae anapaestica dimetra XIX (ν ιν . ιι ιι ιν)  
interiecto (91) monometro, nisi forte vocibus *είγα είγα* dimetrum  
expleri putas; sed cf infra 154—72.

### ΚΟΡΗ

114—118

|                                      |             |                           |                 |
|--------------------------------------|-------------|---------------------------|-----------------|
| ὦ πάτερ, ὦ πάτερ, ἄρ' ἔτυμός γε      | <i>da</i>   | <i>da</i>                 |                 |
| 115 δώμασιν ἡμετέροισ φάτις ἤκει,    | <i>da</i>   | <i>da</i>                 | 4               |
| ὡς cὺ μετ' ὀρνίθων προλιπὼν ἔμ(έ)    | { <i>da</i> | { <i>da</i>               | { 4<br><u>3</u> |
| ἔς κόρακας βαδιεῖ μεταμύνιος;        | { <i>da</i> | { <i>da</i>               |                 |
| ἔστι τι τῶνδ' ἐτύμως; εἶπ', ὦ πάτερ, | { <i>da</i> | { <sup>vr</sup> <i>da</i> |                 |
| εἶ τι φιλεῖς με.                     | { <i>da</i> | { <i>da</i>               |                 |

Sequuntur Trygaei trimetra dactylia ν (ι ιι ι).

154—172

Trygaei anapaestica dimetra XIX (ν ιι ιν ιι ιν).

## ΠΑΡΟΔΟΣ

346—60 = 582—600 (cf 385—99)

Antecedunt coryphaei Trygaeique tetram troch xxxviii (xv  
ν νιι) cum Trygaei dimetris νι adiecto monometro.

|                                |             |             |      |
|--------------------------------|-------------|-------------|------|
| CTP εἰ γὰρ ἐκγένοιτ' ἰδεῖν τὴν | { — — — — — | { — — — — — |      |
| ἡμέραν ταύτην ποτέ.            | { — — — — — | { — — — — — | } 4v |
| πολλὰ γὰρ ἀνεσχόμεν            | { — — — — — | { — — — — — |      |
| πράγματά τε καὶ στιβάδας,      | { — — — — — | { — — — — — | } 6  |
| ὡς ἔλαχε Φορμίων.              | { — — — — — | { — — — — — |      |
| κοῦκέτ' ἄν μ' εὖροι δικαστὴν   | { — — — — — | { — — — — — |      |
| δριμὺν οὐδὲ δύσκολον,          | { — — — — — | { — — — — — | 4v   |

|     |                                       |             |                |
|-----|---------------------------------------|-------------|----------------|
| 350 | οὐδὲ τοὺς τρόπους γε δήπου            | — — — — —   |                |
|     | κληρόν, ὥσπερ καὶ πρὸ τοῦ,            | — — — — —   | 4 <sub>H</sub> |
|     | ἀλλ' ἀπαλὸν ἄν μ' ἴδοις               | { — — — — — | 6              |
|     | καὶ πολὺ νεώτερον ἀπ-                 | { — — — — — |                |
|     | αλλαγέντα πραγμάτων.                  | { — — — — — |                |
|     | καὶ γὰρ ἱκανὸν χρόνον ἀπ-             | { — — — — — | 6              |
| 355 | ολλύμεθα καὶ κατατε-                  | { — — — — — |                |
|     | τρίμεθα πλανώμενοι                    | { — — — — — |                |
|     | ἔς Λυκεῖον κᾶκ Λυκείου                | — — — — —   |                |
|     | Ξὺν δορί Ξὺν ἀσπίδι.                  | — — — — —   | 4              |
|     | ἀλλ' ὅ τι μάλιστα χαρι-               | { — — — — — | 6              |
|     | ούμεθα πο(ι)οῦντες, ἄγε               | { — — — — — |                |
|     | φράζε· σὲ γὰρ αὐτοκράτορ <sup>3</sup> | { — — — — — |                |
| 360 | εἶλετ' ἄγα- (cf 399)                  | { — — — — — |                |
|     | θή τις ἡμῖν τύχη.                     | { — — — — — | 3              |

|                  |                                                 |  |   |
|------------------|-------------------------------------------------|--|---|
| ANT              | χαῖρε χαῖρ', ὡς ἀμένοισιν                       |  |   |
|                  | ἦλθεσ ἡμῖν φιλάτη.                              |  | 4 |
|                  | σῶ γὰρ ἐδάμην πόθῳ                              |  | 6 |
| 585              | δαιμόνια, βουλόμενος                            |  |   |
|                  | εἰς ἀγρὸν ἀνερπύσαι.                            |  |   |
| 585 <sup>b</sup> | <tetram> (quo omisso concidit periodorum ratio) |  | 4 |
|                  | ἦσθα γὰρ μέγιστον ἡμῖν                          |  | 4 |
|                  | κέρδος, ὧ ποθουμένη                             |  |   |
|                  | πᾶσιν, ὅποσοι γεωρ-                             |  | 6 |
| 590              | γὸν βίον ἐτρίβομεν· μό-                         |  |   |
|                  | νη γὰρ ἡμᾶς ὠφέλεις.                            |  |   |
|                  | πολλὰ γὰρ ἐπάσχομεν                             |  | 6 |
|                  | πρὶν ποτ' ἐπὶ σοῦ γλυκέα                        |  |   |
|                  | κάδαπανα καὶ φίλα.                              |  |   |
| 595              | τοῖς ἀγροίκοισιν γὰρ ἦσθα                       |  | 4 |
|                  | χίδρα καὶ σπηρία.                               |  |   |
|                  | ὥστε σὲ τά τ' ἀμπέλια                           |  | 6 |
|                  | καὶ τὰ νέα κυκίδια                              |  |   |
|                  | τᾶλλα θ' ὅπόσ' ἐστι φυτὰ                        |  |   |
| 600              | προσγελάσε-                                     |  | 3 |
|                  | ται λαβόντ' ἄσμενα.                             |  |   |



346 ταύτην με τὴν ἡμ. ποτέ  
 347 ἤνεσχόμην 357 σὺν — σὺν  
 584/5 ἐδάμμεν — βουλόμενοι 589 γεωργικὸν 599 ὄσ(σ)

(346—60): 385—399: (582—600)

Χ(ΟΡΟΣ) Τ(ΡΥΓΑΙΟΣ)

|       |                               |                            |   |
|-------|-------------------------------|----------------------------|---|
| 385 X | μηδαμῶς, ὦ δέσποθ' Ἑρμῆ, [μη] | —υ— —υ—                    |   |
|       | μηδαμῶς, μηδαμῶς,             | —υ <sub>ε</sub> ' —υ—      | 4 |
|       | εἶ τι κεχαρισμένον            | —υυ —υ—                    | } |
|       | χοιρίδιον οἶθα παρ' ἐ-        | { —υυ —υυ                  |   |
|       | μοῦ γε κατεδηδοκίως,          | { —υυ —υ—                  |   |
|       | τοῦτο μὴ φαῦλον νόμιζ' ἐν     | { —υ— —υ—                  | } |
|       | τῷδε τῷ πράγματι.             | { —υ <sub>ε</sub> ' —υ—    |   |
|       | T οὐκ ἀκούεις, οἶα θωπεύ-     | { —υ— —υ—                  | } |
|       | ουσί σ', ὠναῖ δέσποτα;        | { —υ— —υ—                  |   |
| 390 X | μὴ γένη παλίγκοτος            | { —υ <sub>ε</sub> ' υ —υ υ | } |
|       | ἀντιβολοῦσιν ἡμῖν,            | { —υ υ —υ—                 |   |
|       | ὥστε τήνδε μὴ λαβεῖν·         | —υ— υ —υ—                  | 6 |
|       | ἀλλὰ χάρις', ὦ φιλαν-         | { —υυ —υ <sub>ε</sub> '    | } |
|       | θρωπότητε καὶ μεγαλο-         | { —υυ —υυ                  |   |
|       | δωρότατε δαιμόνων,            | { —υυ —υ—                  |   |
| 395   | εἶ τι Πεισάνδρου βδελύττει    | —υ— —υ—                    | } |
|       | τοὺς λόφους καὶ τὰς ὄφρυς,    | —υ— —υ—                    |   |
|       | καὶ σε θυεταίαιν ἱε-          | { —υυ —υυ                  | } |
|       | ραῖα προσόδοις τε μεγά-       | { —υυ —υυ                  |   |
|       | λαια διὰ πάντες, ὦ            | { —υυ —υ <sub>ε</sub> '    |   |
| 399   | δέσποτ', ἀγα-                 | { —υυ —υ—                  | } |
|       | λοῦμεν ἡμεῖς αἰεῖ.            | { —υ— —υ—                  |   |
|       | 388 νομίζων ἐν                |                            |   |

Quamquam duriuscule congruere videntur:

ἀντιβ<sup>υ</sup> 390

et καὶ πολὺ<sup>υ</sup>νε- 351 = -γόν βίον<sup>υ</sup>ε- 590,

cetera omnia tam bene concinunt, ut non ad eosdem fere modos tria illa cantica cantata esse probabile non sit (cf etiam ionici inter se respondententes,  $\overline{\overline{\overline{\cup}}}$  —, Thesm 105. 12. 18. 24). Leviores quasdam discrepantias ( $\overline{\overline{\overline{\cup}}}$ ) enumerare nihil attinet, cum prae-

sertim trochaeis non raro paeones antistrophice respondere iam pridem observatum sit (Roßbach Gr Metr<sup>s</sup> 738). Id addere liceat 'paeonibus' istis non secus atque 'anapaestis' Ach 285 aut 'dactylis' huius cantici 390 aut adeo 'pyrrhichiis' avv 333ss singula expleri metra (Vorarb 126).

426—430

Trygaei coryphaeique tetram troch Π Π Ι.

433—434

σπονδή, σπονδή· — — — — da da 2  
 εὐφημείτε, εὐφημείτε ————, ———— da da 2

## ΕΛΚΗΤΗΡΙΟΝ

## Ε(ΡΜΗC) Χ(ΟΡΟC) Τ(ΡΥΓΑΙΟC)

459—72 = 486—99

460 Ε ὦ εἶα. Χ εἶα μάλα. — v ———  
 Ε ὦ εἶα. Χ ἔτι μάλα. — v ———  
 Ε ὦ εἶα, ὦ εἶα. — v — v 6  
 Τ ἄλλ' οὐχ ἔλκουσ' ἄνδρες ὁμοίως. an an  
 465 οὐ ξυλλήψεσθ'; οἱ δ' ἄγκύλλεσθ'· { an an  
 οἰμώξεσθ', οἱ Βοιωτοί. { paroem 6  
 Ε εἶα νυν. Τ εἶα ὦ. cr cr  
 Χ <ἄλλ'> ἄγετον, ξυνανέλκετε καὶ σφύ. an an 4  
 470 Τ οὔκουν ἔλκω κάξαρτώμαι an an  
 κάπεμπίπτω καὶ σπουδάζω; an an 4  
 Χ πῶς οὖν οὐ χωρεῖ τοῦργον; paroem 2

469 ξυν(αν)έλκετον

513—519

Χ ἄγε νυν, ἄγε πᾶς· ———— 2  
 ΕΡΜ καὶ μὴν ὁμοῦ 'στιν ἦδη. —̄ia ba 2 4  
 Χ μὴ νυν ἀνώμεν, ἄλλ' ἔπεν- { —̄ia ia { 2  
 515 τείνωμεν ἀνδρικώτερον. { —̄ia ia { 2<sub>v</sub>  
 ΕΡΜ ἦδη 'στὶ τοῦτ' ἐκεῖνο. —̄ia ba 2<sub>vH</sub> 6  
 Χ ὦ εἶα νυν, ὦ εἶα πᾶς, —̄ia —̄ia 2  
 ὦ εἶα εἶ- α εἶα εἶ- α εἶ-α [εἶα] —̄ia ia ba 2<sub>HV</sub>  
 ὦ εἶα εἶ- α εἶα εἶ- α εἶα πᾶς. —̄ia ia ia 2 6

518 sextum εἶα in R deesse fertur

553 ss, 601 ss

Parodi antistropho (582 ss) praemittuntur tetram tro xviii  
cum dimetris x adiecto monometro, subiciuntur tetram ι cum  
dimetris vi.

## ΠΑΡΑΒΑΣΙΣ

775—96 = 797—817

Antecedunt anapaestica tetram xxxvi cum dimetris x.

|     |                                                                                                                           |                                                                     |                         |
|-----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------|-------------------------|
| 775 | Μούσα, cὺ μὲν πολέμους ἀπ-<br>ωσαμένη μετ' ἔμοῦ<br>τοῦ φίλου χόρευον,<br>κλείουσα θεῶν τε γάμους<br>ἀνδρῶν τε δαΐτας      | { — — — — —<br>— — — — —<br><i>ithyph</i><br>— — — — —<br>— — — — — | {<br>4 }<br>2 }<br>3    |
| 780 | καὶ θαλίας μακάρων. σοὶ<br>γάρ τάδ' ἔξ ἀρχῆς μέλει.<br>ἦν δέ σε Καρκίνος ἔλθῶν<br>ἀντιβολῆ μετὰ τῶν παι-<br>δων χορευθαί, | { — — — — —<br>— — — — —<br>— — — — —<br>— — — — —                  | {<br>4 }<br>2 }<br>3 18 |
| 785 | μήθ' ὑπάκουε μήτ' ἔλ-<br>θης συνέριθος αὐτοῖς·<br>ἀλλὰ νόμιζε πάντας<br>ὄρτυγας οἰκογενεῖς γυλιαύχενας<br>ὄρχητάς         | { — — — — —<br>— — — — —<br>— — — — —<br>— — — — —<br>— — — — —     | {<br>6<br>3<br>3        |
| 790 | ναννοφυεῖς σφυράδων ἀποκνίματα<br>μηχανοδίφας.<br>καὶ γὰρ ἔφασχ' ὁ πατήρ ὁ παρ' ἐλπίδας                                   | { — — — — —<br>— — — — —<br>— — — — —                               | {<br>3<br>3             |
| 795 | εἶχε τὸ δρᾶμα γαλῆν τῆς<br>ἐσπέρας ἀπάγξει.                                                                               | { — — — — —<br>— — — — —<br><i>ithyph</i>                           | {<br>6 18               |
|     | 785 ὑπακούσῃς 805/6 ἤκουσ' / ἠνίκα] synaphea quaedam<br>admissa                                                           |                                                                     |                         |

865—67 = 909—21

## Χ(ΟΡΟΣ) Τ(ΡΥΓΑΙΟΣ)

X εὐδαιμονικῶς γ' ὁ πρε-  
εβύτης, ὅσα γ' ᾠδ' ἰδεῖν,  
τὰ νῦν τάδε πράττει.

T τί δήτ', ἐπειδὴν νυμφίον μ'  
ὄρατε λαμπρὸν ὄντα;

{ *glyc aceph* } 2  
{ *glyc* „ } 2  
{ *pher* „ } 2

tetram iamb 4 10

30 X Ζηλωτὸς ἔχει, γέρον,  
αὐθις νέος ὦν πάλιν  
μύρω κατάλειπτος.

*glyc aceph* 2  
{ *glyc* „ { 2  
{ *pher* „ { 2

T οἶμαι· τί δῆθ', ὅταν Ξυνῶν  
τῶν τιθίων ἔχωμαι;

*tetram iamb* 4 10

X εὐδαιμονέστερος φανεῖ  
τῶν Καρκίνου τροβίλων.

*tetram* „ 4

35 T οὐκουν δικαίως; ὅστις εἰς  
ὄχημα καθάρου ἴπιβάς  
ἔσῳσα τοὺς Ἑλληνας, ὡστ'  
ἐν τοῖς ἀγροῖς  
ἅπαντας ὄντας ἀσφαλῶς  
βινεῖν τε καὶ καθεύδειν.

{ *dim* „ { 2  
{ *dim* „ { 2

*trim* „ 3

*tetram* „ 4 15

939—55 = 1023—38

Χ(ΟΡΟΣ) Τ(ΡΥΓΑΙΟΣ)

X ὡς πάνθ' ὅς' ἂν θεὸς θέλη  
χή τύχη κατορθοῖ  
40 χωρεῖ κατὰ νοῦν, ἕτερον δ' ἐτέρῳ  
τούτων κατὰ καιρὸν ἅπαντῶ.

*ia ia*  
*ithyph* 4<sup>-</sup>  
*an an*  
*paroem* 4<sup>-</sup>

T ὡς ταῦτα δῆλὰ γ' ἔσθ'. ὁ γὰρ  
βωμὸς θύρασι καὶ δῆ.

{ *ia ia*  
{ *ia ba* 4<sup>-</sup>  
*an an*

X <ὦ> πείγετέ νυν ἐν ὄσῳ σοβαρά  
45 θεόθεν κατέχει πολέμου μετάρτροπος  
αὔρα· νῦν γὰρ δαίμων φανερώς  
εἰς ἀγαθὰ μεταβιάζει.

{ *an an*  
{ *an an*  
*ia* *ba* 8<sup>-</sup> 20

T τὸ κανοῦν πάρεστ' ὀλὰς ἔχον  
καὶ στέμμα καὶ μάχαιραν,  
καὶ πῦρ γε τουτί, κούδέν ἱ-  
50 χχει πλὴν τὸ πρόβατον ἡμᾶς.

*ia ia*  
*ia ba* 4<sup>-</sup>  
{ *ia ia*  
{ *ia* *ba* 4<sup>-</sup>

X οὐκουν ἀμιλλήσεσθον; ὡς  
ἦν Χαῖρις ὑμᾶς ἴδη,  
πρόσειιν αὐλήσων ἄκλη-  
60 τος, κῆτα τοῦτ' εὐ οἶδ' ὅτι  
φρυῶντι καὶ πονουμένῳ  
προσδώσετε δῆπου.

{ *ia ia*  
{ *ia cr*  
{ *ia ia* 8<sub>v</sub>  
*ia ia*

— — — — — 4<sup>-</sup> 20  
(*pherecr aceph*)

Antistrophus pluribus locis (1023. 30. 35) mutilata. Traditas lectiones 951—56 tuetur Heliodorus (p 7 Thiem): τὸ β' ἐξ iamβικῆς βάσεως καὶ τροχαϊκῆς καταληκτικῆς, τὸ γ' (καὶ τὸ δ' καὶ τὸ ε') iamβικὸν δίμετρον ἀκατάληκτον, το σ' ἰωνικὸν ἡμίολιον. De pherecratea iamborum clausula cf Ach 836 ss.

1063—1114

Hieroclis Trygaeique trimetra dactylica interiecto dimetro (cl 433/4):

σπον-δῆ, σπον-δῆ.

Κο. RE XI 1246, 61

## ΠΑΡΑΒΑΣΙΣ Β'

1127—<sup>58</sup>89 = 1159—~~71~~90

|                                |                                          |                               |
|--------------------------------|------------------------------------------|-------------------------------|
| ἦδομαι γ', ἦδομαι              | <i>cr cr</i>                             |                               |
| κράνους ἀπηλλαγμένος,          | <i>īa cr</i>                             | 4                             |
| τυροῦ τε καὶ κρομμύων.         | <i>īa cr</i>                             |                               |
| 1130 οὐ γὰρ φιληθῶ μάχαις,     | <i>īa cr</i>                             | 4 8                           |
| ἀλλὰ πρὸς πῦρ διέλ-            | { <i>cr cr</i>                           |                               |
| κων μετ' ἀνδρῶν ἑταίρων φίλων, | { <i>cr cr cr</i>                        | 5                             |
| ἐκκέας τῶν Ξύλων ἄττ' ἂν ἦ     | { <i>cr cr cr</i>                        |                               |
| δανότατα τοῦ θέρους            | { <i>cr<sup>w</sup> cr</i>               | 5                             |
| 1135 ἐκπετρ<εμ>ικμένα,         | <i>cr cr</i>                             | $\frac{12}{2}$ $\frac{12}{2}$ |
| κάνθρακίζων τούρεβίνθου        | { <i>tro<sup>-</sup> tro<sup>-</sup></i> |                               |
| τήν τε φηγὸν ἐμπυρεύων,        | { <i>tro<sup>o</sup> tro</i>             | 4                             |
| χᾶμα τὴν Θράτταν κυνῶν,        | <i>lecyth</i>                            |                               |
| τῆς γυναικὸς λουμένης.         | <i>lecyth</i>                            | 4 8                           |

Subsequentur tetram troch sena dena cum dimetris trinis.

1270—1283

Pueruli Trygaeique trimetra dactylica v iv v. Dactylica porro iamβicis trimetris inseruntur 1292/3. 1300/1, distichon elegiacum 1298/9.

1305—10 = 1311—15

Trygaei et coryphaei tetram iamb quaterna.

Anteced  
monometro).

Τῆσφ', ὡ γόν

χῶπως με

καλῶς κατακ

X γμῆν, γμέν

X ὡ τρισμάκαρ,

ως τῆσφ

X γμῆν, γμέν

γμῆν, γ

X τὶ δράσομεν

X τὶ δράσομεν

X πρῆσσομεν α

X πρῆσσομεν α

X πρῆσσομεν α

X ἀλλ' ἀράμενοι

μεν οἱ π

τῶν νυμφ

X γμῆν, γμέν

γμῆν, γ

X αἰήσετε γού

οὐ πράγμ

λά ευκαλο

X γμῆν, γμέν

γμῆν, γ

X τοῦ μὲν μέτ

&lt;—&gt;

τῆς δ' ἡδ

X τῆσφαις γ', δ

οἶνόν τε

X γμῆν, γμέν

γμῆν, γ

X ὡ χαιρέτε, X

δρεσ, κἄν

πλακοῖντ

## ΕΞΟΔΟΣ

Antecedunt Trygaei anapaesti (tetram iv, dim bis iv interiecto monometro).

## Τ(ΡΥΓΑΙΟΣ Κ(ΟΡΥΦΑΙΟΣ) Χ(ΟΡΟΣ)

|                                                                            | <i>dimetra</i>                                |
|----------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------|
| Τ δεῦρ', ὦ γύναι, εἰς ἀγρόν,<br>χῦπῶς μετ' ἔμοῦ καλή<br>καλῶς κατακείσει.  | { — — υ — υ —<br>{ — — υ — υ — 2<br>υ — υ — — |
| Χ Ὑμῆν, Ὑμέναι' ὦ.                                                         | υ — υ — — 2 <u>4</u>                          |
| Κ ὦ τριεμάκαρ, ὡς δικαί-<br>ως τάγαθὰ νῦν ἔχεις.                           | 2                                             |
| Χ Ὑμῆν, Ὑμέναι' ὦ,<br>Ὑμῆν, Ὑμέναι' ὦ.                                     | 2 4                                           |
| Κ τί δράσομεν αὐτήν;                                                       | 2                                             |
| Χ τί δράσομεν αὐτήν;                                                       | 2                                             |
| Κ τρυγῆσομεν αὐτήν.                                                        | 2 4                                           |
| Κ ἀλλ' ἀράμενοι φέρω-<br>μεν οἱ προτεταγμένοι<br>τὸν νυμφίον ἄνδρες.       | 3 <sub>v</sub>                                |
| Χ Ὑμῆν, Ὑμέναι' ὦ.<br>Ὑμῆν, Ὑμέναι' ὦ.                                     | 2 5                                           |
| Κ οἰκήσετε γοῦν καλῶς,<br>οὐ πράγματα' ἔχοντες, ἀλ-<br>λά κυκλογοῦντες.    | 3 <sub>v</sub>                                |
| Χ Ὑμῆν, Ὑμέναι' ὦ,<br>Ὑμῆν, Ὑμέναι' ὦ.                                     | 2 5                                           |
| Κ τοῦ μὲν μέγα καὶ παχύ<br>< — — υ — υ — >,<br>τῆς δ' ἠδὺ τὸ κύκον.        | 3                                             |
| Τ φήσεις γ', ὅταν ἐσθίης,<br>οἶνόν τε πῆς πολύν.                           | 2 <sub>v</sub> 5                              |
| Χ Ὑμῆν, Ὑμέναι' ὦ,<br>Ὑμῆν, Ὑμέναι' ὦ.                                     | 2 <sub>H</sub>                                |
| Τ ὦ χαίrete, χαίret', ἄν-<br>δρες, κὰν ἔυνέπησθέ μοι<br>πλακοῦντας ἔδεσθε. | 3 5                                           |

# ΟΡΝΙΘΕΣ

## ΠΑΡΟΔΟΣ

209—22

Εροπὶς ἀναραεστὶ μετροῦμιν VIII [III] IV : IV VIII.  
(IV IV) (III III II)

227—62

## ΕΠΟΣ

|                                      |             |            |            | <i>theses</i> |   |
|--------------------------------------|-------------|------------|------------|---------------|---|
| ἐποποιὶ ποπο ποποιί,                 | v           | u          | —          | 4             |   |
| ἰῶ ἰῶ, ἰτῶ ἰτῶ, ἰτῶ ἰτῶ,             | <i>trim</i> |            |            | 6             |   |
| ἴτω τις ᾠδε τῶν ἑμῶν ὁμοπτέρων·      | <i>trim</i> |            |            | 6 16          |   |
| 230 ὄσοι τ' εὐσπόρουσ ἀγροίκων γύασ  | δ           | δ          |            | 6             |   |
| νέμεσθε, φῦλα μυρία κριθοτράγων      | <i>ia</i>   |            |            | 6             |   |
| σπερμολόγων τε γένη                  | — u — u —   |            |            | 4 16          |   |
| ταχὺ πετόμενα, μαλθακὴν ἰέντα γῆρυν· | <i>tro</i>  | <i>tro</i> | <i>tro</i> | 6             |   |
| ὄσα τ' ἐν ἄλοκι θαμά                 | u u u u     |            |            | 3 9           |   |
| 235 βῶλον ἀμφιτιτυβίζεθ' ᾠδε λεπτὸν  | <i>tro</i>  | <i>tro</i> | <i>tro</i> | 6             |   |
| ἡδομένα φωνᾶ,                        | δ           |            |            | 3 9           |   |
| τιὸ τιό, τιὸ τιό,                    | <i>tro</i>  | <i>tro</i> |            | 4             |   |
| τιὸ τιό, τιὸ τιό,                    | <i>tro</i>  | <i>tro</i> |            | 4             |   |
| ὄσα θ' ὑμῶν κατὰ κήπουσ ἐπὶ κισσοῦ   | <i>ion</i>  | <i>ion</i> | <i>ion</i> | 6             |   |
| κλάδεσι νομὸν ἔχει,                  | δ           |            |            | 3 17          |   |
| 240 τά τε κατ' ὄρεα τά τε κοτινοτρά- | {           | <i>ia</i>  | <i>ia</i>  | {             | 4 |
| γα τά τε κομαροφάγα,                 |             | u u u u    |            |               | 3 |
| ἀνύκατε πετόμενα πρὸς ἑμᾶν αἰοιδάν,  | <i>ia</i>   | <i>ia</i>  | <i>ba</i>  | 6             |   |
| τριοτὸ τριοτό, τοτοβρίξ.             | <i>ia</i>   | <i>ba</i>  |            | 4 17          |   |

|                                      |                   |                 |         |
|--------------------------------------|-------------------|-----------------|---------|
| οἷ θ' ἐλείας παρ' αὐ-                | { cr              | cr              | { 4     |
| λῶνας ὄξυστόμουσ                     | { cr              | cr              | { 4     |
| 245 ἐμπίδας κάπτεθ', ὅσα τ'          | { cr              | cr <sup>~</sup> | { 4     |
| εὐδρόκουσ γῆσ τόπουσ                 | { cr              | cr              | { 4     |
| ἔχετε λειμῶνά τ' ἐρό-                | { cr <sup>~</sup> | cr <sup>~</sup> | { 4     |
| εντα Μαραθῶνουσ                      | { cr <sup>~</sup> | sp              | { 4     |
| ὄρνισ <τε> πτεροποίκιλοσ,            | glyc              |                 | 4       |
| ἄτταγᾶσ ἄτταγᾶσ,                     | cr                | cr              | 4 32    |
| 250 ὦν τ' ἐπὶ πόντιον οἶδμα θαλάσσης | { da              | da              | { 4     |
| φῶλα μετ' ἀλκυόνεσσ ποτῆται,         | { da              | da              | { 4     |
| δεῦρ' ἴτε πευσόμενοι τὰ νεώτερα·     | { da              | da              | { 4     |
| πάντα γὰρ ἐνθάδε φύλ' ἀθοροῖζομεν    | { da              | da              | { 4     |
| οἰωνῶν ταναοδείρων·                  | -----             | ~~~~            | 4       |
| 255 ἦκει γὰρ τισ δριμύσ πρέσβυσ      | -----             | -----           | 4       |
| καινόσ γνώμην                        | — —               | — —             | 4       |
| καινῶν ἔργων τ' ἐγχειρητήσ.          | -----             | -----           | 4 32    |
| ἀλλ' ἴτ' ἐσ λόγουσ ἅπαντα            | tro               | tro             | 4       |
| δεῦρο δεῦρο, δεῦρο δεῦρο,            | tro               | tro             | 4       |
| 260 τορο τορο τορο — τοροτίξ,        | ~~~~              | ~~~~            | 4       |
| κικκαβαῦ κικκαβαῦ                    | ~~~~              | ~~~~            | 4       |
| τορο τορο τορο — τορολιλιξ.          | ~~~~              | ~~~~            | 4 20 84 |

In cantici ratione omni agnoscenda vix ulla erit dubitatio, cum praesertim, id quod in carmine strophica lege soluto exoptatissimum est, periodi singulae, et terminos et colores quasi numerorum si spectas, cum singulis avium generibus ab epope evocatis optime congruant, ut campestris silvestres montanae palustribus pratensibusque et litoralibus oppositae esse videntur. ἄτταγᾶσ (i. e. *caccabis saxatalis* sec Heiberg Nord tidskr ser III vol XVI [1905] p 19/20) quod palustrium avium agmen claudere iubetur, nomini suo videtur debere vocem quasi ipsam *tshattibit-tshattibitz* suaviter referenti. In membris periodorum interpretandis est interdum quod dubius haereas. 234 octo syllabas breves utrum dodrantem aeolicum (ascl min part alt) esse dicas an dochmium, decernas, si utrum continuari versus (234/5) an disiungi malis diiudicaveris. οἰω-



vων ταναοδείρων (254) cum recurrat 1394, per poetae alicuius irrisionem insertum esse facile credideris; sed utrum locutio an metrum perstringatur, et si metrum, molossusne videatur cum levioze ionico pyrenosi ornato (— —) duriuscule copulatus, an enoplius versus paroemiacus thesi post arsim longam soluta (— — — — —), an denique anapaesticus post tres syllabas longas tribrevium primam ipso ictu extollens (— — — — —<sup>v</sup> — —), in medio aliquantisper relinquere lubet. Cetera satis certa esse arbitror.

327—35 = 343—51

Antecedunt post trim iamb in tetram troch xlvi inclusa duobus dimetris hisce:

267 τοροτιΞ τοροτιΞ (cll 260, pac 513)     ~~~~~ ~~~~~  
 319 ποῦ; πᾶ; πῶς φῆς; (cl 256, pac 433)     — — — — —,

denique stropham et antistrophum tetram troch septena (320—26 = 336—42).

|     |                                        |         |         |                                  |
|-----|----------------------------------------|---------|---------|----------------------------------|
| CTP | Ξα Ξα                                  | ~~~~~   | ~~~~~   | 1                                |
|     | προδεδόμεθ' ἀνόσια τ' ἐπάθομεν· ὄς γάρ | ~~~~~   | ~~~~~   | 2                                |
|     | φίλος ἦν ὁμότροφά θ' ἡμῖν ἐνέμετο      | ~~~~~   | —/~~~~~ | 2                                |
| 330 | πεδία παρ' ἡμῖν,                       | ~~~~~   | ~~~~~   | 1                                |
|     | παρέβη μὲν θεσμοῦς ἀρχαίους,           | ~~~~~   | ~~~~~   | 2                                |
|     | παρέβη δ' ὄρκους ὀρνίθων·              | ~~~~~   | ~~~~~   | 2 10                             |
|     | ἔς δὲ δόλον ἐκάλεσε                    | — v v v | v v v v | 2                                |
|     | παρέβαλέ τ' ἐμὲ πάρα                   | v v v v | v v v v | 2                                |
|     | γένος ἀνόσιον, ὄπερ,                   | v v v v | v v v v | 2                                |
|     | [εἴ]δ' ἐγένετ', ἐπ' ἐμοί               | v v v v | v v —   | 2                                |
| 335 | πολέμιον ἐτράφη.                       | v v v v | v v v   | 2 10                             |
| ANT | ἰὼ ἰὼ,                                 |         |         | 1 (1)                            |
|     | ἐπαγ', ἐπιθ', ἐπίφερε πολέμιον ὄρμάν   |         |         | 2                                |
| 345 | φονίαν, πτέρυγά τε παντᾶ ἐπίβαλε       |         |         | 2 (an propter παντᾶ ἐπίβαλε (2=) |
|     | περί τε κύκλωαι·                       | ~~~~~   | ~~~~~   | 1 (2=)                           |
|     | ὡς δεῖ τῷδ' οἰμῶζειν ἄμφω              |         |         | 2                                |
|     | καὶ δοῦναι ρύτχει φορβάν.              |         |         | 2 10                             |
|     | οὔτε γὰρ ὄρος κσιερὸν                  |         |         | 2                                |
|     | οὔτε νέφος αἰθέριον                    |         |         | 2                                |

|                         |   |
|-------------------------|---|
| 350 οὔτε πολὶὸν πέλαγος | 2 |
| ἔστιν, ὃ τι δέξεται     | 2 |
| τῷδ' ἀποφυγόντε με.     | 2 |

Sequuntur tetram. troch xxxv cum dimetrorum (xiii) serie.

ΑΜΟΙΒΑΙΟΝ  
Χ(ΟΡΟΣ) Ε(ΠΟΥ)

406—433

Antecedunt coryphaei dim anap v.

|                                                                       |                    |   |
|-----------------------------------------------------------------------|--------------------|---|
| Χ ἰώ, ἔποψ· cé τοι καλῷ.                                              | <i>ia ia</i>       | 2 |
| Ε καλεῖς δὲ τοῦ κλύειν θέλων;                                         | <i>ia ia</i>       | 2 |
| Χ τίνες ποθ' οἶδε καὶ πόθεν;                                          | <i>ia ia</i>       | 2 |
| Ε Ξέ[ι]νω σοφῆς ἀφ' Ἑλλάδος.                                          | <i>ia ia</i>       | 2 |
| 410 Χ τύχη δὲ ποία κομίζει ποτ' αὐτῷ πρὸς ὄρ-<br>νιθας ἔλθειν; Ε ἔρωσ | <i>ia cr cr cr</i> | 4 |
| βίου διαίτης τε σοῦ καὶ Ξυνοικεῖν τέ σοι                              | <i>cr cr</i>       | 2 |
| 415 καὶ Ξυνεῖναι τὸ πᾶν.                                              | <i>ia cr cr cr</i> | 4 |
| Χ τί φῆς;                                                             | <i>cr cr</i>       | 2 |
| λέγουσι [δέ] δὴ τίνας λόγους;                                         | ..                 |   |
| Ε ἄπιστα καὶ πέρα κλύειν.                                             | <i>ia ia</i>       | 2 |
|                                                                       | <i>ia ia</i>       | 2 |
| Χ ὄρᾱ τι κέρδος, ἐνθάδ' ἄ-<br>Ξιον μονῆς, ὅτῳ πέποιθ'                 | <i>ia ia</i>       |   |
| ἔμοι Ξυνῶν                                                            | <i>ia ia</i>       |   |
| 420 κρατεῖν ἄν ἢ τὸν ἐχθρὸν ἢ<br>φίλοις ὠφελεῖν ἔχειν;                | <i>ia ia</i>       | 9 |
| Ε λέγει μέγαν τιν' ὄλβον, οὔ-<br>τε λεκτὸν οὔτε πιστόν· ὡς            | <i>ia ia</i>       |   |
| εἰ [γὰρ ταῦτα] πάντα, καὶ                                             | <i>ia ia</i>       |   |
| 425 τὸ τῆδε καὶ τὸ κείσε καὶ<br>τὸ δευρο, προσβιβᾶ λέγων.             | <i>ia ia</i>       | 9 |
| Χ πότερα μαινόμενος;                                                  | <i>ia ia</i>       |   |
| Ε ἄφατον ὡς φρόνιμος,                                                 | <i>ia ia</i>       |   |
| Χ ἐνι σοφόν τι φρενί;                                                 | <i>ia ia</i>       |   |
| 430 Ε πυκνότατον κίναδος,                                             | <i>ia ia</i>       |   |
| κόφισμα, κύρμα, τρίμμα, παιπάλημ' ὄλον.                               | <i>ia ia</i>       | 9 |

|                              |       |   |
|------------------------------|-------|---|
| X λέγειν, λέγειν κέλευέ μοι. | ia ia | 2 |
| κλύων γὰρ ὦν κύ μοι λέγεις   | ia ia | 2 |
| λόγων ἀνεπτέρωμαι.           | ia da | 2 |

413 καὶ σοῦ

Dimetris iambicis λέγουσι δὴ κτλ (416/17) cum memoria renovetur dimetrorum ἰώ, ἔποψ κτλ (406—9) his illa adiungere animo licebit, ut binae potius 406—17 periodorum bigae evadant (metr χι:χι) quam trinae (iv:iv vi:vi η:η) aut quaternae (η:η η:η vi:vi η:η).

451—59 = 539—47

|                               |                     |               |
|-------------------------------|---------------------|---------------|
| δολερὸν μὲν αἶ                | υ—υ—                |               |
| κατὰ πάντα δὴ τρόπον          | υ—υ— υ—             | 5             |
| πέφυκεν ἄν-                   | { υ—υ—              |               |
| θρωπος· κύ δ' ὄμως λέγε μοι.  | { —υ— υ—            | 5             |
| τάχα γὰρ τύχοις ἄν            | υ—υ— —              | 3 <u>13</u>   |
| χρηστὸν ἔξει-                 | { —υ—               | { 2           |
| 455 πῦν, ὃ τι μοι παροράτ', ἧ | { —υυ— υ—           | { <u>4</u>    |
| δύναμίν τινα μείζω            | υ—υ— —              | 3             |
| παραλειπομένην                | { υ—υ—              | { 2           |
| ὑπ' ἐμῆς φρενὸς ἀξυνέτου.     | { υ—υ— υ—           | { 3 14        |
| κύ δὲ τοῦθ' ὄραξ,             | υ— <sup>(υ)</sup> — | 2             |
| λέγ' ἐς κοινόν.               | υ— — —              | 3             |
| ὃ γὰρ ἄν κύ τύχῃς μοι         | υ—υ— —              | 3             |
| ἀγαθὸν πορίσας,               | { υ—υ—              | { 2           |
| τοῦτο κοινὸν ἔσται.           | { —υ— (υ)—          | { <u>4</u> 14 |

454 παροράς 544 καὶ &lt;τινα&gt; 547 κά-μαυτὸν οἰκίχῳ

Enoplii aut aeolenoplii (velut 452. 54) sunt versus Alcaico Sapphicoque (hendecasyllabis) antiquiores (Vorarb 49).

Subsequuntur tetram anap sexagena terna cum dimetrorum xv serie adiectis monometris binis.

629—636

Et antecedunt et subsequuntur tetram anap II.

|                                                |           |               |           |
|------------------------------------------------|-----------|---------------|-----------|
| 630 ἐπαυχῆσας δὲ τοῖσι σοῖς λόγοις             | <i>ba</i> | <i>lecyth</i> |           |
| ἐπηπείλησα καὶ κατώμοσα,                       | <i>ba</i> | <i>lecyth</i> | 6         |
| ἐὰν σὺ παρ' ἐμὲ θέμενος ὁμόφρονας λόγους       | <i>ia</i> | <i>ia</i>     | <i>ia</i> |
| δίκαιο[υ]ς, ἄδολο[υ]ς, δσιο[υ]ς ἐπὶ θεοῦς ἴης, | <i>ia</i> | <i>ia</i>     | <i>ia</i> |
| 635 ἐμοὶ φρονῶν Ξυψυδά, μὴ πολὺν χρόνον        | <i>ia</i> | <i>ia</i>     | <i>ia</i> |
| θεοῦς ἔτι σκῆπτρα τὰμὰ τρίψειν.                | <i>ia</i> | <i>ithyph</i> | <u>6</u>  |
| 632 ἦν                                         |           | 634 ἴοις      |           |

Trimetris iambicis (639 ss) tria inseruntur, coryphaei maxime, tetram anap.

ΠΑΡΑΒΑCΙC

KOMMATION

676—684

|                            |                |                  |                  |               |     |
|----------------------------|----------------|------------------|------------------|---------------|-----|
| ὦ φίλη, ὦ Ξουθή,           | <i>ch</i>      | <i>sp</i>        | 2 <sub>H</sub>   |               |     |
| ὦ φίλτατον ὀρνέων          | <i>glyc</i>    | ( <i>aceph</i> ) | 2                |               |     |
| πάντων, Ξύννομε τῶν ἐμῶν   | <i>glyc</i>    |                  | 2                |               |     |
| ὕμνων, Ξύντροφ' ἀηδοῖ,     | <i>pherecr</i> |                  | 2 <sub>H</sub> 8 |               |     |
| 680 ἦλθεσ, ἦλθεσ, ὦφθησ,   | <i>ithyph</i>  |                  | 2 <u>2</u>       |               |     |
| ἦδὺν φθόγγον ἐμοὶ φέρουσ'. | { <i>glyc</i>  | {                | { 2              |               |     |
| ἀλλ' ὦ καλλιβόαν κρέκουσ'  |                |                  |                  | { <i>glyc</i> | { 2 |
| αὐλὸν φθέγμασιν ἠρινοῖς,   |                |                  |                  | { <i>glyc</i> | { 2 |
| ἄρχου τῶν ἀναπαίστων.      | <i>pherecr</i> |                  | 2 8              |               |     |

Subsequuntur tetram anap VIII. xxx cum dimetrorum (XIII) serie adiecto monometro.

737—52 = 769—84

|                                              |               |               |            |
|----------------------------------------------|---------------|---------------|------------|
| CTP Μοῦσα λοχυμαία,                          | — ∪ ∪ — —     | <i>theses</i> | 3 <u>3</u> |
| τιὸ τιὸ, τιὸ τιὸ,                            | <i>tro</i>    | <i>tro</i>    | 4          |
| τιὸ τιὸ, τιοτίγξ,                            | <i>lecyth</i> |               | 4 · 8.     |
| ποικίλη, μεθ' ἧς ἐγὼ νά-                     | { <i>tro</i>  | <i>tro</i>    | { 4        |
| 740 παιδί <τε καὶ> κορυφαῖς [τ'] ἐν ὀρεΐαις, |               |               |            |
| τιὸ τι-                                      | { — ∪ —       |               |            |
| ὀ, τιὸ τιοτίγξ,                              | { ∪ — ∪ — ∪ — |               | 5 · 5.     |
| ἰζόμενος                                     | { — ∪ ∪ —     |               |            |
| μελιάς ἐπὶ φυλλοκόμου,                       | { ∪ — ∪ — ∪ — |               | 5 5        |

3\*

|                                    |              |               |            |     |            |
|------------------------------------|--------------|---------------|------------|-----|------------|
| τιὸ τι-                            | {            | — υ —         |            |     |            |
| ὀ τιὸ τιοτίγξ,                     | {            | υ — υ —       | υ —        | 5   | ·5·        |
| δι' ἐμῆς γένυος Ξουθῆς μελέων      |              | <i>an</i>     | <i>an</i>  | 4   |            |
| 745 Πανὶ νόμους ἱεροῦς ἀναφαίνω,   |              | <i>da</i>     | <i>da</i>  | 4   |            |
| κέμνα τε Μητρὶ χορεύματ' ὀρεΐα,    |              | <i>da</i>     | <i>da</i>  | 4   |            |
| τοτο το τοτο το τοτο τοτίγξ,       |              | <i>lecyth</i> |            | ·4· | 16         |
| ἔνθεν ὡσπερὶ μέλιττα               |              | <i>tro</i>    | <i>tro</i> | 4   |            |
| Φρύνιχος ἀμβροσίων μελέων ἀπε-     |              | <i>da</i>     | <i>da</i>  | 4   |            |
| 750 βόσκετο καρπὸν, αἰεὶ φέ-       | {            | — υ — υ —     | — υ        | 4   |            |
| ρων γλυκεῖαν ψῆδῃν.                |              | <i>ithyph</i> |            | 4   | 16         |
| τιὸ τι-                            | {            | — υ —         |            |     |            |
| ὀ, τιὸ τιοτίγξ.                    | {            | υ — υ —       | υ —        | 5   | ·5·        |
| 748 ὡσπερ ἦ                        |              |               |            |     |            |
| ANT τοιάδε κύκνοι,                 |              |               |            |     | <u>3</u>   |
| 770 τιὸ τιὸ, τιὸ τιὸ,              |              |               |            |     |            |
| τιὸ τιὸ, τιοτίγξ,                  |              |               |            |     | ·8·        |
| συμμιγῆ βοῆν, ὀμοῦ πτε-            |              |               |            |     |            |
| ροῖσι κρέκοντες, ἴακχον Ἄπολλω,    |              |               |            |     | 8          |
| τιὸ τι-                            |              |               |            |     |            |
| ὀ, τιὸ τιοτίγξ,                    |              |               |            |     | ·5·        |
| ὄχθω ἔφε-                          |              |               |            |     |            |
| ζόμενοι παρ' Ἐβρον ποταμὸν,        |              |               |            |     | 5          |
| 775 τιὸ τι-                        |              |               |            |     |            |
| ὀ, τιὸ τιοτίγξ,                    |              |               |            |     | <u>·5·</u> |
| διὰ δ' αἰθέριον νέφος ἦλθε βοά,    |              |               |            | 4   |            |
| πτῆξε δὲ φύλα τε ποικίλα θηρῶν,    |              |               |            | 4   |            |
| κύματά τ' ἔσβεσε νήμεος αἰθῆρ,     |              |               |            | 4   |            |
| τοτο το τοτο το τοτο τοτίγξ,       |              |               |            | ·4· |            |
| 730 πᾶς δ' ἐπεκτύπησ' Ὀλυμπος·     |              |               |            | 4   |            |
| εἶλε δὲ θάμβος ἀνακτας, Ὀλυμπιά-   |              |               |            | 4   |            |
| δες δὲ μέλος Χάριτες Μοῦ-          |              |               |            | 4   |            |
| καὶ τ' ἐπωλόλυξαν.                 |              |               |            | 4   |            |
| τιὸ τι-                            |              |               |            |     |            |
| ὀ, τιὸ τιοτίγξ.                    |              |               |            |     | <u>·5·</u> |
| 769 τοιάνδε V                      | 777 π. φ. τε | 778 αἶθρη VR  |            |     |            |
| Subsequuntur tetr troch sena dena. |              |               |            |     |            |

851—58 = 895—902

|   |                                       |                                                                                                                                           |               |                                                            |
|---|---------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------|------------------------------------------------------------|
| 5 | CTP ὁμοροθῶ, Ξυνθέλω                  | <i>ia</i>                                                                                                                                 | <i>cr</i>     | 2                                                          |
| 4 | Ξυμπαραινέας ἔχω,                     | <i>lecyth</i>                                                                                                                             |               | 2                                                          |
| 4 | προσόδια μεγάλα σεμνά προσιέναι θεοῖ- | $\left\{ \begin{array}{l} \tilde{ia} \quad \tilde{ia} \quad ia \\ \tilde{ia} \quad \tilde{ia} \\ \tilde{ia} \quad ba \end{array} \right.$ |               | $\left. \begin{array}{l} 3 \\ 2 \\ 2 \end{array} \right\}$ |
| 5 | σιν, ἅμα δὲ προσέτι χάριτος ἔνε-      |                                                                                                                                           |               |                                                            |
| 4 | κα προβάτ(ι)ον τι θύειν.              |                                                                                                                                           |               |                                                            |
| 4 | ἴτω ἴτω [ἴτω] δὲ Πυθιάς βοᾶ [τῷ] θεῷ, | <i>trim</i>                                                                                                                               |               | 3                                                          |
| 4 | Ξυναυλεῖτω δὲ Χαίρις ψδάν.            | <i>ba</i>                                                                                                                                 | <i>ithyph</i> | $\overline{3}$                                             |

858 συνᾶδέτω

|   |                                        |  |  |                |
|---|----------------------------------------|--|--|----------------|
| 5 | ANT εἴτ' αὐθις αὐ τᾶρα σοι             |  |  |                |
| 5 | δεῖ με δεύτερον μέλος                  |  |  | 4              |
| 0 | χέρνιβι θεοσεβὲς ὅσιον ἐπιβοᾶν, καλεῖν |  |  | 3              |
| 3 | δὲ μάκαρας, ἓνα τινὰ μόνον, εἴ-        |  |  |                |
| 3 | περ ἱκανὸν ἔξετ' ὄψον.                 |  |  | 4              |
| 3 | τὰ γὰρ παρόντα θύματ' οὐδὲν ἄλλο πλήν  |  |  | 3              |
| 8 | γένειόν τ' ἔστι καὶ κέρατα             |  |  | $\overline{3}$ |

De bigarum partibus implexis cf supra 406 ss.

ΑΜΟΙΒΑΙΟΝ

ΠΕ(ΙΘΕΤΑΙΡΟΣ) ΠΟ(ΙΗΤΗΣ)

I 903—914

|   |                            |                   |           |     |
|---|----------------------------|-------------------|-----------|-----|
| 5 | ΠΕ θύοντες εὐξώμεσθα κτλ   | <i>trim</i>       |           | (3) |
| 4 | ΠΟ Νεφελοκοκκυγίαν         | $\tilde{cr}$      | <i>cr</i> | 2   |
| 4 | τὰν εὐδαίμονα              | <i>sp</i>         | <i>cr</i> | 2   |
| 4 | κλήσον, ὦ Μούσα, νέαις     | <i>cr</i>         | <i>ch</i> | 2   |
| 4 | ἐν ὕμνων αἰοδαῖς.          | <i>ba</i>         | <i>ba</i> | 2   |
| 4 | ΠΕ τουτί τὸ πρᾶγμα κτλ     | <i>trim</i>       |           | (3) |
| 4 | ΠΟ ἐγώ, μελιγλώσσων ἐπέων  | υ — υ — — — (υ) — |           | 2   |
| 4 | ἱεῖς αἰοδᾶν                | — — υ — —         |           | 2   |
| 0 | Μουσᾶν θεράπων ὄτρηρός.    | — — — υ — υ — υ   |           | 2   |
| 4 | ΠΕ ἔπειτα δῆτα κτλ         | <i>trim</i>       |           | (3) |
| 4 | ΠΟ οὐκ ἀλλὰ πάντες κτλ     | <i>trim</i>       |           | (3) |
| 4 | Μουσᾶν θεράποντες ὄτρηροί. | — — — υ — υ — —   |           | 2   |

906 τεαῖς post 910 et 914 in codd add κατὰ "Ὀμηρον

## Π 924—953

Interiecta sunt trimetra ix.

(27)

- 924 ΠΟ ἀλλὰ τις ὠκεία Μουσάων φάτις,  
 οἴαπερ ἵππων ἀμαρυγὰ.  
 κύ δέ, πάτερ κτίστορ Αἴτνας  
 Ζαθέων ἱερῶν ὀμῶνυμε,  
 δὸς ἔμιν ὃ τι περ  
 τεῖξ κεφαλῆ θέλης  
 930 πρόφρων δόμεν ἔμιν τεῖν.  
 ΠΕ τουτί παρέξει κτλ *trimm v* (15)
- 936 ΠΟ τόδε μὲν οὐκ ἀέκουσα φίλον  
 Μοῦσα τὸ[δε] δῶρον δέχεται,  
 τὸ δὲ τεῖξ φρενὶ μάθε Πινδά-  
 ρειον ἔπος.  
 940 ΠΕ ἄνθρωπος ἡμῶν κτλ *trim* (3 v infr)
- ΠΟ νομάδεσσι γὰρ ἐν Κυθήαις ἀλα-  
 ται στρατῶν  
 ὃς ὑφαντοδόνητον ἔσθος οὐ  
 πέπεται.  
 ἀκλειῆς δ' ἔβα  
 σπολάς ἄνευ χιτῶνος.  
 945 Ξύνες ὃ τοι λέγω. *trimm iv* (12 v supr)
- ΠΕ Ξυνήχ' ὅτι βούλει κτλ ΠΟ ἀπέρχομαι κτλ *trimm iv* (12 v supr)
- 950(ΠΟ) κλήσον, ὦ χρυ-  
 σόθρονε, τὰν ἵτρομεράν, κρυεράν.  
 νιφόβoλα πεδία πο-  
 λύπορά τ' ἤλυθον.  
 953 ἀλαλαί. *trimm iv* (12 v supr)

936 φίλα 953 ἀλαλάν

Co. AEXI 124b, 61

ΠΑΡΑΒΑCΙC Β'

1058—71 = 1088—1101<sup>17</sup>

|      |                                                  |                       |        |                       |       |
|------|--------------------------------------------------|-----------------------|--------|-----------------------|-------|
|      | ἦδη ἴμοι τῷ παντόπῳ                              | <i>paroem</i>         |        |                       |       |
|      | καὶ παντάρχα θνητοὶ πάντες                       | <i>an an</i>          | 4      |                       |       |
|      | θύουσ' εὐκταίαις· εὐχαῖς.                        | <i>paroem</i>         |        |                       |       |
|      | πάσαν μὲν γὰρ γᾶν ὀπτεύω,                        | <i>an an</i>          | 4      |                       |       |
|      | αἰψὺ δ' εὐθαλεῖς καρπούς,                        | <i>paroem</i>         |        |                       |       |
|      | κτείνων παμφύλων γένναν                          | <i>paroem</i>         |        |                       |       |
|      | θηρῶν, ἃ πάντ' ἐν γαίᾳ                           | <i>paroem</i>         | 6 14   |                       |       |
| 1065 | ἐκ κάλυκος αὐξανόμε-                             | { <i>cr</i> <i>cr</i> | 4      |                       |       |
|      | νον γένουσι παμφάγοις                            |                       |        |                       |       |
|      | δένδρεσι τ' ἐφημένα                              | <i>cr</i> <i>cr</i>   | 4      |                       |       |
|      | καρπὸν ἀποβόσκειται.                             | <i>cr</i> <i>cr</i>   | 4      |                       |       |
|      | κτείνω δ' οἱ κήπους εὐώδεις                      | <i>an an</i>          |        |                       |       |
|      | φθείρουσιν λύμαις ἐχθίσταις,                     | <i>an an</i>          |        |                       |       |
|      | ἐρπετὰ τε καὶ δάκτυλα                            | { <i>cr</i> <i>cr</i> | 6 { 14 |                       |       |
| 1070 | <πάνθ>, ὅσα πέρ ἐστιν ὑπ' ἐ-                     |                       |        | { <i>cr</i> <i>cr</i> | 2 { 2 |
|      | μᾶς πτέρυγος,                                    |                       |        |                       |       |
|      | ἐκ φοναῖς ὄλλυται.                               |                       |        | <i>cr cr</i>          | 2     |
|      | 1064 ἄ] οἱ 65 αὐξανόμενα πολυφάγοις 66 ἐφεζόμενα |                       |        |                       |       |
|      | 71 φοναῖσιν ἐξόλλ.                               |                       |        |                       |       |

Numeros retardatos (paroemiacos — brevitatis ergo dicere liceat — et creticos compactos) acceleratis (anapaestis plenis et paeonibus) excipere ea lege poeta voluit, ut in priore bigarum parte illi praevalerent, in altera vehementiores supra ripam quasi effusi postremo duobus deinceps gravioribus sisterentur.

Subsequuntur tetram troch sena dena.

1188—95 = 1262—66

|      |                                      |       |   |
|------|--------------------------------------|-------|---|
|      | πόλεμος αἴρεται, πόλεμος οὐ φατός    | δ/δ   |   |
| 1190 | πρὸς ἐμὲ καὶ θεούς. ἀλλὰ φύλαττε πᾶς | δ/δ   | 6 |
|      | ἀέρα περιπέφελον, ὃν Ἔρεβος ἐτέκετο, | { δ δ | 6 |
| 1195 | μὴ σε λάθῃ θεῶν τις ταύτη περῶν.     |       |   |

Strophae coryphaeus trimetra iambica tria subiungit παρατραψιδόμενα, antistropho non item.



ΑΜΟΙΒΑΙΟΝ  
Χ(ΟΡΟΣ) Π(ΕΙΘΕΤΑΙΡΟΣ)

1313—22 = 1325—34

|      |                                  | <i>theses</i>    |            |
|------|----------------------------------|------------------|------------|
|      | Χ ταχὺ δὴ πολυάνορα τάνδε πόλιν  | <i>quaternar</i> | 4          |
|      | καλεῖ τις ἀνθρώπων·              | <i>ia sp</i>     | 4 }        |
| 1315 | τύχα μόνον προσείη.              | <i>ia ba</i>     | 4 }        |
|      | κατέχουσι δ' ἔρωτες ἑμᾶς πόλεως. | <i>quat</i>      | 4 16       |
|      | Π θᾶπτον φέρειν κελεύω.          | <i>ia ba</i>     | 4          |
|      | Χ τί γάρ οὐκ ἔνι ταύτη           | <i>trinar</i>    | 3 <u>6</u> |
|      | καλὸν ἀνδρὶ μετοικεῖν;           | <i>trin</i>      | 3          |
| 1320 | Σοφία, Πόθος, ἀμβρόσια Χάριτες,  | <i>quat</i>      | 4 }        |
|      | τό τε τὰς ἀγανόφρονος Ἑσυχίας    | <i>quat</i>      | 4 }        |
|      | εὐήμερον πρόσωπον.               | <i>ia ba</i>     | 4 16       |

Mesodi loco strophis interiecta sunt Pithetaeri dimetra  
haecce:

|      |                        |              |
|------|------------------------|--------------|
| 1323 | ὡς βλακικῶς διακονεῖς· | <i>ia ia</i> |
|      | οὐ θᾶπτον ἐγκονήσεις;  | <i>ia ba</i> |
|      | 1313 δ' ἄν             |              |
|      | 1325 πετρύγων] πτερῶν  |              |

## NEANIAS

1337—39

|                           |               |          |
|---------------------------|---------------|----------|
| γενοίμαν                  | υ — —         |          |
| αἰετὸς ὑψιπέτας,          | — υ υ — ω —   | 3        |
| ὡς ἀμποτα-                | { υ — υ —     |          |
| θείην ὑπὲρ ἀτρυγέτου      | { — — ω — ω — | 3        |
| γλαυκᾶς ἐπ' οἶδμα λίμνας. | — — υ — υ — — | <u>3</u> |

## ΑΜΟΙΒΑΙΟΝ

## Κ(ΙΝΗCΙΑC) Π(ΕΙΘΕΤΑΙΡΟΣ)

1373—1409

|                                           |                  |     |
|-------------------------------------------|------------------|-----|
| Κ ἀναπέτομαι δὴ πρὸς Ὀλυμ-                | { <i>ch ch</i>   | { 2 |
| πον πτερύγεσσι κούφαις                    | { <i>ch ba</i>   | { 2 |
| πέτομαι δ' ὁδὸν ἄλλοτ' ἐπ' ἄλλαν μελέων — | <i>ion ch ch</i> | 3   |
| 1375 Π τουτί τὸ πρᾶγμα κτλ                | <i>trim</i>      |     |

|    |                                       |                                                                                                                                            |        |
|----|---------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------|
|    | Κ ἀφόβῳ φρενὶ σώματί τε νέαν ἐρέπων — | $\tilde{ion} \tilde{ch} \tilde{ch}$                                                                                                        | 3      |
|    | Π ἀσπαζόμεσθα κτλ                     | <i>trimm</i> II                                                                                                                            | ..     |
| 80 | Κ ὄρνις γενέσθαι βούλομαι             | $\tilde{ia} \tilde{ia}$                                                                                                                    | 2 } 14 |
|    | λιγύφθογγος ἀηδῶν.                    | <i>phereer</i>                                                                                                                             | 2 } 14 |
|    | Π παῦσαι μελεδῶν κτλ                  | <i>trimm</i> IX                                                                                                                            | (15)   |
|    | Π οὐ δῆτ' ἔγωγε. Κ νῆ τὸν Ἑρακλέα κτλ | <i>trimm</i> II                                                                                                                            | ..     |
|    | (Κ) εἶδωλα πετηνῶν                    | $\text{---} \text{---} \text{---} \text{---} \text{---} \text{---}$                                                                        | 2 } 14 |
|    | αἰθεροδρόμων                          | $\text{---} \text{---} \text{---}$                                                                                                         | 1 } 14 |
|    | οἰωνῶν ταναοδείρων.                   | $\text{---} \text{---} \text{---} \text{---} \text{---}$                                                                                   | 2 } 14 |
| 95 | Π ὠόπ'                                | $\text{---} \text{---} \text{---}$                                                                                                         | 1 } 14 |
|    | Κ τὸν ἀλάδρομον ἄλαμενος ἄμ'          | $\left\{ \begin{array}{l} \text{---} \text{---} \text{---} \text{---} \text{---} \\ \text{---} \text{---} \text{---} \end{array} \right\}$ | 2 } 14 |
|    | ἀνέμων πνοαῖσι βαίην-                 | $\left\{ \begin{array}{l} \text{---} \text{---} \text{---} \\ \text{---} \text{---} \end{array} \right\}$                                  | 2 } 14 |
|    | Π νῆ τὸν Δί' ἠ' γῶ κτλ                | <i>trim</i>                                                                                                                                | .      |
|    | Κ τοτὲ μὲν νοτίαν στείχων πρὸς ὄδον,  | <i>an an</i>                                                                                                                               | 2 } 14 |
|    | τοτὲ δ' αὖ Βορέα σώμα πελάζων,        | <i>an an</i>                                                                                                                               | 2 } 14 |
| 00 | ἄλιμενον αἰθέρος αὔλακα τέμνων.       | <i>an an</i>                                                                                                                               | 2 } 14 |
|    | χαρίεντά γ', ὦ πρεσβύτ' κτλ           | <i>trimm</i> IX                                                                                                                            | (15)   |

1380 λιγύμυθος V, λιγύμοχος ΣΥΡ

ΚΥΚΟΦΑΝΤΗΣ

|    |                                  |                   |               |
|----|----------------------------------|-------------------|---------------|
| 10 | ὄρνιθες τίνες οἶδ',              |                   |               |
|    | οὐδὲν ἔχον-                      |                   |               |
|    | τες, περοποίκιοι,                | <i>asclep mai</i> | $\frac{4}{1}$ |
| 12 | τανυσίπτερε ποικίλα χελιδοῖ;     | <i>glyc ba</i>    | 3             |
|    | <i>trimm</i> II                  |                   |               |
| 15 | τανυσίπτερε ποικίλα, μάλ' αὔθις; | <i>glyc ba</i>    | 3             |

1470—81 = 1482—93

|    |                             |                                                                                                                                                             |      |
|----|-----------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------|
| 70 | πολλὰ δὴ καὶ καινὰ καὶ θαυ- | $\left\{ \begin{array}{l} \text{tro} \text{---} \text{tro} \text{---} \\ \text{lecyth} \\ \text{lecyth} \end{array} \right\}$                               | 6    |
|    | μάτ' ἐπεπτόμεσθα καὶ        |                                                                                                                                                             |      |
|    | δεινὰ πράγματ' εἶδομεν.     |                                                                                                                                                             |      |
|    | ἔστι γὰρ δένδρον πεφυκὸς    | $\left\{ \begin{array}{l} \text{tro} \text{---} \text{tro} \text{---} \\ \text{tro} \text{---} \text{tro} \text{---} \\ \text{lecyth} \end{array} \right\}$ | 6 12 |
| 75 | ἔκτοπον τι, Καρδίας ἀπ-     |                                                                                                                                                             |      |
|    | ωτέρω, Κλεώνυμος,           |                                                                                                                                                             |      |

|      |                           |                  |      |
|------|---------------------------|------------------|------|
|      | χρήσιμον μὲν οὐδέν, ἄλ-   | { <i>lecyth</i>  |      |
|      | λως δὲ δειλὸν καὶ μέγα    | { <i>lecyth</i>  | 4    |
|      | τοῦτο <τοῦ> μὲν ἦρος αἰὶ  | <i>tro tro</i>   |      |
|      | βλαστάνει καὶ συκοφαντεῖ, | <i>tro tro</i>   | 4    |
| 1480 | τοῦ δὲ χειμῶνος πάλιν τὰς | { <i>tro tro</i> |      |
|      | ἄσπιδας φυλλορροεῖ.       | { <i>lecyth</i>  | 4 12 |

## 1553—64 = 1694—1705

|      |                                  |                       |      |
|------|----------------------------------|-----------------------|------|
|      | πρὸς δὲ τοῖς Σκιάποσιν λι-       | { <i>tro tro</i>      |      |
|      | μνη τις ἔστ', ἄλουτος οὐ         | { <i>lecyth</i>       |      |
| 1555 | ψυχαγωγεῖ Σωκράτης.              | { <i>lecyth</i>       | 6    |
|      | ἔνθα καὶ Πείσανδρος ἦλθε         | { <i>tro tro</i>      |      |
|      | δεόμενος ψυχὴν ἰδεῖν, ἢ          | { <i>tro tro</i>      |      |
|      | ζῶντ' ἐκείνον προὔλιπεν,         | { <i>lecyth</i>       | 6 12 |
|      | σφάγι' ἔχων κάμηλον ἀ-           | { <i>lecyth</i>       |      |
| 1560 | μόνον τιν', ἧς λαίμοις τεμῶν ὤσ- | { <i>tro tro</i>      | 4    |
|      | περ <ποτ'> Ὀδυσσεύς ἔμεινε·      | { <i>tro (ch) tro</i> |      |
|      | κᾶτ' ἀνήλθ' αὐτῷ κάτωθεν         | { <i>tro tro</i>      | 4    |
|      | πρὸς τὸ λαῖμα τῆς καμήλου        | { <i>tro tro</i>      |      |
|      | Χαιρεφῶν ἢ νυκτερίς.             | { <i>lecyth</i>       | 4 12 |

## 1720—1725

|       |                           |                |          |
|-------|---------------------------|----------------|----------|
| 1720  | ἄναγε δῖεχε πάραγε πάρεχε | <i>tro tro</i> | 2        |
|       | περιπέτεσθε               | <i>tro</i>     | <u>1</u> |
| [τὸν] | μάκαρα μάκαρι σὺν τύχῃ    | <i>tro cr</i>  | 2 5      |
|       | ᾧ φεῦ φεῦ τῆς ὤ-          | { — — — — }    | 2        |
|       | ρας, τοῦ κάλλους.         | { — — — — }    | 2 4      |
|       | ᾧ μακαριστὸν σὺ γάμον     | <i>ch ch</i>   | 2        |
| 1725  | τῆδε πόλει γήμας.         | <i>ch sp</i>   | 2 4      |

## 1731—36 = 1737—42 (de strophae ratione cf ran 448 ss)

|      |                     |                |          |
|------|---------------------|----------------|----------|
|      | Ἦρα ποτ' Ὀλυμπία    | — — — — —      |          |
|      | τὸν ἠλιβάτων θρόνων | — — — — —      | 4        |
|      | ἄρχοντα θεοῖς μέγαν | — — — — —      |          |
|      | Μοῖραι ζυνεκοίμικαν | — — — — —      | 4        |
| 1735 | ἐν τοιῷδ' ὕμεναίω   | <i>pherecr</i> |          |
|      | Ἵμην ᾧ Ὑμέναι' ᾧ.   | <i>pherecr</i> | <u>4</u> |

Et antecedunt canticum coryphaei, et subsequuntur (1743 del ἐχάρην ψδαϊς) Pithetaeri dimetra anapaestica iv singulis adiectis monometris.

1748—1754

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |                                                                                                                                                                                                                                           |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>ὦ μεγὰ χρύσειον ἀστερόπης φάος,<br/>         ὦ Διὸς ἄμβροτον ἔγχοσ<br/>         1750 πυρφόρον, ὦ χθόνια βαρυαχέεσ<br/>         ὀμβροφόροι θ' ἅμα βρονταί,<br/>         αἴς ὄδε νῦν χθόνα κείει,<br/>         διὰ σέ* τὰ πάντα κρατήσασ<br/>         καὶ πάρεδρον Βασιλείαν ἔχει Διὸσ.<br/>         Ὑμῆν ὦ Ὑμέναι' ὦ.</p> | <p style="text-align: right;">metra</p> <p>{ da da</p> <p>{ da sp 4</p> <p>{ da da</p> <p>{ da sp 4</p> <p style="text-align: right;">da sp</p> <p style="text-align: center;">~~~~~ ~~~~~ ~~~~~  4</p> <p>{ da da</p> <p>{ pherecr 4</p> |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

\*) 1748—51 intellege ὦ κεραυνέ.

ΠΕΙΘΕΤΑΙΡΟΣ

1755—1762

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |                                                                                                                       |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>1755 ἔπεσθε νῦν γάμοισιν, ὦ<br/>         φύλα πάντα συννόμων<br/>         πτεροφόρ', ἐπὶ πέδον Διὸσ<br/>         καὶ λέχοσ γαμήλιον.<br/>         ὄρεξον, ὦ μάκαιρα σῆν<br/>         1760 χεῖρα καὶ πτερῶν ἐμῶν<br/>         λαβοῦσα συγχόρευσον· αἴ-<br/>         ρων δὲ κουφιῶ σ' ἐγῶ.</p> | <p>ia ia</p> <p>lecyth</p> <p>~lecyth</p> <p>lecyth 8</p> <p>ia ia</p> <p>lecyth</p> <p>{ ia ia</p> <p>{ lecyth 8</p> |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

ΧΟΡΟΣ

1763—1765

|                                                                                                 |                                                          |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------|
| <p>ἀλα[λα]λαί, ἰῆ παιῶν,<br/>         τήνελλα καλλίνικος, ὦ<br/>         δαιμόνων ὑπέρτατε.</p> | <p>~~~~~ ~~~~~ ~~~~~  2</p> <p>ia ia 2</p> <p>lecyth</p> |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------|

# ΝΕΦΕΛΑΙ

## ΠΑΡΟΔΟΣ

275—90 = 299—313

Antecedunt tetram anap iv ii : vi = xii.

|     |                                                                                                                                                                   |                                                                                                                                                                                                                                                         |                                                 |   |
|-----|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------|---|
| 275 | ἀέναοι Νεφέλαι,<br>ἀρθώμεν φανεραὶ δροσερὰν φύσιν<br>εὐάγητον,                                                                                                    | $\begin{array}{l} - \cup \cup - \omega - \\ \left\{ \begin{array}{l} --- / \omega - / \omega - \omega / \\ \text{-----} \end{array} \right\} \end{array}$                                                                                               | $\begin{array}{l} 2 \\ 1 \end{array}$           | 5 |
|     | πατὺρὸς ἀπ' Ὠκεανοῦ βαρυαχέος<br>ὕψηλῶν ὄρέων κορυφὰς ἐπὶ                                                                                                         | $\begin{array}{l} - \omega - \omega - / \omega - \omega / \\ \left\{ \begin{array}{l} - \omega - \omega - \omega - / \omega / \\ \text{-----} \end{array} \right\} \end{array}$                                                                         | $\begin{array}{l} 2 \\ 2 \\ 1 \end{array}$      | 5 |
| 280 | δενδροκόμους, ἴνα<br><br>τηλεφανεῖς σκοπιάς ἀφορώμεθα<br>καρπούς τ' ἀρδομέναν θ' ἱερὰν χθόνα<br>καὶ ποταμῶν Ζαθέων κελαδήματα<br>καὶ πόντον κελάδοντα βαρύβρομον· | $\begin{array}{l} - \omega - / \omega - / \omega - \omega / \\ \left\{ \begin{array}{l} - \omega - \omega - \omega - \omega / \\ - \omega - / \omega - / \omega - \omega / \\ - \omega - / \omega - \omega - \omega / \end{array} \right\} \end{array}$ | $\begin{array}{l} 2 \\ 2 \\ 2 \\ 2 \end{array}$ | 8 |
| 285 | ὄμμα γὰρ αἰθέρος ἀκάματον<br>σελαφείται                                                                                                                           | $\begin{array}{l} - \cup \cup - \omega - \omega - \\ \omega - \cup \end{array}$                                                                                                                                                                         | $\begin{array}{l} 2 \\ 1 \end{array}$           | 3 |
|     | μαρμαρέαις(iv) ἐν αὐγαῖς.<br>ἀλλ' ἀποσειάμεναι νέφος ὄμβριον<br>ἀθανάτας ἰδέας, ἐπιδύμεθα<br>τηλεσκοπῶ ὄμματι γαῖαν.                                              | $\begin{array}{l} - \cup \cup - (\cup) \cup - \\ \left\{ \begin{array}{l} - \omega - / \omega - \omega - \omega / \\ - \omega - \omega - / \omega - \omega / \\ \text{-----} \end{array} \right\} \end{array}$                                          | $\begin{array}{l} 2 \\ 2 \\ 2 \end{array}$      | 8 |

Bis periodos leviores quadam diaeresi (Vorarb 152\*\*) secernere satis habet poeta.

Strophis interiecta sunt Socratis (ii ii) et Strepsiadis (iii) tetram anap.

Sequuntur tetram anap cxxiv cum dimetrorum anap serie (quater quaternorum duobus monometris ultimae tetradi adiectis).

ΑΜΟΙΒΑΙΟΝ

Χ(ΟΡΟΣ) Σ(ΤΡΕΨΙΑΔΗΣ)

457—475

|                                             |           |         |         |     |
|---------------------------------------------|-----------|---------|---------|-----|
| Χ λήμα μὲν πάρεστι τῷδέ γ'                  | tro       | tro     |         | { 2 |
| οὐκ ἄτολμον, ἀλλ' ἔτοιμον. ἴσθι θ' ὡς       | tro       | tro     | er      | { 3 |
| ταῦτα μαθὼν παρ' ἔ-                         |           |         |         |     |
| μοῦ κλέος οὐρανόμηκες                       | da        | da      | sp*     | { 3 |
| ἐν βροτοῖσιν ἔξεις.                         | ithyph    |         |         | { 2 |
| Σ τί πείσομαι; Χ τὸν πάντα χρόνον μετ' ἔμοῦ | υ—υ—      | — — — υ | — — — υ | 3   |
| Ζηλωτότατον βίον ἀνθρώπων διάξεις.          | — — — υ   | — — — υ | — — — υ | 3   |
| Σ ἄρά γε τοῦτ' ἄρ' ἐγὼ ποτ'                 | — — — υ   | υ — —   |         | { 2 |
| ᾄσομαι; Χ ὥστε γε σοῦ πολ-                  | { — — — υ | υ — —   |         | { 2 |
| λοὺς ἐπὶ ταῖσι θύραις αἰεὶ καθῆσθαι,        | { — — — υ | υ — —   | υ — —   | { 3 |
| βουλομένου ἀνακοινοῦ-                       | { — — — υ | υ — —   |         | { 2 |
| σθαί τε καὶ ἔς λόγον ἔλθειν                 | { — — — υ | υ — —   |         | { 2 |
| πράγματα κἀντιγραφὰς πολλῶν ταλάντων,       | — — — υ   | υ — —   | υ — —   | 3   |
| ἄξια σὴ φρενὶ συμβου-                       | { — — — υ | υ — —   |         | { 2 |
| λευκομένου μετὰ σοῦ.                        | { — — — υ | υ — —   |         | { 2 |

470 λόγους RV

Subsequuntur coryphaeae tetram anap II.

ΠΑΡΑΒΑΣΙΣ

510—626

ΚΟΜΜΑΤΙΟΝ

antecedunt coryphaeae anap metra III.

|                             |      |    |     |   |
|-----------------------------|------|----|-----|---|
| 512 εὐτυχία γένοιτο τάν-    | { ch | ia | { 2 |   |
| θρώπων, ὅτι προήκων         | { ch | ba | { 2 |   |
| ἔς βαθὺ τῆς ἡλικίας         | ch   | ch | 2   | 6 |
| 515 νεωτέροις τὴν φύσιν αὐ- | { ia | ch | { 2 |   |
| τοῦ πράγμασιν χρωτίζεται    | { ia | ia | { 2 |   |
| καὶ σοφίαν ἔπασκεῖ.         | ch   | ba | 2   | 6 |

Sequuntur 'poetae' ipsius tetrametri Eupolidei XLIV forma

υ—υ—υ—υ—υ—υ—υ—υ—

nisi quod semel (539) prioris membri basis quadrisyllaba cum a tribrevi incipiat quinque fit syllabarum (secundum Corinnae καλὰ γεροῖα).

563—74 = 595—606

|                                   |           |             |           |    |    |
|-----------------------------------|-----------|-------------|-----------|----|----|
| ὕψιμέδοντα μὲν θεῶν               | <i>ch</i> | <i>ia</i>   | 2         |    |    |
| Ζῆνα τύραννον ἐς χορόν            | <i>ch</i> | <i>ia</i>   | 2         |    |    |
| 565 πρῶτα μέγαν κικλήσκω·         | <i>ch</i> | <i>ba</i>   | 2         |    |    |
| τόν τε μεγασθενῆ τριαί-           | }         | <i>ch</i>   | <i>ia</i> | 2  |    |
| νης ταμίαν, γῆς τε καὶ ἄλ-        |           | <i>ch</i>   | <i>ch</i> |    | 2  |
| μυρᾶς θαλάσσης ἄγριον             |           | <i>ia</i>   | <i>ch</i> |    |    |
| μοχλευτήν·                        | <i>ba</i> |             | 1         | 13 |    |
| καὶ μεγαλώνυμον ἡμέτερον πατέρ·   | }         | <i>da</i>   | <i>da</i> | 2  |    |
| 570 Αἰθέρα σεμνότατον βιοθρέμμινα |           | <i>da</i>   | <i>da</i> |    | 2  |
| πάντων·                           |           | <i>sp</i>   |           |    |    |
| τόν θ' ἵππονύμαν, δε ὑπερ-        | }         | <i>ia</i>   | <i>ch</i> | 2  |    |
| λάμπροις ἀκτίσιν κατέχει          |           | <i>ch</i>   |           |    | 2  |
| γῆς πέδον, μέγας ἐν θεοῖς         |           | <i>glyc</i> |           | 2  |    |
| ἐν θνητοῖσι τε δαίμυν.            |           | <i>pher</i> |           | 2  | 13 |

Iovi Posidoni in antistrophī parte priore respondent Apollo Artemis, Aetheri Helio in altera Athena Dionysus.

Subsequuntur tetr troch vicena.

700—6 = 804—13

|                                  |   |                               |           |   |
|----------------------------------|---|-------------------------------|-----------|---|
| 700 φρόντιζε δὴ καὶ διάθρει,     | } | <i>ia</i>                     | <i>ch</i> | 4 |
| πάντα τρόπον τε καυτόν           |   | <i>ch</i>                     | <i>ba</i> |   |
| εἰσὶ πικνύσας.                   |   | <i>trin</i> ( <i>prosod</i> ) |           | 3 |
| ταχύς δ', ὅταν εἰς ἄπορον πέσης, |   | <i>quatern</i>                |           | 4 |
| ἐπ' ἄλλο πῆδα                    |   | <i>trin</i>                   |           | 3 |
| 705 νόημα φρενός· ὕπνος δ' ἀπέ-  | } | <i>ia<sup>sz</sup></i>        | <i>ia</i> | 4 |
| εἰς γλυκύθυμος ὁμμάτων.          |   | <i>ch</i>                     | <i>ia</i> |   |

Antistropho adduntur metra chor iambenopliambica, si sana sunt quae in libris tradita leguntur, septem, sin mutila, octo fortasse haec:

|                               |           |           |     |
|-------------------------------|-----------|-----------|-----|
| (καῖρον ὄπως)? γνοῦς, ἀπολά-  | ...       | <i>ch</i> |     |
| ψεις ὃ τι πλείστον δύνασαι    | <i>ch</i> | <i>ch</i> | (4) |
| ταχέως· φιλεῖ γάρ πως τὰ τοι- | <i>ia</i> | <i>ia</i> |     |
| αὔθ' ἑτέρα τρέπεσθαι.         | <i>ch</i> | <i>ba</i> | 4   |

Stropham sequuntur Strepsiadis coryphaeae dimetra π (*er er et ba ba*), tum Strepsiadis trimetra iambica π, anapaestica metra ιx, denique coryphaeae Strepsiadisque χπ.

ΧΟΡΟΣ

inter 888 et 89 intercudit

949—58 = 1024—33

Antecedit iusti iniustique oratoris altercationem continens praelonga dimetrorum anapaesticorum series monometris aliquot admixtis.

|                           |               |               |     |
|---------------------------|---------------|---------------|-----|
| vῦν δείξετον τῷ πικύνῳ    | <i>ia</i>     | <i>ch</i>     | 2   |
| 950 τοῖς περιδεξίοισιν    | <i>ch</i>     | <i>ba</i>     | 2   |
| λόγοις καὶ φροντίσι καὶ   | { <i>ia</i>   | <i>ch</i>     | { 2 |
| γνωμοτύποις μερίμναις,    |               |               |     |
| ὀπότερος αὐτοῖν λέγων     | { (—) (—) (—) | { (—) (—) (—) | { 2 |
| ἀμείνων φανήσεται         |               |               |     |
| vῦν γὰρ ἅπας ἐνθάδε κίν-  | { <i>ch</i>   | <i>ch</i>     | { 2 |
| 955 δυνος ἀνεῖται σοφίας, |               |               |     |
| ἧς περὶ τοῖς ἔμοις φίλοις | <i>ch</i>     | <i>ia</i>     | 2   |
| ἔστιν ἀγῶν μέγιστος.      | <i>ch</i>     | <i>ba</i>     | 2 8 |

En antistrophi v 3 solito longius a compari suo recedens:

εὐδαίμονες δ' ἦσαν ἄρ' οἱ

ζῶντες τότε ἐπὶ τῶν προτέρων.

Choriambo fraudatus est antistrophi v 4 (vel vocativo vel ad μουσαν epitheto altero).

Seiunguntur strophae tetrametris anapaesticis I et dimetrorum anap serie adiecto monometro (metrorum IV [I] VI: IV VI, IV: IV = XXI). Antistrophum (1034 ss) excipiunt Iusti Iniustique tetram iamb II, trim IV, denique dim XVI adiectis monom III.

Coryphaea tetrametris trochaicis praemittit tetrametrum iambicum clausula ithyphallica 1113/4.

ΑΜΟΙΒΑΙΟΝ

CT(ΡΕΨΙΑΔΗΣ C(ΩΚΡΑΤΗΣ)

1154—1170

|                                        |             |           |           |   |
|----------------------------------------|-------------|-----------|-----------|---|
| CT βοάσομαι τᾶρα τὰν ὑπέρτονον         | <i>ia</i>   | <i>cr</i> | <i>ia</i> | 3 |
| 1155 βοάν. ἰὺ, κλάετ' ὠβολοστάται,     | <i>ia</i>   | <i>cr</i> | <i>ia</i> | 3 |
| αὐτοὶ τε καὶ τάρχαϊα καὶ τόκοι τόκων·  | <i>trim</i> |           |           | 3 |
| οὐδὲν γὰρ ἂν με φλαυρον ἐργάσαιθ' ἔτι, | <i>trim</i> |           |           |   |



|      |                                                    |                 |   |      |
|------|----------------------------------------------------|-----------------|---|------|
|      | οἷος ἔμοι τρέφεται                                 | —υ— υ—          | 2 | } 19 |
|      | τοῖσδ' ἐνὶ δύμασι παῖς,                            | —υ— υ—          | 2 |      |
| 1160 | ἀμφήκει γλῶττη λάμπων,                             | — — — —         | 3 |      |
|      | πρόβολος ἔμός, σωτήρ δόμοις, ἐχθροῖς βλάβη,        | <i>trim</i>     | 3 |      |
|      | λυκανίας πατρῶν μεγάλων κακῶν·                     | δ δ             | 3 |      |
|      | ὄν κάλεσον τρέχων ἔνδοθεν ὡς ἐμέ.                  | δ δ             | 3 |      |
| 1165 | ᾧ τέκνον, ᾧ παῖ, ἔξελθ' οἴκων,                     | <i>an an</i>    | 2 |      |
|      | ἄιε σοῦ πατρός. C ὄδ' ἐκείνος ἀνήρ.                | <i>an an</i>    | 2 |      |
|      | CT ᾧ φίλος, ᾧ φίλος. C ἄπιθι λαβῶν τὸν υἱὸν [σου]. | <i>an ia ba</i> | 3 |      |
| 1170 | CT ἰὼ ἰῷ, τέκνον· ἰὼ ἰοῦ ἰοῦ.                      | δ δ             | 3 | 19   |
|      | 1169 ἄπιθι cὺ A                                    |                 |   |      |

## 1206—1213

|      |                            |               |          |
|------|----------------------------|---------------|----------|
|      | CT ῥάκαρ ᾧ Τρεψιάδες,      | { v υ — —υυ   |          |
|      | αὐτός τ' ἔφυς ὡς σοφός,    | { —υ— —υ—     |          |
|      | χοῖον τὸν υἱὸν τρέφεις?    | —υ— —υ—       |          |
|      | φήσουσι δὴ μ' οἱ φίλοι     | —υ— —υ—       | 8        |
| 1210 | χοῖ δημόται                | —υ—           | <u>I</u> |
|      | Ζηλοῦντες, ἡνίκ' ἂν cὺ νι- | { —υ— υ—υ—    |          |
|      | κῆς λέγων τὰς δίκας.       | { —υ— —υ—     |          |
|      | ἄλλ' εἰσάγων ce βούλομαι   | —υ— υ—υ—      |          |
|      | πρῶτον ἐστιᾶσαι.           | <i>ithyph</i> | 8        |

De cretico acephalo s. praeacuto v υ — cf appendix; alii choriambos praetulerint, priorem acephalum (ell Aesch cantt 117, Soph 83) me non probante.

## 1303—9 = 1312—18

|      |                                       |                    |                   |
|------|---------------------------------------|--------------------|-------------------|
|      | οἶον τὸ πραγμάτων ἐρᾶν φλαύρων. ὁ γὰρ | <i>trim</i>        | <i>theses</i> { 6 |
|      | γέρων ὄδ' ἐρασθεῖς                    | <i>trin prosod</i> | { <u>3</u>        |
| 1305 | ἀποστερηῆσαι βούλεται                 | <i>ia ia</i>       | 4                 |
|      | τὰ χρήμαθ' ἀδανείσατο·                | <i>ia ia</i>       | 4 <sub>v</sub>    |
|      | κοῦκ ἔσθ' ὅπως οὐ τήμερον             | <i>ia ia</i>       | { 4               |
|      | λήψεται τι πράγμα', δ τοῦ-            | <i>cr ia</i>       | { 4               |
| 1309 | τον πῶσει τὸν σοφιστὴν <κακῶς>,       | <i>cr ia cr</i>    | { 6               |
| (K?) | <ἀνθ'> ᾧν πανουργεῖν ἤρᾳτ' ἔξ-        | <i>ia ia</i>       | { 4               |
|      | αἴφνης λαβεῖν κακὸν τι.               | <i>ia ba</i>       | { 4               |

1345—50 = 1391—96

|      |                                                                      | <i>theses</i>            |
|------|----------------------------------------------------------------------|--------------------------|
| 1345 | κόν ἔργον, ᾧ πρεσβῦτα, φροντίζειν, ὅπη<br>τὸν ἄνδρα κρατήσεις·       | trim 6<br>trin 3         |
|      | ὡς οὗτος, εἰ μή τῳ ἴπεποιθῆναι, οὐκ ἂν ἦν<br>οὕτως ἀκόλατος.         | trim 6<br>trin 3         |
|      | ἀλλ' ἔσθ' ὅτῳ θρασύνεται· δῆλόν γε τάν-<br>1350 θρώπου ἴστι τὸ λῆμα. | { trim { 6<br>{ trin { 3 |
|      | 1350 τὸ λῆμ' ἔστι τάνθρ.                                             |                          |

Trimetra singula ephymnii loco subsequitur enoplium membrum trinarium, non secus ac Sapphica trimetra trina excipi solent Adoneo.

De brachycatalexia in membris continuatis admissa (1395) cf Sapph 1, 11, Pind Olymp XIV 13, paeon II 73, VI 56. 116. 117 (fr 127, 3/4?), Soph OR 1095, El 486/7 : 502/3, Trach 112 : 22, 900 : 69, Arist avv 750.

Sequuntur coryphaeae tetr iamb bina; tum stropham tetram iamb xxxiii cum dimetrorum (v) serie, antistrophum tetram xlviii cum dimetrorum catena (metrorum iv ii iv [1] ii). Clauditur fabula tetram anap singulari.

# ΛΥΣΙΤΡΑΤΗ

ΠΑΡΟΔΟΣ

I 256—65 = 271—80

ΓΕ(PONTΩΝ ΗΜΙΧΟΡΙΟΝ) s. ΓΕ(PΩΝ)

Antecedunt coryphaei tetr iamb π.

|                                |      |               |            |     |
|--------------------------------|------|---------------|------------|-----|
| ΓΕ ἡ πόλλ' ἄελπτ' <ἐν>εστιν ἐν | {    | $\bar{ia}$    | $\bar{ia}$ |     |
| τῷ μακρῷ βίῳ, φεῦ·             | {    | <i>ithyph</i> |            | 4   |
| ἐπει τίς ἄν ποτ' ἤλιπς', ὦ     | {    | $\bar{ia}$    | $\bar{ia}$ |     |
| Στρυμόδωρ', ἀκοῦσαι,           | {    | <i>ithyph</i> |            | 4   |
| 260 γυναῖκας, ἄς ἐβόσκομεν     | {    | $\bar{ia}$    | $\bar{ia}$ |     |
| κατ' οἶκον ἐμφανές κακόν,      | {    | $\bar{ia}$    | $\bar{ia}$ | 4   |
| κατὰ μὲν ἄγιον ἔχειν βρέτας,   | ⏏⏏⏏⏏ | $\bar{ia}$    |            | } 4 |
| κατὰ δ' ἀκρόπολιν ἐμὴν λαβεῖν, | ⏏⏏⏏⏏ | $\bar{ia}$    |            |     |
| μοχλοῖς δὲ καὶ κλήθροισιν      |      | $\bar{ia}$    | $\bar{ba}$ | 2   |
| 265 τὰ Προπύλαια πακτοῦν;      |      | <i>ithyph</i> |            | 2   |

261/2 = 277/78 notatu digni anapaesti dactyliformes cum iambis (en qui apud rhythmicos est choreios ἄλογος ἰαμβοειδής) congruentes 279 ser πινῶν ρύπ[ων] (i. e. sordibus madens), nisi forte ἀπαρατίλτος congruere putas v c cum ἄτιλτος.

Subsequuntur tetr iamb quina.

II 286—95 = 296—305

|                                          |               |            |     |
|------------------------------------------|---------------|------------|-----|
| ΓΕ ἄλλ' αὐτὸ γάρ μοι τῆς ὁδοῦ            | $\bar{ia}$    | $\bar{ia}$ | 2   |
| λοιπόν ἐστι χωρίον                       | <i>lecyth</i> |            | 2 4 |
| τὸ πρὸς πόλιν, τὸ αἰμόν, οἱ σπουδὴν ἔχω. | <i>trim</i>   |            | 3 ③ |
| χῶπως ποτ' ἔξαμπεύομεν                   | $\bar{ia}$    | $\bar{ia}$ | 2   |
| 290 τοῦτ' ἄνευ κανθηλίου·                | <i>lecyth</i> |            | 2 4 |



|                            |             |                  |
|----------------------------|-------------|------------------|
| ὡς ἐμοῦ γε τῷ ξύλῳ τὸν     | { tro tro   | { 2              |
| ῶμον ἐσιπύκατον.           | { lecyth    | { 2 4            |
| ἀλλ' ὄμως βαδιστέον,       | lecyth      | 2                |
| καὶ τὸ πῦρ φυσητέον,       | lecyth      | 2 $\overline{4}$ |
| μή μ' ἀποσβεσθὲν λάθῃ πρὸς | { trō trō | { 2              |
| τῇ τελευτῇ τῆς ὁδοῦ.       | { lecyth    | { 2 4            |
| φῦ φῦ, ἰοῦ ἰοῦ τοῦ καπνοῦ. | sp ~ cr cr  | 3 $\overline{3}$ |

Sequuntur coryphaei tetr iamb vi [1] vi; nam mesodi loco sunt haecce:

θώμεσθα δὴ τὸ φορτίον·  
φεῦ τοῦ καπνοῦ, βαβαιάξ.

III 321—34 = 335—49

ΓΥ(ΝΑΙΚΩΝ ΧΟΡΟΣ) s. ΓΥ(ΝΗ)

Antecedunt coryphaeae tetr (ia ch ia ba) 11.

|                                   |              |                   |
|-----------------------------------|--------------|-------------------|
| ΓΥ ἤκουσα γὰρ τυφογέρον-          | ia ch        | { 2               |
| τας ἀνδρας ἔρρειν στελέχη         | ia ch        | { 2               |
| φέροντας, ὡσπερ βαλανεύοντας.     | ia ch sp     | $\overline{3}$    |
| ἐς πόλιν ὡς τριτάλαντα βάρος,     | ⏟⏟⏟⏟ ch      | 2                 |
| δεινότατ' ἀπειλοῦντας ἐπῶν,       | ⏟⏟⏟⏟ ch      | 2 } 11            |
| ὡς πυρὶ χρῆ τὰς μυσαράς           | ch ch        | 2                 |
| γυναϊκὰς ἀνθρακεύειν·             | ⏟⏟⏟ ch       | 2 } 2             |
| ἄς, ὦ θεά, μήποτ' ἐγώ             | ia ch        | 2                 |
| πιμπραμένας ἴδοιμι,               | ch ba        | 2 } 2             |
| ἀλλὰ πολέμου καὶ μανιῶν ρυσαμένας | ⏟⏟⏟ ia ch ch | $\overline{3}$ 11 |
| Ἑλλάδα καὶ πολίτας·               | ch ba        | 2 $\overline{2}$  |
| ἐφ' οἷσπερ, ὦ χρυκολόφα,          | ia ch        | 2                 |
| ὡς πολιοῦχ' ἔσχον ἔδρας.          | ch ch        | 2                 |
| καὶ σε καλῶ ξύμμαχον, ὦ           | ch ch        | 2 6               |
| Τριτογένει', ἦν τις ἐκεῖ-         | { ch ch      | { 2               |
| νας ὑποπίμπρησιν ἀνήρ,            | { ch ch      | { 2               |
| φέρειν ὕδωρ μεθ' ἡμῶν.            | ia ba        | 2 6               |

338 τριτάλαντον (de anapaestis inversis iamborum vice fungentibus cf supra 277/8) 345 πολιοῦχε ὡς

Subsequuntur altercationis tetram iamb octiens quaterna adiectis dimetris quatuor claudente tetrametro singulari.

476—83 (ΓΕ) = 541—48 (ΓΥ)

Antecedunt stropham coryphaeae Lysistrataeque tetram  
iamb iv iv i, antistrophum coryphaeae ii.

|                            |   |                        |                        |   |   |
|----------------------------|---|------------------------|------------------------|---|---|
| ὦ Ζεῦ, τί ποτε χρησόμεθα   | { | <i>ia</i> <sup>~</sup> | <i>cr</i> <sup>~</sup> | { | 2 |
| τοῖσδε τοῖς κνωδάλοισ;     |   | <i>cr</i>              | <i>cr</i>              |   | 2 |
| οὐ γὰρ ἔτ' ἀνεκτ(έ)α τάδ', | { | <i>cr</i> <sup>~</sup> | <i>cr</i> <sup>~</sup> | { | 2 |
| ἀλλὰ βασιανιστέον          |   | <i>cr</i> <sup>~</sup> | <i>cr</i>              |   | 2 |

τόδε σοι τὸ πάθος μετ' ἐμοῦ,

ὃ τι βουλόμεναί ποτε τὴν

|                                              |   |       |       |   |   |
|----------------------------------------------|---|-------|-------|---|---|
| 430 Κραναῶν κατέλαβον, ἔφ' ὃ τι τε μεγαλόπε- | { | ~~~~~ | ~~~~~ | { | 2 |
| τρον ἄβατον ἀκρόπολιν ἱερὸν τέμενος.         |   | ~~~~~ | ~~~~~ |   | 2 |

Sequuntur stropham tetram anap xlvii cum dimetrorum  
(vii) serie adiectis monometris ii, antistrophum tetram xlix cum  
dimetrorum (ix) serie adiecto monometro, si integra sunt quae  
traduntur.

## ΠΑΡΑΒΑΣΙΣ

I 616—25 (ΓΕ) = 636—47 (ΓΥ)

|                             |               |                         |                         |          |          |
|-----------------------------|---------------|-------------------------|-------------------------|----------|----------|
| οὐκέτ' ἔργον κτλ            | <i>tetram</i> | 4                       |                         |          |          |
| ἀλλ' ἐπαποδύμεθ' κτλ        | <i>tetram</i> | 4                       |                         |          |          |
| ἤδη γὰρ ὄζειν ταδι          | {             | <i>ia</i>               | <i>cr</i>               |          |          |
| πλειόνων καὶ μειζόνων       |               | <i>lecyth</i>           |                         | 4        |          |
| πραγμάτων μοι δοκεῖ,        |               | <i>cr</i>               | <i>cr</i>               | <u>2</u> |          |
| καὶ μάλιστ' ὀσφραίνομαι τῆς |               |                         |                         |          |          |
| Ἰππίου τυραννίδος.          | <i>tetram</i> | 4                       |                         |          |          |
| 620 καὶ πάνυ δέδοικα μὴ     | {             | <i>cr</i> <sup>~</sup>  | <i>cr</i>               |          |          |
| τῶν Λακωνῶν τινέσ           |               | <i>cr</i>               | <i>cr</i>               | 4        |          |
| δεῦρο συνεληλυθότες         | {             | <i>cr</i> <sup>~</sup>  | <i>cr</i> <sup>~</sup>  |          |          |
| ἄνδρες ἐς Κλεισθένουσ       |               | <i>cr</i>               | <i>cr</i>               | 4        |          |
| τὰς θεοῖσ ἐχθρὰς γυναῖκας   |               | <i>tro</i> <sup>~</sup> | <i>tro</i>              | 2        |          |
| ἐξεπαίρωσιν δόλω            |               | <i>lecyth</i>           |                         | 2        |          |
| καταλαβεῖν τὰ χρήμαθ' ἡμῶν  |               | <i>tro</i>              | <i>tro</i> <sup>~</sup> | 2        |          |
| 625 τὸν τε μισθόν,          | {             | <i>tro</i> <sup>~</sup> |                         | {        | <u>1</u> |
| ἐνθεν ἔζων ἐγώ.             |               | <i>cr</i>               | <i>cr</i>               |          | 2        |

Subsequuntur tetr troch dena.

II 658—60 (ΓΕ) = 682—84 (ΓΥ)  $\frac{2}{m}$ 

|                                            |            |            |            |               |
|--------------------------------------------|------------|------------|------------|---------------|
| ταυτ' οὖν οὐχ ὕβρις τὰ πράγματ' ἐστὶ       | <i>sp</i>  | <i>tro</i> | <i>tro</i> | 3             |
| πολλή;                                     | <i>sp</i>  |            |            | $\frac{1}{1}$ |
| 660 κάπιδιώσειν μοι δοκεῖ τὸ χρῆμα μάλλον. | <i>tro</i> | <i>tro</i> | <i>tro</i> | 3             |

Subsequentur tetr troch trina.

## III 665—71 (ΓΕ) = 690—94 (ΓΥ)

|                                                  |                                                                                                                                                    |
|--------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 665 ἄλλ' ἄγετε, λ(ε)υκόποδες,                    | $\left\{ \begin{array}{ll} cr^{\sim} & cr^{\sim} \\ cr^{\sim} & cr^{\sim} \\ cr^{\sim} & cr^{\sim} \\ sp & tro^- \end{array} \right\} \frac{6}{4}$ |
| οἵπερ ἐπὶ Λειψύδριον                             |                                                                                                                                                    |
| ἦλθομεν ὅτ' ἡμεν ἔτι,                            |                                                                                                                                                    |
| νῦν δεῖ, νῦν ἀνηβή-<br>σαι πάλιν ἀναπτερῶσαι     |                                                                                                                                                    |
| 670 πᾶν τὸ σῆμα κάποσεισα-<br>θαι τὸ γῆρας τοδέ. | $\left\{ \begin{array}{ll} tro & tro^- \\ cr & cr \end{array} \right\} 4$                                                                          |

Subsequentur tetr tro dena.

## 781—96 (ΓΕ) = 805—20 (ΓΥ)

|                                                                                                  |                                                                                                                                                                               |                |              |           |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------|--------------|-----------|
| ΓΕ μῦθον βούλομαι λέξαι τιν' ὑμῖν,                                                               | <i>sp</i>                                                                                                                                                                     | <i>tro^-</i>   | <i>tro^-</i> | 3         |
| ὄν ποτ' ἦκουσ' αὐτὸς ἔτι παῖς ὤν·                                                                | <i>tro^-</i>                                                                                                                                                                  | <i>tro^v</i>   | <i>sp</i>    | 3 6       |
| 785 οὕτως                                                                                        | —                                                                                                                                                                             | —              |              | 1         |
| ἦν νεανίσκος Μελανί-<br>ων τις, δε φεύγων γάμον ἀφ-<br>ίκετ' ἐς ἐρημίαν κᾶν<br>τοῖς ὄρεσιν ὕκει· | $\left\{ \begin{array}{ll} -\cup^v \cup & -\cup v \cup \\ -\cup - - & -\cup v \cup \\ -\cup v \cup & -\cup^v / \cup \\ -\cup^v \cup & - - \end{array} \right\} \frac{2}{2} 9$ |                |              |           |
| κᾶτ' ἐλαγοθήρει                                                                                  |                                                                                                                                                                               | $-\cup^v \cup$ | $- -$        | 2         |
| 790 πλεξάμενος ἄρκυς                                                                             |                                                                                                                                                                               | $-\cup v \cup$ | $- -$        | 2         |
| καὶ κύνα τιν' εἶχεν                                                                              |                                                                                                                                                                               | $-\cup v \cup$ | $- -$        | 2 6       |
| κοῦκέτι κατῆλθε πάλιν                                                                            | $-\cup v \cup$                                                                                                                                                                | $-\cup v \cup$ | 2            |           |
| οἴκαδ' ὑπὸ μίους.                                                                                | $-\cup v \cup$                                                                                                                                                                | $- -$          | 2            |           |
| 795 οὕτω                                                                                         | —                                                                                                                                                                             | —              | 1            |           |
| τὰς γυναῖκας ἐβδελύχθη                                                                           | $\left\{ \begin{array}{ll} -\cup - \cup & -\cup - - \\ -\cup - - & -\cup - - \end{array} \right\} \frac{2}{2} 9$                                                              |                |              |           |
| ῥεῖνος, ἡμεῖς δ' οὐδὲν ἤττον                                                                     |                                                                                                                                                                               | $tro^v$        | <i>cr</i>    | <i>cr</i> |
| τοῦ Μελανίωνος, οἱ σῶφρονες.                                                                     |                                                                                                                                                                               |                |              |           |

- 805 ΓΥ κάγω βούλομαι μῦθόν τιν' ὑμῖν  
ἀντιλέξει τῷ Μελανίωφι. 6  
Τίμων  
ἦν τις αἰδρυτος ἀβά-  
τοις ἐν σκώλοισι τὰ πρόσ-  
810 ὠπα περιειργμένος, Ἐ-  
ρινύων ἀπορρωῖ. 9  
οὗτος οὖν ὁ Τίμων  
ᾤχεθ' ὑπὸ μίσους  
<εἰς ἀγρὸν ἔρημον> 6  
815 πολλὰ καταρασάμενος  
ἀνδράσι πονηροῖς.  
οὕτω  
τοὺς πονηροὺς ἀνδρας αἰεὶ  
ἴκεινος ἡμῖν ἀντεμίσει, 9  
820 ταῖσι δὲ γυναῖξιν ἦν φίλτατος. 3
- 810 τὸ πρόσωπον 817/18 οὕτω κείνος ὑμῶν ἀντεμίσει  
τοὺς κτλ

De trochaeis attenuatis supra ad pag 385 ss.

Subsequuntur et stropham et antistrophum altercationes  
dimetrorum bis quaternorum.

## 954—979

Dimetrorum anapaesticorum (xxiii) series adiectis mono-  
metris (iii).

1043—57 (ΓΕ) = 58—71 (ΓΥ) = 1189—1202 (ΓΕ) = 1203—15 (ΓΥ)

Antecedunt tetram troch viii viii vi i vi.

- |                                                                              |                                                                                                                                                        |                |
|------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------|
| οὐ παρασκευαζόμεθα                                                           | $\left. \begin{array}{l} tro^{\sim} \quad tro^{\sim} \\ \sim tro^{\sim} \quad tro^{\sim} \\ tro^{\sim} \quad cr \end{array} \right\}$                  | 6              |
| τῶν πολιτῶν οὐδέν', ἄνδρες,<br>φλαθρον εἰπεῖν οὐδέέν·                        |                                                                                                                                                        |                |
| 1045 ἀλλὰ πολὺ τοῦμπαλιν                                                     | $\left. \begin{array}{l} tro^{\sim} \quad cr \\ tro^{\sim} \quad tro^{\sim} \\ tro^{\sim} \quad tro^{\sim} \\ ti^{\sim} \quad cr \end{array} \right\}$ | 4<br>4<br>4 14 |
| πάντ' ἀγαθὰ καὶ λέγειν/καὶ<br>δρᾶν. ἰκανὰ γὰρ τὰ κακὰ<br>καὶ τὰ παρακείμενα. |                                                                                                                                                        |                |

|                                 |                         |                         |                         |                |
|---------------------------------|-------------------------|-------------------------|-------------------------|----------------|
| ἄλλ' ἐπαγγελέτω                 | <i>cr</i>               | <i>er</i>               | 2                       | $\overline{1}$ |
| 1050 πᾶς ἀνὴρ καὶ γυνή,         | <i>cr</i>               | <i>er</i>               | 2                       | $\overline{1}$ |
| εἷ τις ἀργυρίδιον δεί-          | }                       | <i>tro</i> <sup>~</sup> | <i>tro</i> <sup>-</sup> | 7              |
| ται λαβεῖν, μνάς ἢ δύο ἢ τρεῖς, |                         | <i>tro</i> <sup>~</sup> | <i>tro</i> <sup>-</sup> |                |
| ὡς πλέα ἔστιν                   |                         | <i>tro</i>              |                         |                |
| ἄχομεν βαλλάντια.               |                         | <i>tro</i> <sup>~</sup> | <i>cr</i>               |                |
| 1055 κἄν ποτ' εἰρήνη φανῆ,      | <i>tro</i> <sup>~</sup> | <i>cr</i>               |                         |                |
| ὅστις ἂν νυνὶ δανείση-          | }                       | <i>tro</i> <sup>~</sup> | <i>tro</i>              | 7 14           |
| ται παρ' ἡμῶν,                  |                         | <i>tro</i> <sup>-</sup> |                         |                |
| ἂν λάβῃ μηκέτ' ἀποδώ.           | <i>tro</i> <sup>~</sup> | <i>cr</i>               |                         |                |
| 1053 πόλλ' ἔσω ἔστιν κᾶχομεν    |                         |                         |                         |                |

## ΛΑΚΩΝ

(ΛΑΚΩΝΩΝ ΧΟΡΕΙΑ cl 1246)

1247—1272

|                                              |               |                         |                         |           |                |                |   |
|----------------------------------------------|---------------|-------------------------|-------------------------|-----------|----------------|----------------|---|
| ὄρμαόν τοῖς κυρτανίοις, ὦ Μναμόνα,           | -----         | ω                       | -----                   | <i>cr</i> | 3              | $\overline{3}$ |   |
| τὰν τεὰν Μῶάν, ἄτις                          | <i>cr</i>     | <i>tro</i>              |                         |           | 2              |                |   |
| 250 οἶδεν ἀμέ τῶς τ' Ἀκαναί-                 | }             | <i>tro</i>              | <i>tro</i> <sup>-</sup> | }         | 2              |                |   |
| ως, ὅκα τοὶ μὲν ἐπ' Ἄρταμιτίῳ                |               | -----                   | ω                       |           | -----          | <i>cr</i>      | 3 |
| πρώκροον συείκελοι                           | <i>lecyth</i> |                         |                         |           | 2              |                |   |
| ποττὰ κᾶλα τῶς Μῆδως τ' ἐνίκων               | <i>tro</i>    | <i>sp</i>               | <i>tro</i>              |           | 3 12           |                |   |
| ἀμέ δ' αὖ Λεωνίδα                            | <i>lecyth</i> |                         |                         |           | 2              |                |   |
| 255 ἄγεν ἄπερ τῶς κάπρωσ θά-                 | }             | <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i> <sup>-</sup> | }         | 2              |                |   |
| γόντας, δι(ι)ῶ, τὸν ὀδόντα, πολὺς δ'         |               | <i>da</i>               | <i>ch</i>               |           | }              | 2              |   |
| ἀμφὶ τὰς γένυας ἀφρὸς ἄνσεεν, πο-            |               | <i>cr</i>               | <i>cr</i> <sup>~</sup>  |           |                | <i>tro</i>     | } |
| λὺς δ' ἀμᾶ [καί] καπτῶν σκελῶν [ἀφρὸς] ἴετο. |               | <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>cr</i>               |           | <i>cr</i>      | 3 12           |   |
| 260 ἦν γὰρ τῶνδρες οὐκ ἐλάσσωσ               | <i>sp</i>     | <i>ithyph</i>           |                         |           | 3              |                |   |
| τὰς ψάμμασ τοὶ Πέρσαι.                       | <i>sp</i>     | <i>sp</i>               | <i>sp</i>               |           | 3 <sub>H</sub> |                |   |
| Ἄγροτέρα [Ἄρτεμι] σηροκτόνε, μόλε            | }             | <i>tro</i> <sup>~</sup> | <i>tro</i> <sup>~</sup> | }         | 2              |                |   |
| δεῦρο, παρσένε σιά,                          |               | <i>cr</i>               | <i>cr</i> <sup>~</sup>  |           |                | 2              |   |
| ποττὰσ σπονδάσ,                              | <i>sp</i>     | <i>sp</i>               |                         |           | 2 12           |                |   |



|      |                                      |             |     |         |
|------|--------------------------------------|-------------|-----|---------|
| 1265 | ὡς συνέχης πολὺν ἄμὲ χρόνον. νῦν δ'  | { da        | da  | { 2     |
|      | αὐ φιλία τ' ἄ(ι)ὲς εὐπορος εἶη       | { da        | da  | { 2     |
| 1270 | ταῖσι συνθήκαισι, καὶ τῶν αἰμυλῶν ἀ- | { tro       | tro | tro { 3 |
|      | λωπέκων παυαίμεθ'. ὦ                 | { lecyth    |     | { 2     |
|      | δεῦρ' ἴθι δεῦρο, κυναγέ παρσένε.     | — υ — υ — υ | cr  | 3 12    |

1248 τὼς κυρρανώς (singul. Σ) 49 τῶν τεάν R, τῶν τ' ἐμάν  
 52 πρόκροον θείκελοι (em Wilamowitz) 57 ἦνκει 59 κατατῶν  
 67 δ' 71 δεῦρ' ὦ

## ΕΞΟΔΟΣ

Antecedunt Lysistratae trimetra iambica vi.

1279—1294

## ΑΘΗΝΑΙΩΝ ΧΟΡΟΣ

|      |                                   |                 |      |             |
|------|-----------------------------------|-----------------|------|-------------|
|      | πρόσαγε χορόν, ἔπαγε <δὲ> Χάριτας | { ~tro          | ~tro | { 2         |
| 1280 | ἐπὶ δὲ κάλεσον Ἄρτεμιν,           | { ~lecyth       |      | { 2         |
|      | ἐπὶ δὲ δίδυμον ἀγέχορον           | ~lecyth         |      | 2           |
|      | Ἰήιον                             | ia              |      | 1           |
|      | εὐφρον', ἐπὶ δὲ Νύσιον,           | lecyth          |      | 2           |
|      | ὅς μετὰ Μαινάσι Βάκχιος ὄμμασι    | { da            | da   | { 2         |
|      | δαίεται,                          | { cr            |      | { 1 12      |
| 1285 | Δία τε πυρὶ φλεγόμενον, ἐπὶ δὲ    | { ~tro          | ~tro | { 2         |
|      | πότνιαν ἄλοχον ὄλβιαν,            | { ~lecyth       |      | { 2         |
|      | εἶτα δὲ δαίμονα, οἷς ἐπιμάρτυσι   | { da            | da   | { 2         |
|      | χρησόμεθ' οὐκ ἐπιλήμοισιν         | { da            | cr   | { 2         |
|      | Ἑκυχίας πέρι τῆς ἀγανόφρονος,     | { da            | da   | { 2         |
| 1290 | ἦν ἐπόησε θεὰ Κύπρις.             | { da            | cr   | { 2 12      |
|      | ἀλαλαί, ἰῆ παιήμων·               | υ — υ — υ ? — — |      | 2           |
|      | αἴρεσθ' ἄνω, ἰαί,                 | — — υ — υ —     |      | 2           |
|      | ὡς ἐπὶ νίκῃ, ἰαί,                 | — υ υ — — υ —   |      | 2           |
|      | εὐοῖ εὐοῖ, εὐαὶ εὐαί.             | ———— — — — —    |      | 2 $\bar{8}$ |

1289 μεγαλόφρονος

Notatu digna praeter dactylorum et choreorum (υ υ υ ?  
 cll Ach 285, pac 385) responsum lecythii forma dactylocretica  
 1288. 90.

Subsequuntur Lysistratae dimetra haecce:

Λάκων, πρόφαινε δὴ σὺ  
 μούσαν ἐπὶ νέα νέαν. ia ba  
lecyth

1296—1322

ΛΑΚΩΝ

(ΛΑΚΩΝΩΝ ΧΟΡΟΣ)

|      |                                               |                      |                  |
|------|-----------------------------------------------|----------------------|------------------|
|      | Ταῦτετον αὐτ' ἔρανον ἔκλιπῶά,                 | $\bar{ia}$ $ia$ $ba$ | 3                |
|      | Μῶά, μόλε < μόλε > Λάκαινα, πρεπτόν ὀμίν,     | $\bar{ia}$ $ia$ $ba$ | 3                |
|      | κλέωά τόν Ἀμύκλαις [Ἀπόλλω] σιόν              | $ia$ $ia$            | $\frac{2}{2}$ 8  |
| 1300 | καί Χαλκίοικον ἄνασσαν                        | $\bar{ia}$ $ia$      | 2                |
|      | Τυνδαρίδας τ' ἀρασις,                         | $\bar{ia}$ $ia$      | 2                |
|      | τοί δὴ παρ' Εὐρύταν ψιάδ-                     | $\bar{ia}$ $ia$      | 2                |
|      | δοντ', εἶα μόλ' ἔμβα,                         | $\bar{ia}$ $ia$      | 2                |
|      | ῶ εἶα κοῦφα πάλον, ὡς                         | $\bar{ia}$ $ia$      | 2                |
| 1305 | Σπάρταν ὕμνιωμας,                             | $\bar{ia}$ $ia$      | 2                |
|      | τῶ $\bar{ia}$ χοροί μέλοντι καὶ ποδῶν κτύπος, | <i>trim</i>          | $\frac{3}{3}$ 15 |
|      | < ὄχ' > ᾄτε πῶλοι ται κόραι                   | $ia$ $ia$            | 2                |
|      | πάρ τόν Εὐρύταν                               | <i>cr</i> <i>sp</i>  | 2                |
| 1310 | ἀμπάλλοντι, πυκνά ποδοῖν                      | $\bar{ia}$           | 2                |
|      | ἀγκονίωαί,                                    | <i>cr</i> <i>sp</i>  | 2 8              |
|      | ται δὲ κόμαι σείονθ',                         | $\bar{ia}$           | 2                |
|      | ᾄπερ Βακχᾶν θυραδδῶν                          | $\bar{ia}$           | 2                |
|      | καὶ παιδδῶν,                                  | $\bar{ia}$           | 1                |
|      | ἀγῆται δ' ἅ Λήδας παῖς,                       | $\bar{ia}$           | $\frac{2}{2}$ 7  |
| 1315 | ἀγνά χορατὸς εὐπρεπῆς·                        | $ia$ $ia$            | $\frac{2}{2}$    |
|      | ἄλλ' ἄγε κόμαν παραμπύκκιδ-                   | $\bar{ia}$ $ia$      | 2                |
|      | δε[τε] χερὶ, ποδοῖν τε πάδη,                  | $\bar{ia}$ $ba$      | 2                |
|      | ᾄ τις ἔλαφος, κρότον δ' ἄμα                   | $\bar{ia}$ $ia$      | 2                |
|      | ποίη χορωφελήταν                              | $ia$ $ba$            | 2                |
| 1320 | καὶ τὰν σιὰν [δ'] αὐτὰν κρατί-                | $\bar{ia}$ $ia$      | 2                |
|      | σταν Χαλκίοικον ὕμνη                          | $\bar{ia}$ $ba$      | 2                |
|      | τὰν πάμμαχον.                                 | $\bar{ia}$           | $\frac{1}{1}$ 15 |

1300 ἄνασσαν ΣΤΡ, ἀσάναν 1305 πάλλων 10 ἀγκονεύουσαι  
17 χορωφελέταν (χωροφ.)

Periodorum concentum si spectas nihil desideratur. Ultimis vero fabulae verbis τὰν πάμμαχον quantopere Athenis sub ipsam arcem deaeque Προμάχου quasi in conspectu et agentes commoti sint et audientes sponte intellegitur.

## ΘΕΣΜΟΦΟΡΙΑΖΟΥΣΑΙ

101—129

Α(ΓΑΘΩΝ) Χ(ΟΡΟΣ)

|                                                                                                                          |                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>A ἱερὰν χθονίαις δε-<br/>ξάμεναι λαμπάδα, κοῦραι,<br/>ἔνν ἐλευθερ(ί)α πάτρι-<br/>α χορεύεσθαι βοᾶ[ν].</p>             | $\left. \begin{array}{l} \bar{\omega} - (-) \quad \bar{\omega} - \bar{\omega} \\ \bar{\omega} - - \quad \bar{\omega} - - \end{array} \right\} 4$                                                                                                                                           |
| <p>X τίνι δαιμόνων ὁ κῶμος;<br/>105 λέγε νιν· εὐπ(ε)ίςτως δὲ τοῦμόν<br/>δαίμονας ἔχει σεβίαι.</p>                        | $\left. \begin{array}{l} \bar{\omega} \bar{\omega} (-) \quad \bar{\omega} - \bar{\omega} \\ \bar{\omega} - - \quad - \bar{\omega} - - \\ \bar{\omega} \bar{\omega} - - \quad - \bar{\omega} - - \\ \bar{\omega} \quad \bar{\omega} - \quad \bar{\omega} - \end{array} \right\} 6 \quad 14$ |
| <p>A ἄγε νυν ὀλβίζε, Μοῦσα,<br/>χρυσέων ῥύτορα τόξων<br/>Φοῖβον, δε ἰδρύεσθαι χώρας</p>                                  | <p style="text-align: right;">4</p>                                                                                                                                                                                                                                                        |
| <p>110 γύαλα Σιμωντίδι γᾶ.<br/>X χαῖρε καλλίσταις ἀοιδαῖς,<br/>Φοῖβ', ἐν εὐμούσταις τιμαῖς<br/>γέρας ἱερὸν προφέρων.</p> | <p style="text-align: right;">4</p>                                                                                                                                                                                                                                                        |
| <p>A τάν τ' ἐν ὄρεσι δρυογόνοισιν<br/>115 κόραν ἀεία[ν]τ' Ἄρτεμιν ἀ-<br/>γροτέραν.</p>                                   | $\left. \begin{array}{l} - \bar{\omega} \bar{\omega} \bar{\omega} \quad \bar{\omega} - - \\ \bar{\omega} - - \quad - \bar{\omega} - - \\ \bar{\omega} - - \quad - \bar{\omega} - - \\ - \bar{\omega} \bar{\omega} - \quad \bar{\omega} - \end{array} \right\} 2$                           |
| <p>X ἔπομαι κλήζουσα σεμέναν<br/>γόνον ὀλβίζουσα Λατοῦς<br/>Ἄρτεμιν ἀπειρολεχῆ.</p>                                      | $\left. \begin{array}{l} \bar{\omega} - - \quad - \bar{\omega} - - \\ \bar{\omega} - - \quad - \bar{\omega} - - \\ - \bar{\omega} \bar{\omega} - \quad \bar{\omega} - \end{array} \right\} 2 \quad 11$                                                                                     |
| <p>120 A Λατώ τε κρούματά τ' Ἄ-<br/>ριάδος ποδὶ παράρυθμ' εὐ-<br/>ρυθμα Φρυγίῳν</p>                                      | $\left. \begin{array}{l} - - - \bar{\omega} \quad \bar{\omega} - - \\ \bar{\omega} - \bar{\omega} \quad \bar{\omega} - - \\ \bar{\omega} \bar{\omega} - \quad \bar{\omega} - \end{array} \right\} 2$                                                                                       |

|     |                                  |                                                                                               |                   |
|-----|----------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|
|     | δι[α]νεύματα Χαρίτων.            | --- <u>---</u>                                                                                | <u>2</u> <u>1</u> |
|     | Χ céβομαι Λατώ τ' ἄνασσαν        |                                                                                               | 2                 |
|     | κίθαρίν τε ματέρ' ὕμνων          |                                                                                               | 2                 |
| 125 | ἄρσενι βοᾷ δόκιμον.              |                                                                                               | 2    11           |
|     | A τῷ φάος ἔστυο δαιμονίοις       | ---u---u    -u u -                                                                            | 2                 |
|     | ὄμμασιν ἀμετέρας τε δι' αἰφνιδί- | {<br>---u---u    -u---u<br>---u---u    -u---u<br>u    u    -    u    -    -                 } | 2                 |
|     | ου ὁπός· ὦν χάριν                |                                                                                               | <u>1</u>          |
|     | ἄνακτ' ἄγαλλε Φοῖβον [τιμα]      |                                                                                               | 2                 |
| 129 | Χ χαῖρ', ὄλβιε παῖ Λατοῦς.       | ---u u    -    -    -                                                                         | 2 <u>9</u>        |

103 πατρίδι    105 νυν    107 ὄπλιζε    116 σεμνόν    122 δινεύ-  
 ματα] ὀρχήματα Σ    125 δόκιμον Σ, δοκίμῳ    126 φῶς

Parodi instar

I 312—330

Antecedunt coryphaeae voces:

|              |                |   |
|--------------|----------------|---|
| εὐφημία ᾽στῳ | ---u' u' u' u' | 3 |
| εὐφημία ᾽στῳ | ---u---u---    | 3 |

tum allocutione pedestri sermone interiecta

|           |             |          |
|-----------|-------------|----------|
| ἰῆ παιών, | u --- -- -- | 3        |
| ἰῆ παιών, | u --- -- -- | 3        |
| χαίρωμεν. | -- -- --    | <u>3</u> |

|                                   |                                                    |                 |                 |   |
|-----------------------------------|----------------------------------------------------|-----------------|-----------------|---|
| δεχόμε[ς]θα καὶ θεῶν γένος        | <u>ia</u>                                          | ia              | 2               |   |
| λιτόμεθα ταῖσθ' ἐπ' εὐχαῖς        | <u>ia</u>                                          | ba              | 2               |   |
| χαρέντας ἐπιφανῆσαι.              | ia <sup>~</sup>                                    | ba              | 2               |   |
| 315 Ζεῦ μεγαλύνουμε, χρυσολύρα τε | ---u---u    ---u---u                               |                 | 2               |   |
| Δῆλον ὃς ἔχεις ἱεράν,             | cr <sup>~</sup>                                    | ch              | 2               |   |
| καὶ σὺ, παγκρατές κόρα,           | lecyth                                             |                 | 2               |   |
| γλαυκῶπι, χρυ-                    | {<br>ia<br>ia <sup>~</sup><br>ia                 } |                 | 1               |   |
| κόλογχε, πόλιν οἰκοῦσα περι-      |                                                    | ia <sup>~</sup> | ia <sup>~</sup> | 2 |
| μάχητον, ἔλθέ δεῦρο·              |                                                    | ia              | ba              | 2 |
| καὶ πολυώνυμε θηροφόνε [παι]      | ---u---u    ---u u u                               |                 | 2               |   |
| 320 Λατοῦς χρυσώπιδος ἔρνος.      | ---u'---u'    u' u' u' u'                          |                 | 2               |   |

|     |                             |       |     |   |                  |
|-----|-----------------------------|-------|-----|---|------------------|
|     | κύ τε πόντιε σεμνὲ Πόσειδον | ω—ω—  | ω—  | υ | 2 <sup>-</sup>   |
|     | ἀλιμέδον                    | ωυ—   |     |   | 1                |
|     | προλιπῶν μυχὸν ἰχθυόεντα    | ω—ω—  | ω—  | υ | 2 <sup>-</sup>   |
|     | οἰτροδόνητον,               | —ω—   |     |   | 1                |
| 325 | Νηρέος ε<ι>νάλιόι τε κόραι  | —ω—ω  | —υ— |   | 2                |
|     | Νύμφαι τ' ὀρείπλαγκτοί,     | —υ—   | —   | — | 2 <sup>-</sup>   |
|     | χρυσέα τε φόρ-              | { —υ— |     |   | { 1              |
|     | μιγῆ ἰαχίσειεν ἐπ' εὐχαΐς   | { —υ— | —ω— |   | { 2 17           |
|     | ἡμετέραις· τελέως δ' ἐκ-    | { —υ— | ω—  | — | { 2 <sup>-</sup> |
|     | κλησιάσαιμεν Ἀθην[α]ίων     | { —υ— | ω—  | — | { 2 <sup>-</sup> |
| 330 | εὐγενεῖς γυναῖκες.          | —υ—   | υ—  | — | 2 <sup>-</sup> 6 |

## Π 351—371

|     |                              |                 |                 |                |      |
|-----|------------------------------|-----------------|-----------------|----------------|------|
|     | Ξυνευχόμε<ς>θα τέλεα μὲν     | ia              | <sup>~</sup> ia | 2              | }    |
|     | πόλει, τέλεα δὲ δῆμῳ         | ia <sup>~</sup> | ba              | 2 <sup>-</sup> |      |
|     | τάδ' εὐγματ' ἐκ< >γενέσθαι,  | ia              | ba              | 2 <sup>-</sup> | }    |
| 355 | τὰ δ' ἄριθ' ὅσαις προσήκει   | ω—υ—            | ba              | 2 <sup>-</sup> |      |
|     | νικᾶν λεγού-                 | -ia             |                 | 1              | }    |
|     | σας, ὅποσαι δ' ἔξαπατῶ-      | ch              | ch              | 2              |      |
|     | σιν παραβαίνουσί τε τοὺς     | ch              | ch              | 2              | }    |
|     | ὄρκους τοὺς νενομισμένους    | glycon          |                 | 2              |      |
| 360 | κερδῶν οὐνεκ' ἐπὶ βλάβῃ,     | glycon          |                 | 2 <sub>H</sub> | } 17 |
|     | ἢ ψηφίσματα καὶ νόμον        | glycon          |                 | 2              |      |
|     | ζητοῦς ἀντιμεθιστάναί,       | glycon          |                 | 2              | }    |
|     | τὰπόρρητά τε τοῖσιν ἐχ-      | { glycon        |                 | 2              |      |
|     | θοῖς σοῖς ἡμετέροις λέγουσ', | { glycon        |                 | 2              |      |
| 365 | ἢ Μήδους ἐπάγουσι τῆς        | { glycon        |                 | 2              |      |
|     | χώρας, <οῖ> ἀσεβοῦσιν        | { phereer       |                 | 2 <sub>V</sub> |      |
|     | ἀδικοῦσί τε τὴν πόλιν,       | glycon          |                 | 2 <sub>V</sub> | }    |
|     | <ὄλοιντο>.                   | <ba>            |                 | 1 <sub>H</sub> |      |
|     | ἀλλ', ὦ παγκρατὲς Ζεῦ,       | mol             | ba              | 2              | } 17 |
|     | ταῦτα κυρώσειας, ὥσθ'        | { lecyth        |                 |                |      |
| 370 | ἡμῖν θεοὺς παραστατεῖν,      | { -ia           | ia              |                |      |
|     | καίπερ γυναῖξιν οὐσαις.      | -ia             | ba              |                | 6    |

355 δὲ] τε 356 λεγούσας Σ, λεγούσαις 360 ἔνεκ' (cf 366)  
 366 <οῖ>] οὐνεκ' ἐπὶ βλάβῃ

434—42 = 520—30

Trochaica stropha dimetrorum IV:IV; IV interiecto ante clausulam monometro. Epodicae partis dimetrum alterum cum tertio synaphea coniunctum 441/2.

Sequuntur antistrophum tetram iamb χλιπ (xx xx III).

459—64 = 663—67

|                                  |                               |                            |
|----------------------------------|-------------------------------|----------------------------|
| ἔτερον αὖ τι λῆμα τοῦτο          | εἶά νυν ἴχνευε καὶ μά-        | { 2<br>2<br><u>1</u><br>2- |
| 460 κομψότερον ἔτ' ἢ τὸ πρότερον | τευε ταχὺ πάντ' εἴ τις ἐν τό- |                            |
| ἀναπέφηνεν,                      | ποις ἐδραῖος                  |                            |
| οἷα κάστρωμάλατο,                | ἄλλος αὖ λέληθεν ὤν.          |                            |

|                             |                            |    |
|-----------------------------|----------------------------|----|
| οὐκ ἄκαιρα, φρένας ἔχουσα   | 665 πανταχῇ δὲ ῥίψον ὄμμα, | 2  |
| καὶ <τι> πολὺπλοκον νόημα,  | καὶ τὰ τῆδε καὶ τὰ δεῦρο   | 2  |
| οὐδ' ἀκύνετα, πιθανὰ πάντα. | πάντ' ἀνασκόπει καλῶς.     | 2- |

tum mesodi loco:

|                                 |                      |
|---------------------------------|----------------------|
| 465 δεῖ δὲ ταύτης τῆς ὕβρεος ἡ- | { 2<br><u>1</u><br>2 |
| μῖν τὸν ἄνδρα                   |                      |
| περιφανῶς δοῦναι δίκην.         |                      |

461 κατεστ.      465 ὕβρεως      665 διάρριψον

Antecedunt antistrophum tetram anap IV, item troch IV, interiecta trimetris iambicis 520—30 dimetrorum (I anap, XI troch) serie cum monometro, tum 531—73 tetrametris iamb χλιπ.

667—87 = 707—27

## Χ(ΟΡΟΣ) Μ(ΝΗΧΙΛΟΧΟΣ)

Χ ἤν γάρ με λάθη δράσας ἀνόσια,  
 δώσει τε δίκην καὶ πρὸς τούτῳ  
 τοῖς ἄλλοις ἀνδράσιν ἔσται

670 παραδείγμ' ὕβρεως ἀδίκων τ' ἔργων  
 ἀθέων τε τρόπων·

φήσει δ' εἶναι τε θεοὺς φανερώς,  
 δεῖξει τ' ἤδη

675 † ἐφέποντας ὄσια καὶ νόμιμα,  
 μηδόμενους ποιεῖν ὅ τι καλῶς ἔχει.

680 κἂν μὴ ποιῶσι ταῦτα, τοιάδ' ἔσται.  
 αὐτῶν ὅταν ληφθῆ τις ἀνόσιόν τι δρῶν,  
 <στερηθεὶς φρενῶν καὶ> μανίαις φλέγων  
 λύσσει παράκοπος εἴ τι δρῶῃ

Χ τί ἂν οὖν εἶποι πρὸς ταῦτά τις, ὅτε  
 τοιαῦτα ποι(ι)ῶν ὄδ' ἀναισχυντεῖ;  
 Μ κοῦπω μέντοι γε πέπαιμαι.

710 Χ ἀλλ' οὖν ἤκεις γ' ὄθεν οὐ λέξεις

φάυλως γ' ἀποδράς

οἷον δράσας διέδους ἔργον,  
 λήψει δὲ κακόν.

Μ τοῦτο μέντοι μὴ γένοιτο  
 μηδαμῶς, ἀπεύχομαι.

715 Χ τίς ἂν σοι, τίς ἂν σύμμαχος ἐκ θεῶν  
 ἀθανάτων ἔλθοι εὖν ἀδίκος ἔργοις;

Μ μάτην λαλεῖτε, τὴν δ' ἐγὼ οὐκ ἀφήσω.  
 Χ ἀλλ' οὐ μὰ τῷ θεῷ τάχ' οὐ χαίρων ἴσως  
 720 ἐνυβριεῖς λόγους λέξεις τ' ἀνοσίους  
 <ἐπ' > ἀθέοις ἔργοις.

<καί> τῶν ἀνταμιψόμεθά σ' ὡς περ εἶκος ἀντι τῶνδε,  
 τάχα δὲ [σε] μεταβαλοῦς' ἐπι κακὸν ἑτερότρο-  
 725 πον ἐπέχει [τις] τύχη.

669 ἄπασιν 679 ὅσια δρῶν 682 ἐστίν  
 685 παρῶν] παραχρημά τε τίνεσαι in fine  
 add R 710/1 ὄθεν ἦκεισ φάύλωσ τ' ἀπο-  
 δράσ οὐ λέξεσ 720 ἐνουβρίσεισ  
 τε λέξεσ

Subsequuntur tetr troch bina.  
 Interiecta sunt strophis trim iamb  
 III IV III, dein praemissis vocibus ἕα ἕα  
 dochmiorum trias (700/1), tum tetram  
 troch II I II.

πᾶσιν ἐμφανῆσ δρῶν ἕ-  
 στα γυναιεὶ καὶ βροτοῖσ<iv>,  
 685 ὅτι τὰ <τε> παράνομα τὰ τ' ἀνόδια παρῶν  
 θεὸσ ἀποτίνεταί.

667 ss = 707 ss  
 { an an { 2  
 an an { 2  
 paroem 2-5  
 an (δ) an (δ) 3  
 an (δ) δ  
 an (δ) an (δ) 3  
 an (δ) δ  
 tro tro tro }  
 tro tro tro }  
 { δ δ { 3 19  
 { δ δ { 3 19

677 ss = 717 ss  
 trim 3  
 trim 3  
 δ δ  
 δ δ  
 tro }  
 tro }  
 δ { 3  
 δ { 3 19



## ΠΑΡΑΒΑΣΙΣ

785—845

Antecedunt Mnesilochi anapaesti (metr.  $\text{I}_\mu \text{II}_\mu$ , tum  $\text{IV}^- \text{IV}^- \text{VI}^-$ ). Chori commation (ἡμεῖς τοῖνον . . . παραβάσαι) excipitur tetram anap  $\text{XVII}$  cum dimetrorum (xiv) serie adiectis monometris (π), tum epirrhemate singulari (830 ss).

953—958

|                                 |                 |   |
|---------------------------------|-----------------|---|
| ὄρμα, χύρει,                    | <i>an</i>       |   |
| κούφα ποσὶν ἄγ' ἐς κύκλον,      | <i>lecyth</i>   | 3 |
| 955 χε[ι]ρὶ κύναπτε χεῖρα, ῥυθ- | { <i>lecyth</i> | } |
| μόν χορείας ὑπαγε πάσα,         |                 |   |
| βαῖνε καρπαλίμοι ποδοῖν·        | <i>glycon</i>   |   |
| ἐπισκοπεῖν δὲ πανταχῇ           | <i>ia ia</i>    | 4 |
| κυκλοῦσαν ὄμμα χρεῖ χοροῦ       | <i>ia ia</i>    |   |
| κατάστασιν.                     | <i>ia</i>       | 3 |

959—62 = 963—65

(966—968)

|                         |                |   |
|-------------------------|----------------|---|
| ἄμα δὲ καὶ              | { <i>cr</i>    | } |
| 960 γένος Ὀλυμπίων θεῶν |                |   |
| μέλπε καὶ γέραιρε φωνῇ  | <i>tro tro</i> | 2 |
| πάσα χορομανεῖ τρόπῳ.   | <i>lecyth</i>  | 2 |

Tertia (epodica) periodus eo differt ab antistrophicis, quod (967) pro lecythio priore plenum habet dimetrum trochaicum.

969—76 = 977—84

|                                       |                            |                |     |
|---------------------------------------|----------------------------|----------------|-----|
| πρόβαινε ποσὶ τὸν Ε(ὐ)λύραν           | <i>ia<sup>~</sup> ia</i>   | 2              | }   |
| 970 μέλπουσα καὶ τὴν τοξοφόρον        | { <i>ia ia<sup>~</sup></i> | { 2            |     |
| Ἄρτεμιν, ἄνασσαν ἀργήν.               | { <i>ia ba</i>             | { 2            |     |
| χαῖρ' ὦ Ἐκάεργε,                      | <i>trinar</i>              | }              | 3 9 |
| ὄπαζε δὲ νίκην.                       | <i>trinar</i>              |                |     |
| Ἦραν τε τὴν τελείαν                   | <i>ia ba</i>               | 2 <sup>-</sup> | }   |
| μέλψωμεν ὡς περ εἰκός,                | <i>ia ba</i>               | 2 <sup>-</sup> |     |
| 975 ἢ πάσι τοῖς χοροῖσιν ἐμ-          | { <i>ia ia</i>             | { 2            |     |
| παίζει τε καὶ κληῖδας γάμου φυλάττει. | { <i>ia ia ba</i>          | { 3 9          |     |

Reiziana q v membra 972a/b pro sesquimetris esse coarguuntur respondente trimetro 976.

985—989

|                                              |                           |                         |
|----------------------------------------------|---------------------------|-------------------------|
| 985 ἄλλ' εἶα, πάλλ', ἀνάστρεφ' εὐρύθμῳ ποδί, | <i>trim</i>               | 2                       |
| τόρευε πᾶσαν ψῆδῆν.                          | <i>ia · ba</i>            | 2 <sup>-</sup> <u>5</u> |
| ἡγοῦ δέ γ' ᾠδ' αὐτὸς κύ,                     | <i>ia mol</i>             | 2 <sup>-</sup>          |
| κισσοφόρε Βάκχειε                            | <i>cr<sup>~</sup> mol</i> | 2 4                     |
| δέσποτ', ἐγὼ δὲ κύμοις                       | <i>ch ba</i>              | 2 <sup>-</sup>          |
| εὐ φιλοχόροισι μέλψω.                        | <i>~ia ba</i>             | 2 <sup>-</sup> 4        |

CTP

990—94 = 995—1000

|                          |             |              |
|--------------------------|-------------|--------------|
| 990 εὔιον, ᾠ Διόνυσε,    | — — — — —   | 2            |
| Βρόμιο καὶ Σεμέλας παῖ,  | — — — — —   | 2 4          |
| χοροῖς τερπόμενος        | — — — — —   | 2 (?)        |
| κατ' ὄρεα Νυμ-           | { — — — — — | { 1          |
| φᾶν ἔρατοῖς ἐν ὕμνοισι,  | { — — — — — | { 2 <u>5</u> |
| εὔιον εὔιον, εὐοῖ,       | { — — — — — | { 2          |
| <παννύχιον?> ἀναχορεύων· | { — — — — — | { 2 4        |

ANT

|                           |
|---------------------------|
| 995 ἀμφὶ δέ σοι κτυπεῖται |
| Κιθα<ι>ρῶνιος ἡχώ,        |
| μελάμφυλλά τ' ὄρη         |
| δάσκια πετρώ-             |
| δεῖς τε νάπαι βρέμονται·  |

1000 κύκλω δὲ περὶ σε κισσός  
εὐπέταλος ἔλικι θάλλει

995 *cuī* 998 καὶ πετρ. *νάπ.*

*Lectiones cum multis huius fabulae locis, tum in hac stropha ingeniose quae videtur esse parodica admodum incertae.*

1015—1021

ΜΝΗΣΙΟΧΟΣ ΩΣ ΑΝΔΡΟΜΕΔΑ

|                            |               |           |                |
|----------------------------|---------------|-----------|----------------|
| 1015 φίλαι παρθένοι φίλαι, | <i>ba</i>     | <i>ia</i> | <i>theses</i>  |
| πῶς ἂν ἀπέλθοιμι καὶ       | <i>ch</i>     | <i>cr</i> | 4              |
| τὸν Κύθην λάθοιμι;         | <i>ithyph</i> |           | 4 <sup>-</sup> |
| κλύεις; ᾠ προσαυδῶ         | <i>ba</i>     | <i>ba</i> | 4 <sup>-</sup> |
| εὐ τὰν ἐν ἄντροισι,        | — — — — —     |           | <u>3</u>       |
| 1020 κατάνευσον, ἕασον ὡς  | — — — — —     |           | 4              |
| τὴν γυναῖκά μ' ἔλθειν.     | <i>ithyph</i> |           | 4              |

1017 λάβοιμι 1018/9 προκαιδουσαι τας

ARISTOPHANIS cantica dig. Schroeder.

5

1022—1055

(MNHClA ut supra)

|      |                                                   | <i>metra</i>          |      |
|------|---------------------------------------------------|-----------------------|------|
|      | ἄνοικτος ὅς μ' ἔδησε τὸν<br>πολυπονώτατον βροτῶν. | { <i>ia ia</i>        |      |
|      | μόλις δὲ γραῖαν ἀποφυγῶν                          | { <i>lecyth ia ia</i> | 4    |
| 1025 | σαπρὰν, ἀπωλόμην ὄμωσ.                            | <i>ia ia</i>          | 4    |
|      | ὄδε γὰρ ὁ Κύθης φύλαξ                             | <i>lecyth</i>         |      |
|      | πάλαι ἐφεστῶς ὀλοὸν ἀφιλον                        | <i>tro tro</i>        |      |
|      | ἐκρέμασεν κόραξι δεῖπνον.                         | <i>tro tro</i>        | 6    |
|      | ὄρας; οὐ χοροῖσιν οὐδ'                            | { <i>ba ia</i>        |      |
| 1030 | ὕφ' ἠλίκων νεανίδων                               | { <i>ia ia</i>        |      |
|      | κημὸν ἔστηκ' ἔχουσα,                              | <i>er tro</i>         | 6    |
|      | ἀλλ' ἐν πυκνοῖς δεσμοῖσιν ἐμπεπλεγμένη            | <i>trim</i>           |      |
|      | κῆτει βορὰ Γλαυκῆτη πρόκειμαι·                    | <i>ia ithyph</i>      | 6    |
|      | γαμηλίω μὲν οὐ Ξὺν                                | { <i>ia ba</i>        |      |
| 1035 | παιῶνι, δεσμίω δὲ                                 | { <i>ia ba</i>        | 4    |
|      | γοᾶσθέ μ', ὦ γυναῖκες, ὡς                         | <i>ia ia</i>          |      |
|      | μέλεα μὲν πέπονθα μέλεος,                         | <i>tro tro</i>        |      |
|      | ὦ τάλας ἐγώ, τάλας,                               | <i>lecyth</i>         | 6 36 |
|      | ἀπὸ δὲ συγγόνων τάλαν' ἄνομα πάθεα                | <i>δ δ</i>            |      |
| 1040 | φῶτ' ἀνοτμένα, πολυδάκρυτον Ἄϊ-                   | { <i>an (δ) δ</i>     |      |
|      | δα γόνον φλέγουσα,                                | <i>ithyph</i>         | 8    |
|      | αἰαῖ, αἰαῖ [ἔ ἔ],                                 | <i>sp sp</i>          |      |
|      | ὅς ἔμ' ἀπεξύρησε πρῶτον,                          | <i>tro tro</i>        |      |
|      | ὅς ἐμέ κροκόεν τ<ὸδ> ἐνέδουεν·                    | <i>tro tro</i>        |      |
| 1045 | ἐπὶ δὲ τοῖσδ' ἐ<ς> τὸδ' ἀνέπεμψεν                 | <i>tro tro</i>        |      |
|      | ἱερὸν, ἔνθα γυναῖκες.                             | <i>pherecr</i>        | 10   |
|      | ἰὼ [μοι] μοίρας ἀτεγκτε δαῖμον,                   | <i>ba ithyph</i>      |      |
|      | ὦ κατάρατος ἐγώ,                                  | <i>— — — —</i>        |      |
|      | τίς ἔμὸν οὐκ ἐπόψεται                             | <i>lecyth</i>         |      |
| 1050 | πάθος ἀμέγαρτον ἐπὶ κακῶν παρουσία;               | <i>trim</i>           | 10   |
|      | εἶθε με πυρφόρος αἰθέρος ἀστήρ —                  | <i>da da</i>          |      |
|      | τὸν βάρβαρον ἐΞολέσειεν·                          | <i>paroem</i>         |      |

οὐ γὰρ ἔστι  
ἔστιν ἔμοι  
λαμόττι  
105 νέκυιν εἰ  
1027  
λιτομέναν  
54 δαιμόν  
Anapa  
metris vi  
Παλλάδα  
δεῦρο καλ  
παρθένον  
110 ἡ πόλιν ἡ  
καὶ κράτο  
κληροχόο  
φάνησ', αἰ  
στρυγίς,  
115 δημὸς τοῖ  
κῶν·  
εἰρήνην φ  
ἦκε(ε δ')  
πότνια, δ  
120 ἄνδρας ἴν  
ὄργια σεμ  
πάσι φ  
125 μῦλετον  
Θεσμοφώρ  
εἰ καὶ πρ  
ἦθετε, ν  
ἐνθάδ'  
1150  
51 θεαίν  
Clau

οὐ γὰρ ἔτ' ἄθανάταν φλόγα λεύσσειν      *da da*  
 ἔστιν ἔμοι φίλον, ὡς ἐκρεμάσθην      *da da*      8 36  
 λαιμότμητ' ἄχη δαιμόνι', αἰόλαν      *δ δ*

1055 νέκυσιν ἐπὶ πορείαν.      *ithyph*      5

1027 ἐφεστηκ' 31 ψῆφον κημόν 39 τάλαν'] ἄλλαν 40 φῶτα  
 λιτομέναν εἰ φεύγουσαν *R*, φῶτ' ἀντομένα *Σ<sup>vi</sup>* 41 φεύγουσαν  
 54 δαιμόνων

## 1065—1072

Anapaesti (ᾠ Νῦξ ιερά) dimetrorum xxvi adiectis varie monometris vii.

## 1136—1159

Παλλάδα τὴν φιλόχορον ἔμοι      — υ υ — υ υ υ —  
 δεῦρο καλεῖν νόμος ἐς χορόν,      — υ υ — υ — υ —  
 παρθένον ἄζυγα κο(ύ)ρην,      — υ υ — υ — — 6

1140 ἢ πόλιν ἡμετέραν ἔχει      — υ υ — υ — υ —  
 καὶ κράτος φανερόν μόνῃ  
 κληδοῦχος τε καλεῖται.  
 φάνηθ', ᾧ τυράννου  
 στυγοῦς, ὡσπερ εἰκός.  
*glycon*  
*pherecr*  
*ba ba*  
*ba ba*      10 16

1145 δῆμός τοί σε καλεῖ γυναι-  
 κῶν· ἔχουσα δέ μοι μόλοις  
 εἰρήνην φιλέορτον.  
*glycon*  
*glycon*  
*pherecr*      6

ἦκετ(ε δ') εὐφρονες, ἴλαοι,  
 πότνια, ἄλκος ἐς ὑμέτερον,  
 1150 ἄνδρας ἴν' οὐ θεμίτ' εἰσορᾶν  
 ὄργια σεμνὰ θεοῖν, ἵνα λαμ-  
 πάκι φαίνετον ἄμβροτον ὄψιν.  
 { — υ υ — υ — υ —  
*paroem*      10 16

1155 μόλετον, ἔλθετον, ἀντομεθ' ᾧ  
 Θεσμοφόρῳ πολυποτνία,  
 εἰ καὶ πρότερόν ποτ' ἐπηκῶ  
 ἦλθετε, νῦν ἀφίκεσθ' [ον] ἵκετεύομεν  
 ἐνθάδ' ἡμῖν.  
 { — υ υ — υ — υ —  
 { — υ — —      9 9

1150 οὔ δὴ ἀνδράειν οὐ θεμιτόν (= οὔ δηλονότι κτλ?)  
 51 θεαῖν 58 ἦλθετον

Clauditur fabula duobus coryphaeae tetrametris anapaesticis.

# ΒΑΤΡΑΧΟΙ

## ΧΑ(ΡΩΝΟΣ) ΚΑΤΑΚΕΛΕΥΣΜΟΣ

208 ΧΑ ὦ ὀπόπ, ὦ ὀπόπ.

*cr cr 2*

### ΑΜΟΙΒΑΙΟΝ

#### Β(ΑΤΡΑΧΟΙ) Δ(ΙΟΝΥΣΟΣ)

209—68

|     |   |                               |               |          |
|-----|---|-------------------------------|---------------|----------|
|     | B | βρεκεκεκέΞ κοᾶΞ κοᾶΞ,         | <i>lecyth</i> | 2 }      |
| 210 |   | βρεκεκεκέΞ κοᾶΞ κοᾶΞ.         | <i>lecyth</i> | 2 }      |
|     |   | λιμναῖα κρηνῶν τέκνα,         | <i>ia cr</i>  | 2 }      |
|     |   | ξύναυλον ὕμνων βοάν           | <i>ia cr</i>  | 2 }      |
|     |   | φθηγῶμεθ', εὔτηρυν ἑμάν       | <i>ia ch</i>  | 2 }      |
|     |   | αἰοιδάν,                      | <i>ba</i>     | 1 }      |
|     |   | κοᾶΞ κοᾶΞ,                    | <i>ia</i>     | 1 }      |
| 215 |   | ἦν ἀμφὶ Νυχῆϊον               | <i>ia cr</i>  | 2 }      |
|     |   | Διὸς Διώνυσον ἐν              | <i>ia cr</i>  | 2 }      |
|     |   | Λίμναις[ιν] ἰαχήσαμεν,        | <i>ia cr</i>  | 2 }      |
|     |   | ἠνίχ' ὁ κραιπαλόκωμος         | <i>enopl</i>  | 2 }      |
|     |   | τοῖς ἱεροῖσι Χύτροισι         | <i>enopl</i>  | 2 }      |
| 220 |   | χω-ρεῖ κατ' ἑμὸν τέμενος      | <i>enopl</i>  | 2 }      |
|     |   | λαῶν ὄχλος.                   | <i>ia</i>     | <u>1</u> |
| 221 |   | βρεκεκεκέΞ κοᾶΞ κοᾶΞ.         | <i>lecyth</i> | 2 27     |
|     | Δ | ἐγὼ δέ γ' ἀλγεῖν ἄρχομαι      | <i>ia ia</i>  | 2 }      |
|     |   | τὸν ὄρρον, ὦ κοᾶΞ κοᾶΞ·       | <i>ia ia</i>  | 2 }      |
|     |   | ὑμῖν δ' ἴσως οὐδὲν μέλει.     | <i>ia ia</i>  | 2 }      |
| 225 | B | βρεκεκεκέΞ κοᾶΞ κοᾶΞ.         | <i>lecyth</i> | 2 }      |
|     | Δ | ἄλλ' ἔξολο·θ' αὐτῷ κοᾶΞ·      | <i>ia ia</i>  | 2 }      |
|     |   | οὐδὲν γάρ· ἔστ', ἄλλ' ἦ κοᾶΞ. | <i>ia ia</i>  | 2 }      |

|                  |                                           |                         |                         |            |          |
|------------------|-------------------------------------------|-------------------------|-------------------------|------------|----------|
|                  | B εικότως γ', ὦ πολλὰ πράττων·            | <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i>              | 2          | }        |
|                  | ἔμε γάρ ἕστερξαν <μέν> εὐλυροὶ τε Μοῦσαι  | <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i>              | <i>tro</i> |          |
| 230              | καὶ κεροβάτας Πᾶν ὁ καλαμόφθογγα παίζων,  | <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i> | <u>3</u> |
|                  | προσεπιτέρπεται δ' ὁ φορμικτὰς Ἀπόλλων,   | <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i> | 3        |
|                  | ἔνεκα δόνακος, ὄν ὑπολύριον               | <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i> <sup>-</sup> |            | 2        |
|                  | ἔνυδρον ἐν λίμναις τρέφω.                 | <i>lecyth</i>           |                         |            | 2        |
| 235              | βρεκεκεκέξ κοᾶξ κοᾶξ.                     | <i>lecyth</i>           |                         |            | 2        |
|                  | Δ ἐγὼ δὲ φλυκταίνας γ' ἔχω,               | <i>ia</i>               | <i>ia</i>               |            | 2        |
|                  | χῶ πρωκτὸς ἰδίει πάλαι,                   | <i>ia</i>               | <i>ia</i>               |            | 2        |
|                  | κᾶτ' αὐτίκ' ἐκκύψας ἐρεῖ —                | <i>ia</i>               | <i>ia</i>               |            | 2        |
|                  | B βρεκεκεκέξ κοᾶξ κοᾶξ.                   | <i>lecyth</i>           |                         |            | 2        |
|                  |                                           |                         |                         |            | 37       |
| 240              | Δ ἄλλ' ὦ φιλωδὸν γένος,                   | <i>ia</i>               | <i>cr</i>               |            | 2        |
|                  | παύσασθε. B μάλλον μὲν οὖν                | <i>ia</i>               | <i>cr</i>               |            | 2        |
|                  | φθεγξόμεσθ', εἰ δὴ ποτ' εὐ-               | <i>lecyth</i>           |                         |            | 2        |
|                  | ηλίσις ἐν ἀμέραισιν                       | <i>tro</i>              | <i>tro</i>              |            | 2        |
|                  | ἠλάμεσθα διὰ κυπεύρου                     | <i>tro</i>              | <i>tro</i> <sup>-</sup> |            | 2        |
|                  | καὶ φλέω, χαίροντες ψδῆς                  | <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i>              |            | 2        |
| 245              | πολυκολύμβοισι(ν) μέλεσ(σ)ιν              | <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i>              |            | 2        |
|                  | ἢ Διὸς φεύγοντες ὄμβρον                   | <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i>              |            | 2        |
|                  | ἔνυδρον ἐν βυθῷ χορείαν                   | <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i>              |            | 2        |
|                  | αἰολὰν ἐφθεγξάμεσθα                       | <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i>              |            | 2        |
|                  | πομφολυγοπαφλάσμιαν·                      | <i>lecyth</i>           |                         |            | 2        |
| 250              | βρεκεκεκέξ κοᾶξ κοᾶξ.                     | <i>lecyth</i>           |                         |            | 2        |
|                  | Δ <κοᾶξ κοᾶξ> — (remis verberans)         | <i>ia</i>               |                         |            | 1        |
|                  | τουτί παρ' ὑμῶν λαμβάνω.                  | <i>ia</i>               | <i>ia</i>               |            | 2        |
|                  | B δεινὰ τᾶρα πειρόμεσθα.                  | <i>tro</i>              | <i>tro</i>              |            | 2        |
|                  | Δ δεινότερα δ' ἔρωγ', ἐλαύνων             | <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i>              |            | 2        |
| 255              | εἰ διαρραγῆσομαι.                         | <i>lecyth</i>           |                         |            | 2        |
|                  | B βρεκεκεκέξ κοᾶξ κοᾶξ.                   | <i>lecyth</i>           |                         |            | 2        |
| 256 <sup>b</sup> | Δ <βρεκεκεκέξ> κοᾶξ κοᾶξ — (sicuti supra) | <i>lecyth</i>           |                         |            | 2        |
|                  | οἰμῶζετ' οὐ γάρ μοι μέλει.                | <i>ia</i>               | <i>ia</i>               |            | 2        |
|                  | B ἀλλὰ μὴν κεκραξόμεσθ' ἄ γ',             | <i>tro</i>              | <i>tro</i>              |            | 2        |
|                  | ὅποσον ἢ φάρυξ ἂν ἡμῶν                    | <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i>              |            | 2        |
| 260              | χανδάνη δι' ἡμέρας,                       | <i>lecyth</i>           |                         |            | 2        |
|                  | βρεκεκεκέξ κοᾶξ κοᾶξ.                     | <i>lecyth</i>           |                         |            | 2        |

|                    |                                                     |                                        |               |               |
|--------------------|-----------------------------------------------------|----------------------------------------|---------------|---------------|
| 261 <sup>b</sup> Δ | 〈βρεκεκεκέε κοάε κοάε〉<br>τούτω γάρ οὐ νικήσετε —   | <i>lecyth</i>                          | 2             | }             |
|                    | B οὐδὲ μὴν ἡμᾶς σὺ πάντως —                         | <i>ia ia</i>                           | 2             |               |
|                    | Δ [οὐδὲ μὴν ὑμεῖς γ' ἐμέ]                           | <i>tro tro</i>                         | 2             | }             |
|                    | οὐδέποτε· κεκράξομαι γάρ,                           | <i>tro<sup>~</sup> tro</i>             | 2             |               |
| 265                | κᾶν [με] δέη δι' ἡμέρας,<br>〈βρεκεκεκέε κοάε κοάε〉, | <i>lecyth</i>                          | 2             | }             |
|                    | 266 ἔως ἂν ὑμῶν ἐπικρατήσω<br>τῷ κοάε.              | <i>lecyth</i>                          | 2             |               |
|                    | βρεκεκεκέε κοάε κοάε.                               | <i>tro<sup>~</sup> tro<sup>~</sup></i> | 2             | }             |
|                    |                                                     | <i>cr</i>                              | $\frac{1}{2}$ |               |
|                    |                                                     | <i>lecyth</i>                          | 2             | 37            |
| 268 Δ              | ἔμελλον ἄρα<br>παύσειν ποθ' ὑμᾶς τοῦ κοάε.          | <i>trim</i>                            | 3             | $\frac{3}{3}$ |

## ΠΑΡΟΔΟΣ

323—459

323—36 = 340—53

|                                             |   |         |         |         |    |
|---------------------------------------------|---|---------|---------|---------|----|
| "Ιακχ', ὦ πολυτιμή-                         | { | Λ — — — | ω — — — |         |    |
| τοῖς [έν] ἔδραις ἐνάδε ναιῶν,               | { | ω — — — | ω — — — |         | 4  |
| 225 "Ιακχ', ὦ "Ιακχε,                       |   | Λ — — — | ω — — — |         |    |
| ἔλθὲ τόνδ' ἀνά λειμῶνα χορευῶν              |   | ω — — — | ω — — — | ω — — — | 5  |
| όσιους ἐς θιασιώτας,                        |   | ω — — — | ω — — — |         |    |
| πολύκαρπον μὲν τινάσσων                     |   | ω — — — | ω — — — |         | 4  |
| περὶ κρατὶ σῶ βρῦοντα                       |   | ω — — — | ω — — — |         |    |
| 330 στέφανον μύρτων, θρασεὶ δ' ἐγκατακρούων |   | ω — — — | ω — — — | ω — — — | 5  |
| ποδὶ τὰν ἀκόλαστον                          |   | ω — — — | ω — — — |         |    |
| φιλοπαίγμονα τιμάν,                         |   | ω — — — | ω — — — |         |    |
| Χαρίτων πλείστον ἔχουσαν μέρος ἀγνᾶν,       |   | ω — — — | ω — — — | ω — — — |    |
| ἱερὰν όσιόις μύσταϊς χορείαν.               |   | ω — — — | ω — — — | ω — — — | 10 |

351 φέγγων] φλέγγων codd

372—76 = 377—81

(antecedunt coryphaei tetram anap xviii)

|                             |           |           |           |   |               |
|-----------------------------|-----------|-----------|-----------|---|---------------|
| χώρει [δη] νυν πᾶς ἀνδρείως | — — — — — | — — — — — | — — — — — | 2 |               |
| εἰς τοὺς εὐανθεῖς κόλπους   | — — — — — | — — — — — | — — — — — | 2 | 4             |
| λειμώνων ἐγκρούων           | — — — — — | — — — — — | — — — — — | 1 | 1             |
| 375 κἀπικώπτων              | — — — — — | — — — — — | — — — — — | 1 | $\frac{3}{3}$ |
| καὶ παίζων καὶ χλευάζων·    | — — — — — | — — — — — | — — — — — | 2 |               |
| ἠρίστευται δ' ἔξαρκούντως.  | — — — — — | — — — — — | — — — — — | 2 | 4             |

384—88 = 389—93 Ddf<sup>5</sup>

(antecedunt coryphaei tetram anap π).

CTP

|                            |                                                                                                                                                                                                                       |
|----------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| Δήμητερ, ἀργῶν ὀργίων      | $\left\{ \begin{array}{l} \bar{ia} \quad \bar{ia} \\ \bar{ia} \quad \bar{ia} \\ \bar{ia} \quad \bar{ia} \\ \bar{ia} \quad \bar{ia} \end{array} \right. \left\{ \begin{array}{l} 2 \\ 2 \\ 2 \\ 2 \end{array} \right.$ |
| 385 ἄνασσα, συμπαρατάτει   |                                                                                                                                                                                                                       |
| καὶ σῶζε τὸν σαυτῆς χορόν, |                                                                                                                                                                                                                       |
| καὶ μ' ἀσφαλῶς πανήμερον   | $\left\{ \begin{array}{l} \bar{ia} \quad \bar{ia} \\ \bar{ia} \quad ba \end{array} \right. \left\{ \begin{array}{l} 2 \\ 2 \end{array} \right.$                                                                       |
| παῖσαι τε καὶ χορεῦσαι·    |                                                                                                                                                                                                                       |

ANT

|                                 |                                                                      |
|---------------------------------|----------------------------------------------------------------------|
| καὶ πολλὰ μὲν γέλοιά μ' εἰ-     | $\left\{ \begin{array}{l} 2 \\ 2 \\ 2 \\ 2 \\ 2 \end{array} \right.$ |
| 390 πεῖν, πολλὰ δὲ σπουδαῖα καὶ |                                                                      |
| τῆς σῆς ἑορτῆς ἀξίως            |                                                                      |
| παίσαντα καὶ σκώψαντα νι-       |                                                                      |
| κήσαντα ταινιοῦσθαι.            |                                                                      |

398—403 = 404—8 = 409—13 Ddf<sup>5</sup>

(antecedunt coryphaei interiectio ἄγ' εἶα [∪ — ∪, = 440] cum duobus tetram iambithyph [440—3 = 444—7]).

|                                             |                                                                                                                                         |
|---------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| Ἰακχε πολυτίμητε, τέλος ἑορτῆς              | $\bar{ia}^{\sim} \quad \bar{ia}^{\sim} \quad ba \quad 3$                                                                                |
| ἥδιστον εὐρών, δεῦρο συνακούθει             | $\bar{ia} \quad \bar{ia}^{\sim} \quad ba \quad 3 \left. \vphantom{\begin{array}{l} \bar{ia}^{\sim} \\ \bar{ia} \end{array}} \right\} 7$ |
| πρὸς τὴν θεόν                               | $\bar{ia}^{\sim} \quad 1 \left. \vphantom{\begin{array}{l} \bar{ia}^{\sim} \\ \bar{ia} \end{array}} \right\} 7$                         |
| καὶ δεῖξον, ὡς                              | $\left\{ \begin{array}{l} \bar{ia} \\ \bar{ia} \end{array} \right. \left\{ \begin{array}{l} 1 \\ 3 \end{array} \right.$                 |
| ἄνευ πόνου πολλὴν ὁδὸν περαίνεις.           | $\bar{ia} \quad \bar{ia} \quad ba \quad 3$                                                                                              |
| (ephymn) Ἰακχε φιλοχορευτά, συμπρόπεμπέ με. | $\bar{ia}^{\sim} \quad ia \quad ia \quad 3 \quad 7$                                                                                     |

398 μέλος 404 κοὶ γάρ (= Suid) κατασχίωμεν (= R, κατεσχίω μὲν vulgo), tum parenthetice ἐξηῦρες (= R, κάε. vulgo) κτλ Heiberg Nord Tidskr ser III vol VII 6 405 τόδε τὸ] τόνδε τὸν

416—18 = 19—21 = 22—4 = 25—7 = 28—30 = 31—3 = 34—6 = 437—39 Ddf<sup>5</sup>

(antecedunt Dionysi Xanthiaequae trim duo)

|                                   |                            |
|-----------------------------------|----------------------------|
| βούλεσθε δῆτα κοινῇ               | $ia \quad ba \quad 2$      |
| σκώψωμεν Ἄρχέδημον,               | $ia \quad ba \quad 2$      |
| ὃς ἐπέτης ὦν οὐκ ἔφρασε φράτερας, | $trim \quad \underline{3}$ |

418 φράτορας



448—53 = 454—59  
(de vv 440—47 v supra)

|                         |                                                                                                                                                                                                                                                        |      |                                                                |
|-------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------|----------------------------------------------------------------|
| χωρῶμεν ἐς πολυρρόδου   | $\overset{\circ}{i}a$                                                                                                                                                                                                                                  | $ia$ | 2                                                              |
| λειμώνας ἀνεμῶδεις,     | $\overset{\circ}{i}a^{\omega}$                                                                                                                                                                                                                         | $ba$ | 2 $\frac{4}{4}$                                                |
| 450 τὸν ἡμέτερον τρόπον | $\left\{ \begin{array}{l} \overset{\circ}{\cup} - \overset{\circ}{\cup} \quad \overset{\circ}{\cup} - \overset{\circ}{\cup} \\ \overset{\circ}{\cup} - \overset{\circ}{\cup} \quad \overset{\circ}{\cup} - \overset{\circ}{\cup} \end{array} \right\}$ |      | $\left\{ \begin{array}{l} 2 \\ 2 \quad 4 \end{array} \right\}$ |
| τὸν καλλιχρωτάτον       | $\overset{\circ}{\cup} - \overset{\circ}{\cup} \quad \overset{\circ}{\cup} - \overset{\circ}{\cup}$                                                                                                                                                    |      | 2                                                              |
| παίζοντες, ὃν ὄλβιοι    | $\overset{\circ}{\cup} - \overset{\circ}{\cup} \quad \overset{\circ}{\cup} - \overset{\circ}{\cup}$                                                                                                                                                    |      | 2                                                              |
| Μοῖραι ξυνάρουσι.       | $\overset{\circ}{\cup} - \overset{\circ}{\cup} \quad \overset{\circ}{\cup} - \overset{\circ}{\cup}$                                                                                                                                                    |      | 2 4                                                            |

De dimetris acerhalis cf ad eq 1111.

534—41 (X) = 42—48 (Δ) = 90—97 (X) = 598—604 (ΞΑΝΘΙΑC)

|                                 |                                                                                                                                              |   |
|---------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|
| ταῦτα μὲν πρὸς ἀνδρός ἐστι      | $\left. \begin{array}{l} tro^{\circ} \quad tro^{\circ} \\ tro^{-} \quad tro^{-} \\ tro^{\omega} \quad cr^{\circ} \end{array} \right\}$       | 6 |
| 535 νοῦν ἔχοντος καὶ φρένας καὶ | $\left. \begin{array}{l} tro^{\circ} \quad tro^{\circ} \\ tro^{-} \quad tro^{\omega} \\ tro^{\circ} \quad cr^{\circ} \end{array} \right\}$   | 6 |
| πολλὰ περιπεπλευκός             | $\left. \begin{array}{l} tro^{\circ} \quad tro^{\circ} \\ tro^{-} \quad tro^{\omega} \\ tro^{\circ} \quad cr^{\circ} \end{array} \right\}$   | 6 |
| μετακυλίνδεν αὐτὸν αἰ           | $\left. \begin{array}{l} tro^{\circ} \quad tro^{-} \\ tro^{\omega} \quad tro^{\circ} \\ tro^{\circ} \quad cr^{\circ} \end{array} \right\}$   | 4 |
| πρὸς τὸν εὖ πράττοντα τοῖχον    | $\left. \begin{array}{l} tro^{\circ} \quad tro^{-} \\ tro^{\omega} \quad tro^{\circ} \\ tro^{\circ} \quad cr^{\circ} \end{array} \right\}$   | 4 |
| μᾶλλον, ἣ γεγραμμένη            | $\left. \begin{array}{l} tro^{\circ} \quad tro^{-} \\ tro^{\omega} \quad tro^{\circ} \\ tro^{\circ} \quad cr^{\circ} \end{array} \right\}$   | 4 |
| εἰκόν' ἐστάναι, λαβόνθ' ἐν      | $\left. \begin{array}{l} tro^{\circ} \quad tro^{-} \\ tro^{\omega} \quad tro^{\circ} \\ tro^{\circ} \quad cr^{\circ} \end{array} \right\}$   | 4 |
| σχῆμα· τὸ δὲ μεταστρέφεσθαι     | $\left. \begin{array}{l} tro^{\circ} \quad tro^{-} \\ tro^{\omega} \quad tro^{\circ} \\ tro^{\circ} \quad cr^{\circ} \end{array} \right\}$   | 4 |
| 540 πρὸς τὸ μαλθακώτερον        | $\left. \begin{array}{l} tro^{\circ} \quad cr^{\circ} \\ tro^{\circ} \quad tro^{\circ} \\ tro^{\circ} \quad cr^{\circ} \end{array} \right\}$ | 4 |
| δεξιῶ πρὸς ἀνδρός ἐστι          | $\left. \begin{array}{l} tro^{\circ} \quad tro^{\circ} \\ tro^{\circ} \quad cr^{\circ} \\ tro^{\circ} \quad cr^{\circ} \end{array} \right\}$ | 4 |
| καὶ φύσει Θηραμένους.           | $\left. \begin{array}{l} tro^{\circ} \quad cr^{\circ} \\ tro^{\circ} \quad cr^{\circ} \\ tro^{\circ} \quad cr^{\circ} \end{array} \right\}$  | 4 |

## ΠΑΡΑΒΑCΙC

674—85 = 706—17

(subsequentibus tetram troch vicenis)

|                                  |                                                                                                                                                 |        |
|----------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------|
| Μοῦσα χορῶν ἱερῶν ἐπίβη-         | $\left\{ \begin{array}{l} - \cup \cup - \cup - \cup - \\ \cup - \cup - \cup - \cup - \\ - \cup \cup \end{array} \right\}$                       | 2      |
| 675 θι καὶ ἔλθ' ἐπὶ τέρψιν ἀοι-  | $\left\{ \begin{array}{l} \cup - \cup - \cup - \cup - \\ \cup - \cup - \cup - \cup - \\ - \cup \cup \end{array} \right\}$                       | 2      |
| δάς ἐμᾶς                         | $\left\{ \begin{array}{l} \cup - \cup - \cup - \cup - \\ \cup - \cup - \cup - \cup - \\ - \cup \cup \end{array} \right\}$                       | 1      |
| τὸν πολὺν ὀσομένη λα-            | $\left\{ \begin{array}{l} - \cup \cup - \cup - \cup - \\ - \cup \cup - \cup - \cup - \\ - \cup \cup \end{array} \right\}$                       | 2      |
| ῶν ὄχλον, οὐ σοφία               | $\left\{ \begin{array}{l} - \cup \cup - \cup - \cup - \\ - \cup \cup - \cup - \cup - \\ - \cup \cup \end{array} \right\}$                       | 2      |
| μυρίαὶ κάθηνται.                 | $\left\{ \begin{array}{l} - \cup \cup - / \cup - \cup \\ - \cup \cup - / \cup - \cup \\ - \cup \cup \end{array} \right\}$                       | 1+1 11 |
| φιλοτιμότεραι Κλεοφῶντος, ἐφ' οὐ | $\left\{ \begin{array}{l} \cup - \cup - \cup - \cup - / \\ \cup - \cup - \cup - \cup - / \\ - \cup \cup - \cup - \cup - / \end{array} \right\}$ |        |
| 680 δὴ χεῖλεσι ἀμφιλάοις         | $\left\{ \begin{array}{l} \cup - \cup - \cup - \cup - / \\ \cup - \cup - \cup - \cup - / \\ - \cup \cup - \cup - \cup - / \end{array} \right\}$ |        |
| δεινὸν ἐπιβρέμεται               | $\left\{ \begin{array}{l} - \cup \cup - \cup - \cup - / \\ - \cup \cup - \cup - \cup - / \\ - \cup \cup \end{array} \right\}$                   | 8      |
| Θρηκία χελιδν                    | $\left\{ \begin{array}{l} - \cup \cup - \cup - \cup - \\ - \cup \cup - \cup - \cup - \\ - \cup \cup \end{array} \right\}$                       | 8      |

ἐπὶ βάρβαρον ἔζομένη πέταλον·  
 τρύζει δ' ἐπὶ κλαυτον ἀη-  
 δόνιον νόμον, ὡς ἀπολείται,  
 685 κᾶν ἴσαι γένονται.

|   |                                                        |
|---|--------------------------------------------------------|
| { | ω—ω— ω—ω—<br>(ω)— — ω—ω—<br>ω—ω— ω— —<br>— υ — υ — — 8 |
|---|--------------------------------------------------------|

683 κελαρύζει *R* (Suid), κελαδεῖ *V*

Antistrophi γ 2 duarum thesium contractioni ipse quoque subicit syllabam οἰ (οἰ-μῶζεται).

814—17 = 18—21 = 22—25 = 826—29

|                                                                                                                                                       |                                                                                                                                |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ἦ που δεινὸν ἐριβρεμέτας χόλον<br>815 ἦνικ' ἄν ὀξύλαλον παρίδη θή-<br>γοντος ὀδόντα<br>ἀντιτέχνου· τότε δὴ μανίας<br>ὑπὸ δεινῆς<br>ὄμματα τροβῆσεται. | { — — — ω — — — ω<br>{ — ω — — — — — 3<br>{ — ω — ω — — — — — 3<br>{ — υ υ — — — — — 2<br>{ ω — — — — — 1 =<br><i>lecyth</i> 2 |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

875—84

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 875 ὦ Διὸς ἐννέα παρθένοι ἀγναί<br>Μοῦσαι, λεπτολόγους ξυνετάς φρένας<br>αἱ καθορᾶτε<br>ἀνδρῶν γνωμοτύπων, ὅταν εἰς ἔριν<br>ὄξυμερίμοις<br>ἔλθωσι στρεβλοῖσι παλαίμασιν<br>ἀντιλογοῦντες,<br>ἔλθετ' ἐποψόμεναι δύναμιν<br>880 δεινότατον στομάτιον πορίσασθαι<br>ῥήματα καὶ παραπρίσματ' ἐπῶν.<br>νῦν γὰρ ἀγῶν σοφίας ὁ [δε] μέγας χω-<br>ρεῖ πρὸς ἔργον ἤδη. | — ω — ω — — — — 2<br>{ — — — ω — — — — — 2<br>{ — ω — υ — — — — — 1 <sub>H</sub> 5<br>{ — — — ω — — — — — 2<br>{ — ω — — — — — 1<br>{ — — — — — — — — — 2<br>{ — ω — υ — — — — — 1<br>— ω — ω — — υ υ — 2 8<br>— ω — ω — — — — — 2<br>— ω — ω — — υ υ — 2<br>{ — ω — ω — — — — — 2<br>{ <i>ithyph</i> — — — — — 2 8 |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

$$896-97 = 98-99 = 900-1 = 902-4 \\ = 993-94 = 95-97 = 98-1000 = 1001-3$$

antecedente utrobique dimetro anapaestico (895 = 992 [= Aesch fr 131, 1 N<sup>2</sup>]), inserto ultimae strophae post dimetrum prius monometro trochaico (903 = 1001<sup>b</sup>).

Tribreves nonnisi in prima strophā (896 ss = 993 ss) occurrunt.

|                                 |                                                                                                       |
|---------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 895 (καὶ μὴν ἡμεῖς ἐπιθυμοῦμεν) | ( $\overline{\cup} \text{---} \text{---} \text{---} \overline{\cup} \overline{\cup} \text{---}$ ) (2) |
| παρὰ σοφοῖν ἀνδρῶν ἀκοῦσαι,     | $\overline{\cup} \cup \overline{\cup} \text{---} \text{---} \cup \text{---} \cup$ 2                   |
| τίνα λόγων, <τίν'> ἐμμελείας    | { $\overline{\cup} \cup \text{---} \cup \text{---} \cup \text{---} \cup$ } 2                          |
| ἔπιτε δαίαν ὁδόν.               | { $\overline{\cup} \cup \text{---} \cup \text{---} \cup$ } 2-                                         |
| 897 ἐμμελείαν                   |                                                                                                       |

Strophae excipiuntur tetrametris iambicis (905—70) et amoebeo inter Euripidem et Dionysum iambico (971—91) [admixtis enopliis 984. 87], metrorum  $\chi\lambda\eta^-$ , antistrophi anapaesticis tetrameticis (1004—76) et anapaestico inter Aeschylum et Dionysum amoebeo (1077—98, metrorum  $\chi\chi\eta^-$ .  $\chi\chi\eta^-$ ).

$$1099-1108 = 1109-18$$

(trochaica chori cantilena dimetrorum  $\nu\iota : \nu\iota ; \eta$ )

|                                      |                                   |
|--------------------------------------|-----------------------------------|
| 1099 μέγα τὸ πρᾶγμα, πολὺ τὸ νεῖκος, | 1109 εἰ δὲ τοῦτο καταφοβείσθων    |
| ἀδρὸς ὁ πόλεμος ἔρχεται.             | μή τις ἀμαθία προσῆ               |
| 1100 χαλεπὸν οὖν ἔργον διαιρεῖν,     | 1110 τοῖς θεωμένοισιν, ὡς τὰ      |
| ὅταν ὁ μὲν τεῖνῃ βιαίως,             | λεπτὰ μὴ γνῶναι λεγόντων          |
| ὁ δ' ἐπαναστρέφειν δύνῃται           | μηδὲν ὀρρωδεῖτε τοῦθ' ὡς          |
| κάπερεῖδεσθαι τορωῖς.                | οὐκέθ' οὕτω ταῦτ' ἔχει.           |
| ἀλλὰ μὴ ἔν ταῦτῳ κάθησθων·           | ἔστρατευμένοι γάρ εἰσιν           |
| ἔσβολαὶ πολλαὶ γάρ εἰσι              | βιβλίον τ' ἔχων ἕκαστος           |
| χάτεροι σοφισμάτων.                  | μανθάνει τὰ δεξιά.                |
| 1105 ὃ τι περ οὖν ἔχeton ἐρίζειν     | 1115 αἱ φύσεις τ' ἄλλως κράτιται, |
| λέγετον, ἔπιτον, ἀνὰ δ' ἔρεσθων      | νῦν δὲ καὶ παρηκόνῃνται.          |
| τά τε παλαιὰ καὶ τὰ καινὰ,           | μηδὲν οὖν δείσῃτων, ἄλλα          |
| κάπ κινδυνεύeton λέ-                 | πάντ' ἐπέξειτον θεατῶν γ'         |
| πτόν τι καὶ σοφὸν λέγειν.            | οὐνεχ', ὡς ὄντων σοφῶν.           |
| 1106 ἀναδέρετον                      |                                   |



1285—1295

(praemissis bis trinis [III Δ et II Ε, I Δ] trim iamb)

|      |                                     |                   |              |   |
|------|-------------------------------------|-------------------|--------------|---|
| 1285 | Ε ὅπως Ἀχαι-                        | { υ υ υ —         | <i>metra</i> |   |
|      | ῶν δίθρονον κράτος, Ἑλλάδος ἤβας,   | { — υ — υ — υ — — |              | 3 |
|      | [το]φλαττοθραττοφλαττοθρατ,         | <i>lecyth</i>     |              | 2 |
|      | Σφίγγα, δυσα-                       | { υ υ υ —         |              |   |
|      | μεριᾶν πρύτανιν κύνα, πέμπει,       | { — υ — υ — υ — — |              | 3 |
|      | [το]φλαττοθραττοφλαττοθρατ,         | <i>lecyth</i>     |              | 2 |
|      | κὺν δορί καὶ                        | { υ υ υ —         |              |   |
|      | χερὶ πράκτορι θούριος ὄρνις,        | { — υ — υ — υ — — |              | 3 |
| 1290 | [το]φλαττοθραττοφλαττοθρατ,         | <i>lecyth</i>     |              | 2 |
|      | κυρεῖν παρα-                        | { υ υ υ —         |              |   |
|      | κῶν ἰταμαῖς κυσὶν ἀεροφοίτοις,      | { — υ — υ — υ — — |              | 3 |
|      | [το]φλαττοθραττοφλαττοθρατ,         | <i>lecyth</i>     |              | 2 |
|      | τὸ συγκλινές τ' ἐπ' Αἴαντι <Ξίφος>, | <i>ia ba cr</i>   |              | 3 |
| 1295 | [το]φλαττοθραττοφλαττοθρατ.         | <i>lecyth</i>     |              | 2 |

1309—28

## Α(ΙCXYΛΟC) Δ(ΙΟΝΥCΟC)

|      |                             |                     |     |
|------|-----------------------------|---------------------|-----|
|      | Α ἀλκύνες, αἶ παρ' ἀεναίοις | { — υ υ — υ υ υ —   | { 2 |
|      | θαλάσσης                    | { υ — —             | { 1 |
| 1310 | κύμασι στωμύλλετε,          | <i>lecyth</i>       | 2   |
|      | τέγγουσαι νοτίαις πτερῶν    | — — — υ υ — υ —     | 2   |
|      | βάνισι χροᾶ δροσιζόμεναι·   | υ υ υ υ — υ υ —     | 2 9 |
| 1313 | αἶ θ' ὑπυρόφαι κατὰ γωνί-   | { — υ — υ — — υ υ — | { 2 |
|      | ας εἶ(ει εἶ εἶ εἶ)-         | { — — — υ υ — υ —   | { 2 |
|      | λίσσετε δακτύλοισ           | υ — υ               | 1   |
|      | φάλαγγες                    | <i>lecyth</i>       | 2   |
| 1315 | ἰστότονα πηνίσματα,         | — υ υ — — υ υ —     | 2 9 |
|      | κερκίδος δοιδοῦ μελέτας,    | { υ υ — υ υ — υ —   | { 2 |
|      | ἴν' ὀ φίλαυλος ἔπαλλε δελ-  | { — — — υ υ — υ —   | { 2 |
|      | φίς πρήραις κυανεμβόλοισ    | — — υ — υ υ —       | 2   |
|      | μαντεία καὶ σταδίους.       | — — υ — υ υ —       | 2   |
| 1320 | οἰάνθας γάνος ἀμπέλου,      | — — — υ υ — υ —     | 2   |
|      | βότρυος ἔλικα παυσίπονον.   | υ υ υ υ — υ υ —     | 2   |

|     |                               |                  |      |
|-----|-------------------------------|------------------|------|
|     | περίβαλλ', ὦ τέκνον, ὠλένας.  | υ̅—υ̅ υ̅—υ̅—     | 2 12 |
|     | ὄρῳς τὸν πόδα τοῦτον; Δ ὄρῳ.  | υ̅—υ̅ υ̅—υ̅—     | 2    |
|     | A τί δαί; τοῦτον ὄρῳς; Δ ὄρῳ. | υ̅—υ̅ υ̅—υ̅—     | 2    |
| 325 | A τοιαυτί μέντοι σὺ ποῶν      | — — — — — υ̅ υ̅— | 2    |
|     | τολμῶς τὰμὰ μέλη ψέγειν,      | — — — — — υ̅ υ̅— | 2    |
|     | ἀνὰ τὸ δωδεκαμήχανον          | υ̅ υ̅—υ̅ υ̅—υ̅—  | 2    |
|     | Κυρήνης μελοποιῶν;            | — — — — — υ̅ υ̅— | 2 12 |

Sequuntur duo Aeschyli trim iamb.

1331—63

|     |                                   |                          |                                              |                     |
|-----|-----------------------------------|--------------------------|----------------------------------------------|---------------------|
|     | A ὦ Νυκτὸς κελαινοφαῆς            | — — — — — υ̅ — υ̅ υ̅—    | 2                                            |                     |
|     | ὄρφνα, τίνα μοι                   | — — — — — υ̅—            | } 1<br>2<br>2<br>2 9                         |                     |
|     | δύστανον ὄνειρον πέμπεις ἕξ       | — — — — — υ̅—            |                                              |                     |
|     | ἀφανοῦς Ἄϊδα πρόμολον, ψυχὰν      | υ̅—υ̅— υ̅—               |                                              |                     |
|     | ἄψυχον ἔχοντα μελαίνας            | — — — — — υ̅—            |                                              |                     |
| 335 | Νυκτὸς παῖδα φρικώδη δεινὰν ὄ-    | } δ δ {                  | } 3<br>2<br>2<br>2 9                         |                     |
|     | ψιν μελανοκευίμονα,               |                          |                                              | — υ̅ υ̅ υ̅ υ̅—υ̅—   |
|     | φόνια φόνια δερκόμενον,           |                          |                                              | υ̅ υ̅ υ̅—υ̅—        |
|     | μεγάλους ὄνυχας ἔχοντα;           |                          |                                              | υ̅ υ̅—υ̅ υ̅—υ̅—     |
|     | ἀλλὰ μοι ἀμφίπολοι λύχνον ἄψατε   | } — υ̅—υ̅ — υ̅—υ̅ {      | } 2<br>2<br>1                                |                     |
|     | κάλπις τ' ἐκ ποταμῶν δρόσον ἄρατε |                          |                                              | — υ̅—υ̅ — υ̅—υ̅     |
|     | θέρμετε θ' ὕδωρ,                  |                          |                                              | — υ̅—               |
| 340 | ὡς ἂν θεῖον ὄνειρον ἀποκλύσω·     | } — — — — — υ̅ — υ̅—υ̅ { | } 2<br>2 9                                   |                     |
|     | ἰὼ πόντιε δαῖμον.                 |                          |                                              | — — — — — υ̅ υ̅—    |
|     | τοῦτ' ἐκεῖν'· ἰὼ Ξύνοι-           | } <i>lecyth</i> {        | } 2<br>2<br>2<br>2<br>1 9                    |                     |
|     | κοι, τάδε τέρα θεά-               |                          |                                              | <i>er</i> <i>er</i> |
|     | σασθε· τὸν ἀλεκτρούνα             |                          |                                              | <i>er</i> <i>er</i> |
|     | μου Ξυναρπάσασα φρού-             |                          |                                              | <i>lecyth</i>       |
|     | δη Γλύκη.                         |                          |                                              | <i>er</i>           |
|     | Νύμφαι ὀρεσσίγονοι —              | <i>enopl</i>             | } 2 <sup>=</sup><br>2 <sup>=</sup><br>2<br>2 |                     |
| 345 | ὦ Μανία, Ξύλλαβε.                 | <i>enopl</i>             |                                              |                     |
|     | ἐγὼ δ' ἄ τάλαινα                  | υ̅—υ̅— — υ̅—υ̅           |                                              |                     |
|     | προσέχους' ἔτυχον ἑμαυτῆς         | υ̅—υ̅ υ̅—                |                                              |                     |



1482—90 = 1491—99

|                                 |                   |                   |               |
|---------------------------------|-------------------|-------------------|---------------|
| μακάριός γ' ἀνὴρ ἔχων           | $\sim tro^{\sim}$ | <i>cr</i>         | 2             |
| Ξύνεσιν ἠκριβωμένην.            | $\sim tro^{\sim}$ | <i>cr</i>         | 2             |
| πάρα δὲ πολλοῖσιν μαθεῖν.       | $\sim tro^{\sim}$ | <i>cr</i>         | 2             |
| 1485 ὄδε γὰρ εὖ φρονεῖν δοκῆσας | $\sim tro$        | $\sim tro^{\sim}$ | 2 cf 1373/4   |
| πάλιν ἄπεισιν οἴκαδ' αὐ[θις],   | $\sim tro$        | <i>cr</i>         | $\frac{2}{2}$ |
| ἐπ' ἀγαθῷ μὲν τοῖς πολίταις,    | $\sim tro^{-}$    | $tro^{\sim}$      | 2             |
| ἐπ' ἀγαθῷ δὲ τοῖς ἑαυτοῦ,       | $\sim tro^{\sim}$ | $tro^{-}$         | 2             |
| Ξυγγενέσι τε καὶ φίλοις<1>,     | $\sim tro^{\sim}$ | $tro^{\sim}$      | 2             |
| 1490 διὰ τὸ συνετός εἶναι.      | $\sim tro^{\sim}$ | <i>sp</i>         | 2             |

Sequuntur anapaestica metra A XIV: XIV, A et ΠΛΟΥΤΩΝΟC  
x; viii: viii. Denique chori exeuntes prosequentis:

1528—33

dactylica trimetra bis trina.



# ΕΚΚΛΗΣΙΑΖΟΥΣΑΙ

## ΠΑΡΟΔΟΣ

289—99 = 300—10

Antecedunt coryphaeae tetram iamb iv.

|     |                         |               |                 |   |          |
|-----|-------------------------|---------------|-----------------|---|----------|
|     | χωρῶμεν εἰς ἐκκλησίαν,  | <sup>ia</sup> | <sup>ia</sup>   | 2 |          |
|     | ἄνδρες· ἠπέιλησε γάρ    | <i>lecyth</i> |                 | 2 | <u>4</u> |
| 290 | ὁ θεομοθέτης, δε ἄν     | {             | υ — υ — υ — υ — |   |          |
|     | μη πρῶ πάνυ τοῦ κνέφους | {             | υ — υ — υ — υ — | 4 |          |
|     | ἦκη κεκονιμένος,        |               | — — υ — υ — υ — |   |          |
|     | τέργῳ σκοροδάμῃ,        |               | υ — υ — υ — —   | 4 |          |
|     | βλέπων ὑπότριμμα, μη    | {             | υ — υ — υ — υ — |   |          |
|     | δύσειν τὸ τριῦβολον.    | {             | — — υ — υ — υ — | 4 | 12       |
|     | ἀλλ', ὦ Χαριτιμίδη      |               | — — υ — υ — υ — |   |          |
|     | καὶ Κυίκυθε καὶ Δράκης, |               | υ — υ — υ — υ — |   |          |
|     | ἔπου κατεπείγῳ,         |               | υ — υ — υ — —   | 6 |          |
|     | σαντῷ προσέχῳ ὅπως      | {             | υ — υ — υ — υ — |   |          |
| 295 | μηδὲν παραχορδιεῖς      | {             | — — υ — υ — υ — |   |          |
|     | ἄν δεῖς ἄποδεῖξαι·      |               | — — υ — υ — —   | 6 | 12       |
|     | ὅπως δὲ τὸ σύμβολον     |               | υ — υ — υ — υ — |   |          |
|     | λαβόντες ἔπειτα πλη-    | {             | υ — υ — υ — υ — |   |          |
|     | σίοι καθεδούμεθ', ὡς    | {             | υ — υ — υ — υ — | 4 |          |
|     | ἄν χειροτονῶμεν         | {             | — — υ — υ — —   | 4 | 8        |
|     | ἄπανθ' ὅπως ἄν δὲ       |               | υ — υ — υ — υ — |   |          |
|     | τὰς ἡμετέρας φίλας —    |               | — — υ — υ — υ — | 4 |          |
|     | καίτοι τί λέγω; φίλους  | {             | — — υ — υ — υ — |   |          |
|     | γάρ χρῆν μ' ὀνομάζειν.  | {             | — — υ — υ — —   | 4 | 8        |
| 292 | βλ. ὑπ. στ. σκ.         |               |                 |   |          |
| 293 | χαριτιμιαη              |               |                 |   |          |

483—92 = 493—503

Antecedunt coryphaeae monom anap (ἔμβα, χῶρει), item iamb (στρέφου, κόπει), interiecto tetrametro, tum tetrametra iamb π.

Chori canticum iambicis periodis continetur metrorum IV<sup>-</sup> [II] IV<sup>-</sup>, II + II [II] IV<sup>-</sup>, subsequentibus tetrametris quaternis.

513—16 = 517—19

Coryphaeae tetrametris anapaesticis tribus totidem tetrametris respondet Praxagora.

571—581

|      |                                          |   |               |     |    |     |       |
|------|------------------------------------------|---|---------------|-----|----|-----|-------|
| 2    | νῦν δὴ δεῖ σε πυ-                        | { | ----          | ω   |    |     |       |
| 2    | κνήν φρένα καὶ φιλόσοφον ἐγείρειν        | { | —ω            | —ω  | —ω | --- | 3     |
|      | φροντίδ' ἐπισταμένην                     |   | —ω            | —   | ω  | --- | 2     |
| 4    | ταῖσι φίλαισιν ἀμύνειν.                  |   | —ω            | —   | ω  | --- | 2 7   |
|      | κοιῆ γὰρ ἐπ' εὐτυχία[σιν]                |   | ---           | ω   | —ω | --- | 2     |
| 4    | ἔρχεται γλώττης ἐπίνοια, πολίτην         |   | —ω            | --- | —ω | --- | 3     |
|      | δῆμον ἐπαγλαῖουσα                        |   | —ω            | --- | ω  | —ω  | 2     |
| 4 11 | μυρίασιν ὠφελίαισι βίου.                 |   | —ω            | —ω  | —ω | --- | 3 10  |
|      | δηλοῦν ὃ τί περ δύναται                  |   | ---           | ω   | —ω | --- | 2     |
|      | καιρός, <ὤς> δεῖται γε σοφοῦ τινος ἔξου- | { | —ω            | --- | —ω | --- | { 2   |
| 6    | ρήματος ἢ πόλις ἡμῶν.                    | { | —ω            | --- | ω  | --- | { 3 7 |
|      | ἀλλὰ πέραινε μόνον                       |   | —ω            | --- | ω  | --- | 2     |
|      | μήτε δεδραμένα μήτ' εἰ-                  | { | —ω            | --- | ω  | --- | { 2   |
| 6 11 | ρημένα πω πρότερον.                      | { | —ω            | --- | ω  | --- | { 2   |
|      | μικοῦσι γὰρ ἦν τὰ παλαιά                 |   | —ω            | —ω  | —ω | —ω  | 2     |
|      | πολλάκις θεῶνται.                        |   | <i>ithyph</i> |     |    |     | 2 10  |

577 γε] γὰρ τοί γε R, γὰρ τοι vulgo, γὰρ τι Ald

Subsequuntur tetram anap cVIII cum dimetrorum XIX serie adiectis monom III.

In cantici versu primo interpretando cum optio dari videatur inter trimetrum dactylicum (heroum aolicum) et tetrametrum chalcidicum, primum quaerendum erit, in chalcidicis numeris imitandis num molossum cum ionico pentasyllabo vel bis soluto coniunctum, --- ω—ω admittere Aristophanes

voluerit; deinde metrica q. v. productio φιλόσῳφον, quam emendando tollere frustra conati sunt, in epico versu non inaudita num pariter quadret in numeros ionicos, nisi forte de thesi correpta vel acuta cogitas cll non solum creticis quibusdam trochaeisque, velut Ach 285, sed enopliis etiam numeris velut Thesm 1136. Tum periodorum ratio consultanda. Sententiarum vero incisionibus, sicuti par est in astrophico cantico, consideratis mesodicam metrorum dispositionem (x v v v x) bigis nostris (vii x : vii x) vereor ut quisquam praeferat.

893—899

## ΓΡΑΥΣ

|     |                                   |                           |                         |   |
|-----|-----------------------------------|---------------------------|-------------------------|---|
|     | εἴ τις ἀγαθὸν βούλεται πα-        | <i>tro</i> <sup>~</sup>   | <i>tro</i>              |   |
|     | θεῖν τι, παρ' ἐμοὶ χρῆ καθεύδειν. | <i>tro</i> <sup>~</sup>   | <i>tro</i>              | 4 |
| 895 | οὐ γὰρ ἐν νέαις τὸ σοφὸν ἐν-      | { <i>tro</i>              | <i>tro</i> <sup>~</sup> |   |
|     | εστιν, ἀλλ' ἐν ταῖς πεπεύραις·    | { <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i>              | 4 |
|     | οὐδέ τοι στέργειν ἂν ἐθέλοι       | <i>tro</i> <sup>-</sup>   | <i>tro</i> <sup>~</sup> |   |
|     | μᾶλλον ἢ γῶ τὸν φίλον <ἂν>, ψ-    | { <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i> <sup>~</sup> |   |
|     | περ Ξυνεῖην·                      | { <i>tro</i>              |                         |   |
|     | ἀλλ' ἐφ' ἕτερον ἂν πέτοιτο.       | <i>tro</i> <sup>~</sup>   | <i>tro</i>              | 7 |

900—05 (NEANIC) = 906—11 (ΓΡΑΥΣ)

|     |                          |                                      |            |                |
|-----|--------------------------|--------------------------------------|------------|----------------|
| 900 | μὴ φθόνει ταῖς[ι] νέαις· | <i>er</i>                            | <i>tro</i> | 2              |
|     | τὸ τρυφερὸν γὰρ ἐμπέφυκε | <sup>~</sup> <i>tro</i>              | <i>tro</i> | 2              |
|     | τοῖς ἀπαλοῖσι μήροις,    | <i>ch</i>                            | <i>ba</i>  | 2 <sup>-</sup> |
|     | κάπι τοῖς μήλοισ ἐπαν-   | { <i>tro</i> <sup>-</sup>            | <i>er</i>  | { 2            |
|     | θεῖ· κύ δ', ὦ γραῦ,      | { <i>tro</i>                         |            | { 1            |
|     | παραλέλεξαι κἀντέτριψαι  | <sup>~</sup> <i>tro</i> <sup>-</sup> | <i>tro</i> | 2              |
| 905 | τῷ θανάτῳ μέλημα.        | <i>ch</i>                            | <i>ba</i>  | 2 <sup>-</sup> |

909/10 mutilati, sed priorem quidem versum eleganter Bergk supplēvit ὄφιν <ψυχρὸν> εὔροις, alterum non male Velsen <τινὰ κύ> καὶ προσελκύσαιο.

(CTP) 912—17 (NEANIC) ~ 916—23 (ΓΡΑΥC)

|                                                                                                      |                                                           |                    |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------|--------------------|
| N αἰαί, τί ποτε πείσομαι;                                                                            | -- υ υ -- υ --                                            | 2                  |
| οὐχ ἦκει μου ἴταῖρος·                                                                                | (-- -- -- υ                                               | 2)                 |
| μόνη δ' αὐτοῦ λείπομαι.                                                                              | υ-(υ)- υ-υ-                                               | 2                  |
| ἢ γάρ μοι μήτηρ βέβηκεν ἄλλη,                                                                        | (-- -- -- υ- υ- -- 3)                                     | (5)                |
| καὶ τᾶλλ<α μ> οὐδὲν <τὰ> μετὰ ταῦ-<br>τα δεῖ λέγειν.                                                 | υ- υ- -- (ω)υ(υ) υ-υ-                                     | 3 7                |
| 915 ἄλλ', ὦ μαῖ', ἵκετεύομαι κά-<br>λει τὸν Ὁρθαγόραν, ὅπως<br>σαυτῆς <ἄν> κατόναι',<br>ἀντιβολῶ σε. | {<br>--- υ -- υ-υ-υ<br>-υ- υ υ-υ-<br>--- υ υ-<br>-υ υ- -- | {<br>2<br>2<br>3 7 |

913 ἄλλη βέβηκεν

(ANT)

Γ ἦδη τὸν ἀπ' Ἰωνίας

τρόπον τάλαινα κνησιᾶς·

920 δοκεῖς δέ μοι καὶ λάβδα κατὰ τοὺς Λεσβίους.

7

ἄλλ' οὐκ ἄν ποθ' ὑφαρπάσαιο

τὰμὰ παίγνια· τὴν δ' ἐμὴν

ῥῶραν οὐκ ἀπολείς

οὐδ' ἀπολήψει.

7

De membris in strophæ additiis cf vesp 410. 12, nubb 812. 13.

ΣΚΟΛΙΟΝ

938—41 (NEANIC) = 942—45 (ΓΡΑΥC)

|                                     |                     |
|-------------------------------------|---------------------|
| εἶθ' ἔξην παρὰ τῇ νέᾳ καθεύδειν     | --- υ υ-υ- υ- -- 3  |
| καὶ μὴ ἴδει πρότερον διασποδῆσαι    | --- υ υ-υ- υ- -- 3  |
| 940 ἀνάσιμον ἢ πρεσβυτέραν·         | ^ υ υ- υ-υ- υ-υ- 3= |
| οὐ γὰρ ἀνασχετὸν τοῦτό γ' ἐλευθέρῃ. | - υ υ- υ-υ- υ-υ- 3  |
| 939 μὴ δὲν      940 πρεσβύτερον     |                     |

ΠΑΡΑΚΛΑΥΣΙΘΥΡΟΝ

I 952—59 (NEANIC) ~ 960—68 (NEANIC)

δεῦρο δὴ, δεῦρο δὴ,

960 δεῦρο δὴ, δεῦρο δὴ,

φίλον ἐμόν, δευρό μοι

καὶ σύ μοι καταδραμοῦ-

πρόσελθε καὶ ἕνευενος [μοι]

σα τὴν θύραν ἄνοιξον

6\*

τὴν εὐφρόνην ὅπως ἔσει. τήνδ'. εἰ δὲ μή, καταπεσὺν κείσομαι.  
 πάνυ γάρ τις ἔρωσ με δονεῖ φίλον, ἀλλ' ἐν τῷ σῶ βούλομαι  
 955 τῶνδε τῶν σῶν βοστρύχων. κόλπῳ πληκτίζεσθαι  
 ἄτοπος δ' ἔρκεται μοί τις μετὰ τῆς σῆς πυγῆς.  
 πόθος, ὅς με διακναίσας ἔχει. 965 Κύπρι, τί μ' ἐκμαίνεις ἐπὶ ταύτῃ;

μέθεσ, ἰκνοῦμαι σ' ἔρωσ, μέθεσ, ἰκνοῦμαι σ' ἔρωσ  
 καὶ πό(ι)ησον τόνδ' ἐς εὐνήν καὶ πό(ι)ησον τήνδ' ἐς εὐνήν  
 τὴν ἐμὴν ἰκέσθαι. τὴν ἐμὴν ἰκέσθαι.

|     |        |                       |                              |
|-----|--------|-----------------------|------------------------------|
|     | 952    | — — —                 | — — — 2 ≈ 960                |
|     |        | { — — —               | — — — 2                      |
|     |        | { — — —               | — — — 2 <sup>-</sup>         |
| 954 |        | — — — — — — — — — 2   | — — — — — — — — — 3 962      |
|     |        | — — — — — — — — — 2   | — — — — — — — — — 2          |
| 955 |        | — — — — — — — — — [2] | — — — — — — — — — [2]        |
|     |        | — — — — — — — — — 2   | — — — — — — — — — 2 965      |
|     |        | — — — — — — — — — 2   | — — — — — — — — — 3          |
|     | 958 ss | — — — — — — — — —     | — — — — — — — — — 2 ≈ 967 ss |
|     |        | — — — — — — — — —     | — — — — — — — — — 2          |
|     |        | <i>ithyph</i>         | 2 <sup>-</sup>               |

Medias in iuvenis cantico periodos variari, amplificari, vehementius paullo exagitari patet. Dimetrum 966 (pro trimetro nostro) etsi defendi poterit cl clausula dactylica κτήμασι πίπτεισ Soph Ant. 782, praetuli trimetrum bis dodranticum ell supra 941, Vorarbb 124 ss, ut puellae iuvenisque cantiones et assimillari inter se (*a b a*) et distingui eleganter viderentur. Numeri cretici iambis enopliis aeolicis trochaeis mixti dithyrambico poeta digni.

#### II 969—72 (NEANIC) = 973—76 (NEANIAC)

καὶ ταῦτα μέντοι μετρίως καὶ πρὸς τὴν ἐμὴν ἀνάγκην  
 970 εἰρημέν' ἔστιν. σὺ δὲ μοι, φίλτατον, ὦ ἰκετεύω,  
 ἄνελθε κάσπάζου με·  
 διὰ τοι ἐὲ πόνους ἔχω.

|  |                   |                         |                |
|--|-------------------|-------------------------|----------------|
|  | — — — — — — — — — | — — — — — — — — —       |                |
|  | — — — — — — — — — | — — — — — — — — —       | 4 <sup>-</sup> |
|  | — — — — — — — — — | — — — — — — — — —       | 4 <sup>-</sup> |
|  | — — — — — — — — — | — — — — — — — — —       | 4              |
|  |                   | (glycon pyrrhichioceph) |                |

971 ἄνοιξον ἄσπ. (ut in antistr 975)

Clauditur fabula (1169 ss) dimetris choreo-trochaeo-dactylicis, in quibus famosum illud vocabulum XIII metra com-  
 plectens, denique iambanapaesticis hisce:

|                              |           |           |
|------------------------------|-----------|-----------|
| αἴρεθ' ἄνω, ἰαὶ εὐαί,        | — — — — — | — — — — — |
| 1180 δειπνήσομεν, εὐοῖ εὐαί, | — — — — — | — — — — — |
| εὐαί, ὡς ἐπὶ νίκη,           | — — — — — | — — — — — |
| εὐαί εὐαί, εὐαί εὐαί.        | — — — — — | — — — — — |

# ΠΛΟΥΤΟΣ

## ΠΑΡΟΔΟΣ

Κ(ΑΡΙΩΝ)· Χ(ΟΡΟΣ)

I 290—295 = 296—301

|       |                             |            |            |            |           |
|-------|-----------------------------|------------|------------|------------|-----------|
| 290 Κ | καὶ μὴν ἐγὼ βουλήσομαι,     | $\bar{ia}$ | $\bar{ia}$ |            |           |
|       | θρεττανελό, τὸν Κύκλωπα     | $\bar{ia}$ | $ba$       |            |           |
|       | μιμούμενος, καὶ τοῖν ποδοῖν | $\bar{ia}$ | $\bar{ia}$ |            |           |
|       | ᾧδι παρενκαλεύων,           | $\bar{ia}$ | $ba$       | 8-         |           |
|       | ὑμᾶς ἄγειν. ἀλλ' εἶα τέκε-  | }          | $\bar{ia}$ | $\bar{ia}$ |           |
|       | α θαμίν' ἐπαναβοῶντες,      |            | $\bar{ia}$ | $ba$       | $\bar{4}$ |
|       | βληχῶμενοί τε προβατίων     | $\bar{ia}$ | $\bar{ia}$ |            |           |
|       | αἰγῶν τε κίναβρωντων μέλη,  | $\bar{ia}$ | $\bar{ia}$ |            |           |
| 295   | ἔπεσθ' ἀπεψωλημένοι,        | $\bar{ia}$ | $\bar{ia}$ |            |           |
|       | τράγοι δ' ἀκρατιεῖσθε.      | $\bar{ia}$ | $ba$       | 8-         |           |

Antistrophus chori est

II 302—8 = 309—15

|     |                            |   |            |            |    |
|-----|----------------------------|---|------------|------------|----|
| Κ   | ἐγὼ δὲ τὴν Κίρκην γε, τὴν  | } | $\bar{ia}$ | $\bar{ia}$ |    |
|     | τὰ φάρμακ' ἀνακυκῶσαν,     |   | $\bar{ia}$ | $ba$       | 4  |
|     | ἢ τοὺς ἑταίρους τοῦ Φιλω-  | } | $\bar{ia}$ | $\bar{ia}$ |    |
|     | νίδου ποτ' ἐν Κορίνθῳ      |   | $\bar{ia}$ | $ba$       | 4  |
|     | ἔπεισεν, ὡς ὄντας κάπρους, |   | $\bar{ia}$ | $\bar{ia}$ | 2  |
| 305 | μεμαγμένον σκῶρ ἐσθίειν,   |   | $\bar{ia}$ | $\bar{ia}$ | 2  |
|     | αὐτὴ δ' ἔματτεν αὐτοῖς,    |   | $\bar{ia}$ | $ba$       | 2- |
|     | μιμήσομαι πάντας τρόπους·  |   | $\bar{ia}$ | $\bar{ia}$ | 2  |
|     | ὑμεῖς δὲ γρυλίζοντες ὑπὸ   | } | $\bar{ia}$ | $\bar{ia}$ | }  |
|     | φιληθίας                   |   | $\bar{ia}$ | $ba$       |    |
|     | ἔπεσθε μητρὶ χοῖροι.       |   | $\bar{ia}$ | $ba$       | 2- |

Antistrophus chori.

316—21

|     |                                |            |            |            |   |
|-----|--------------------------------|------------|------------|------------|---|
|     | Κ ἄλλ' εἶα νῦν τῶν σκωμμάτων   | $\bar{ia}$ | $\bar{ia}$ |            |   |
|     | ἀπαλλαγέντες ἤδη               | $ia$       | $ba$       |            |   |
|     | ὕμεις ἐπ' ἄλλ' εἶδος τρέπεσθ', | {          | $\bar{ia}$ | $\bar{ia}$ | s |
|     | ἐγὼ δ' ἰὼν εἴω λάθρα           |            | $ia$       | $\bar{ia}$ |   |
|     | βουλήσομαι τοῦ δεσπότη         | $\bar{ia}$ | $ia$       |            |   |
| 320 | λαβῶν τιν' ἄρτον καὶ κρέας     | $ia$       | $\bar{ia}$ |            |   |
|     | μασώμενος τὸ λοιπὸν οὐ-        | $ia$       | $ia$       |            |   |
|     | τω τῷ κόπῳ ξυνεῖναι.           | $\bar{ia}$ | $ba$       | s          |   |
|     | 318 εἴω] ἤδη                   |            |            |            |   |

489—597

Praemissis coryphaei tetram anap η Chromyli Peniaequae altercatio est tetram cviii (del v 566); subsequitur dimetrorum series adiectis monometris.

637—640

Trimetris iambicis inseruntur didochmii:

|     |                                      |                   |                   |     |
|-----|--------------------------------------|-------------------|-------------------|-----|
| 637 | X λέγεις μοι χαράν, λέγεις μοι βοάν. | $\delta / \delta$ | 3                 |     |
| 639 | X ἀναβοάομαι τὸν εὐπαιδα καὶ         | {                 | $\delta / \delta$ | { 3 |
|     | μέγα βροτοῖσι φέγ-γος Ἴσκληπιόν.     |                   | $\delta \delta$   |     |

Clauditur fabula coryphaei tetrametris anapaesticis η.



STROPHARVM POPVLARIVM APPENDICVLA

I  
ΑΙΟΛΕΩΝ

|                             |                                |   |
|-----------------------------|--------------------------------|---|
| δέδυκε μὲν ἄ κελάννα        | <i>enopl</i> ( <i>paroem</i> ) | 2 |
| καὶ Πληϊάδες, μέσαι δέ      | "                              | 2 |
| νύκτες, παρὰ δ' ἔρχετ' ὤρα· | "                              | 2 |
| ἐγὼ δὲ μόνα κατεύδω.        | "                              | 2 |

Heph p 37, 5 C

II  
ΑΙΟΛΕΩΝ

|                           |                            |           |     |
|---------------------------|----------------------------|-----------|-----|
| γλυκεῖα μάτερ, οὐ τοι     | <i>ia</i>                  | <i>ba</i> | 2   |
| δύναμαι κρέκηγν τὸν ἰστόν | ( <i>enopl</i> ) <i>ia</i> | <i>ba</i> | 2 4 |
| πόθῳ δαμεία παιδόσ        | <i>ia</i>                  | <i>ba</i> | 2   |
| φραδινὰν δι' Ἀφροδίταν.   | ( <i>enopl</i> ) <i>ia</i> | <i>ba</i> | 2 4 |

Heph p 34, 9 C (Sapphonis)

III  
ΑΙΟΛΕΩΝ

|                       |                                     |           |     |
|-----------------------|-------------------------------------|-----------|-----|
| ὄλβιε γαμβρέ, κοί μὲν | ( <i>paroem aceph</i> ) { <i>ch</i> | <i>ba</i> | 2   |
| δὴ γάμος ὡς ἄραο      | { "                                 | "         | 2 4 |
| ἐκτετέλεστ', ἔχης δέ  | { "                                 | "         | 2   |
| παρθίνον ἄν ἄραο.     | { "                                 | "         | 2 4 |

Heph 55, 24 (Sapphonis)

IV  
ΑΙΟΛΕΩΝ

|                           |             |          |
|---------------------------|-------------|----------|
| Κλεοβούλου μὲν ἔγωγ' ἐρῶ, | <i>glyc</i> | 2        |
| Κλεοβούλῳ δ' ἐπιμαίνομαι, | <i>glyc</i> | 2        |
| Κλεόβουλον δὲ διοσκέω.    | <i>pher</i> | <u>2</u> |

Herodian de figg p 37, 5 D (Anacreontis); cf quae ex meris priapeis constare strophae videntur, velut ἠρίστῃσα μὲν ἱπρίου Anacr 17, quaeve ex binis glyconeis subsequente priapeo, velut ὦ παῖ παρθένιον βλέπων Anacr 4.

## V

## ΑΙΟΛΕΩΝ

|                                                          |                         |           |                    |
|----------------------------------------------------------|-------------------------|-----------|--------------------|
| ποικιλόθρον <sup>2</sup> , ἀθάνατ <sup>2</sup> Ἀφροδίτα, | ° ° ° ° + <i>ch</i>     | <i>ba</i> | <i>theses</i><br>6 |
| παῖ Διός, δολοπλόκε, λίσσομαί σε,                        | " "                     | " "       | 6                  |
| μή μ' ἄσαιαι μητ <sup>2</sup> ὀνίαιαι δάμνα,             | { " "                   | " "       | { 6                |
| πότνια, θυμόν.                                           | { <i>prosod (aceph)</i> |           | { 3                |

Dionys de comp verb p 185 U-R (Sapphonis; sed cf etiam Alc fr 5); cf Pind Pyth II epod extr, Anacr fr 31, Aesch suppl 528 all

## VI

## ΑΙΟΛΕΩΝ

|                              |                |  |   |
|------------------------------|----------------|--|---|
| ἠράμαν μὲν                   | { ° ° ° °      |  |   |
| ἐγὼ κέθεν, ἄτθι, πάλοι ποτά, | { <i>enopl</i> |  | 3 |
| * *                          | { ° ° ° °      |  |   |
| * * * *                      | { <i>enopl</i> |  | 3 |

Heph p 23, 17 C (cf 59, 10; 63, 18) Sapphonis; sed cf etiam Aristoph vesp 1234 (= Alc fr 25); catal formae Sapph 38. 39

## VII

## ΑΙΟΛΕΩΝ

|                                      |                         |               |   |
|--------------------------------------|-------------------------|---------------|---|
| ἄτθι, σοὶ δ' ἐμέθεν μὲν ἀπήχθετο     | ° ° ° ° + <i>prosod</i> | <i>theses</i> | 5 |
| φροντίσθην, ἐπὶ δ' Ἄνδρομέδαν πότθι. | " "                     | " "           | 5 |

Heph p 23, 21 C; forma catal Pind Pyth XI ep 6

## VIII

## ΑΙΟΛΕΩΝ

|                                   |                         |               |   |
|-----------------------------------|-------------------------|---------------|---|
| ἀσυνέτθμι τῶν ἀνέμων στάσιν       | ° ° ° ° + <i>prosod</i> | <i>theses</i> | 5 |
| τὸ μὲν γάρ ἔνθεν κῆμα κυλίνδεται, | " "                     | " "           | 5 |
| τὸ δ' ἔνθεν ἄμμεσ δ' ὄν τὸ μέσσον | " "                     | " (catal)     | 5 |
| ναῖ φορήμεθα σὺν μελαίνα.         | <i>enopl (descend)</i>  |               | 4 |

Heraclid alleg Hom cap 5 M (Alcaei; sed cf Sapph fr 28)

## IX

## ΠΑΡΙΩΝ

|                             |               |     |
|-----------------------------|---------------|-----|
| Ἐραμονίδθ Χαρίλαε,          | <i>paroem</i> | 2   |
| χρήμά τοι γελοῖον           | <i>ithyph</i> | 2 4 |
| ἐρέω, πολὺ φίλταθ' ἑταίρων, | <i>paroem</i> | 2   |
| τέρψεται δ' ἀκούων.         | <i>ithyph</i> | 2 4 |

Heph p 47, 10. 49, 14 C. Similes bigae enopliae epodo iambica auctae (trimetro catalectico) Archil fr 103, Alcm fr 1.



XV  
ΡΟΔΙΩΝ

|                                          |           | <i>theses</i> |          |
|------------------------------------------|-----------|---------------|----------|
| ἤλθ' ἤλθε χελιδών                        | — — — — — | 3             | <u>3</u> |
| καλὰς ὤρας ἄγρουα,                       | — — — — — |               |          |
| [καί] καλοὺς ἐνιαυτοὺς,                  | — — — — — | 6             |          |
| ἐπὶ γαστέρα λευκά,                       | — — — — — |               |          |
| 5 ἐπὶ νῶτα μέλαινα.                      | — — — — — | 6             |          |
| παλάθαν σὺ προκύκλει                     | — — — — — |               |          |
| ἐκ πίνοιο οἴκου                          | — — — — — | 6             |          |
| οἴνου τε δέπαστρον                       | — — — — — |               |          |
| τυροῦ τε κάνυτρον·                       | — — — — — | 6             |          |
| 10 καὶ πύρ[ω]να χελιδών                  | — — — — — | 3             |          |
| καὶ λεκιθίταν                            | — — — — — | 3             |          |
| οὐκ ἀπωθεῖται.                           | — — — — — | <u>4</u>      | 34       |
| ἀπίωμεν ἢ λαβύμεθα;                      | — — — — — | <u>4</u>      |          |
| εἰ μὲν τι δώσεις· εἰ δὲ μή, οὐκ ἔακομεν· |           | <i>trim</i>   | 6        |
| 15 ἢ τὰν θύραν φέρωμεν ἢ θοῦπέρθυρον     |           | <i>trim</i>   | 6        |
| ἢ τὰν γυναῖκα τὰν ἔσω καθημέναν·         |           | <i>trim</i>   | 6        |
| μικρὰ μὲν ἔστι, βραδίως νιν οἴκομεν.     |           | <i>trim</i>   | 6        |
| ἂν δὴ φέρῃς τι,                          | — — — — — | 3             |          |
| μέγα δὴ τι φέροις.                       | — — — — — | 3             | 34       |

Theogn ap Ath VIII 360<sup>b</sup> 6 οὐ προκύκλεις 13 πότερ' ἀπ.  
 post 19 Ath addit ἀνοιγ' ἀνοιγε τὰν θύραν χελιδόνι· οὐ γὰρ γέ-  
 ροντές ἐμεν, ἀλλὰ παιδιά, quae ab hoc quidem loco aliena esse  
 Usener vidit (Altgr Versbau 83)

XVI  
ΛΕΣΒΙΩΝ

|                              |           |          |
|------------------------------|-----------|----------|
| ἄλει, μύλ', ἄλει,            | — — — — — | 2        |
| καὶ γὰρ Πιττακὸς ἄλει,       | — — — — — | 2        |
| μεγάλας Μυτιλήνας βασιλεύων. | — — — — — | <u>3</u> |

Plut sept sap conv p 157<sup>e</sup>

# MEMBRORVM MEMORABILIVM CONSPECTVS

(pop = stropharum popularium appendicula)

## ENOPLIA

Strophae s. periodi enopliae (omissis dactylicis anapaesticis chalcidicis): vesp 1518 ss, av 451 ss, ran 674 ss. 814 ss. 875 ss. 1264 ss. 1285 ss, pop I II III IX XIII XV. Thesm 319—30. 1136—40. 1148—54. 1155—59, ran 1338—40.

Tetrametra Archilochea: vesp 1528—37, pop IX.

### Dimetra:

- |               |                                                                                        |
|---------------|----------------------------------------------------------------------------------------|
| υ — υ — υ —   | — vesp (202). 1518, pop IX 1. 3                                                        |
| υ — υ — υ —   | — Thesm 321. 23                                                                        |
| υ — υ — υ —   | — vesp 1241. 42, pop I                                                                 |
| υ — υ — υ —   | — Thesm 320, pop XIII 1                                                                |
| υ — υ — υ —   | — vesp 1338, Lysistr 1300                                                              |
| υ — υ — υ —   | — Lys 1291, Th 355, pop II 2. 4                                                        |
| υ — υ — — —   | — av 1763                                                                              |
| υ — — — —     | — eccl 956                                                                             |
| υ — — — —     | — eccl 964 <sup>b</sup>                                                                |
| — — — υ —     | — eccl 1181, pop XIII 3                                                                |
| υ υ υ υ — υ — | — av 1752 <sup>b</sup>                                                                 |
| υ — υ — υ —   | — vesp 1520. 21                                                                        |
| υ — υ — υ —   | — Lys 478. 79 (seq anapp), eccl 954 <sup>b</sup>                                       |
| υ — υ — υ —   | — pac 513                                                                              |
| υ — υ — υ —   | — nub 703, Th 1157                                                                     |
| υ — υ — υ —   | — pac 947, nub 813, pop XV 13                                                          |
| υ — υ — υ —   | — eccl 957. 963                                                                        |
| υ — υ — υ —   | — av 927                                                                               |
| υ — υ — υ —   | — ran 1351                                                                             |
| — υ — υ — υ — | — nub 1169 (cf Lys 262. 63. 324, Eur Hipp 1108. Hypsip [oxyrh pap 852] fr 1 col III 7) |
| { υ — υ — υ — | ran 678. 79                                                                            |
| { υ — υ — υ — |                                                                                        |

{ — u u — w — u  
 { — u u — w — — — — ran 676/7 (de brachycatalexia in membris  
 . continuatis admissa cf vesp 1531, av 750,  
 nub 1395 c adn, ran 708. 1362)

{ — u u — w — w — —  
 { w — w — w — — — — pac 793/5, av 1748. 50

{ — u u — w — w — —  
 { w — w — w — u — — Lys 1287/8. 89/90  
 — u u — w — — — — ran 218. 19, av 1752, nub 286, Lys 1272  
 (add. cr), Th 328. 29. 1139, pop XIII 4

— u u — u — — — — pop III (cf Aeolica)  
 — — w — — — — Lys 1303. 1305  
 — — w — w — — — — ran 220. 683  
 — — — — — — — — pac 433, av 256. 319

— u u — w — — — — av 232, nub 275. 1158 59. 68, Lys 1301,  
 Th 1048, ran 680. 1344. 45, pop X 2<sup>a. b</sup>

— u u — w — u — — ran 1352  
 v u u — w — u — — Th 1149  
 v u u — w — w — — Th 1155  
 — u u — w — w — u — Th 1136. 37. 40. 48. 50  
 — u u — u — w — — Th 1156  
 w u — u — u — — av 936  
 — w — w — u — u — — Lys 1256, Th 126. 319. 325. 1151, ran 881

— — — w — u — u — av 910, eccl 915 (subs glyc)  
 — w — w — w — u — av 740 (praef dim troch). 45. 46, Th 315,  
 ran 880. 83

— — — w — w — u — av 914  
 — — — — — w — u — Lys 1247 (add cr)  
 — u — w — w — u — ran 1313 (subs glyc)  
 — w — u — w — u — pop XIII 5 (cf dactylica)  
 — u u — w — u — av 925

Trimetra:

w — w — u — u — — av 942  
 — u u — w — w — — nub 285. 459, ran 816. 1287  
 — u u — w — w — — Lys 1284  
 — u u — w — w — — pac 788 (et haec et alia quae-  
 dam eius generis supra pa-  
 rum recte discipimus)  
 — — u — — — — Th 327

## Pentametra:

- { — — — — —  
 { — — — — — nub 569  
 { — — — — —  
 { — — — — — — — ran 674  
 — — — — —  
 — — — — — — — Lys 1251

## Monometra:

- — — — av 943 (Pind)  
 — — — — av 953  
 — — — — av 928  
 — — — — Th 324 (antec paroem)

## Ithyphallica:

- — — — — vesp 1519. 22, pac 796, av 459. 751, nub 460,  
 ran 677. 81. 85. 884, eccl 581, pop IX 2. 4  
 (in str chalcid: pac 777).

Glyconeo adiecta: Th 1021. Dochmiis:  
 Th 1041. 1055. Iambis: Ach 1161. 1197. 1202.  
 1210, eq 757. 58, pac 939, av 636. 858, nub 1213,  
 Lys 257. 59. 65, Th 1017. 33. 47. Trochaeis.  
 eq 617, Lys 1260 (praem *sp*)

## Lecythia:

- — — — — av 747. 924 (praem *ch*, subs enopl), Lys 1252,  
 Th 954 (antec monom anap). 1059, ran 817.  
 1286 . . .

Aeolicis addita: vesp 1461, av 930  
 (— — — — —, antec glyc aceph). Iambis:  
 Ach 1160. 95. 96. 1205, av 630. 31. 852. 1756. . .  
 1765, nub 1154. 55, Lys 287. 90. 618. 24,  
 Th 369. 1023 . . ., ran 209 . . . 1310. 15, eccl  
 289. Trochaeis: Ach 294, pac 349. 51. 95.  
 96. 1138. 39, av 738. 1471 . . . 1554 . . . 1562,  
 Lys 291 . . . 1254. 71. 80 . . ., Th 461. 66. 960  
 (praem *cr*). 962, ran 234 . . . 897. 1099<sup>b</sup> . . .  
 1341 (subs *cr*). 43 (item). 58 (item). 1370 . . .  
 1482 . . .

- — — — — (?) Ach 294: 341







Eupolideorum dim series: nub 518—62 (∪∪—∪ 539)

## Dimetra:

- ∪—∪—∪—∪—∪—∪— vesp 1459. 60, ran 1325. 31  
 ∪∪∪∪—∪∪—∪— ran 1312. 21  
 —∪∪∪—∪∪—∪— ran 1316  
 ∪∪—∪—∪—∪—∪— ran 1327  
 —∪∪∪—∪—∪— ran 1336 (contin δ δ)  
 ∪—∪—∪—∪—∪— Th 1020 (seq ithyph), eccl 972 (cf trimm)  
 — — —∪∪—∪— ran 1348 (seq glyc aceph)  
 ∪∪—∪—∪—∪—∪— Lys 338. 39 (cf enopl)  
 ∪—∪—∪—∪—∪— ran 1322 (Eur Hypsip)  
 ∪—∪—∪—∪—∪— ran 1323 (item Euripideum)  
 — — —∪—∪—∪— ran 1319  
 ^ ∪—∪—∪—(∪)— Ach 841 . . . (iambb clausula), pac 955  
 (iambb cl), av 677. 929, ran 1350 51,  
 pop XII 1. 2; de periodd aceph v supra

## Trimetra:

- ∪—∪—∪—∪—∪—∪— vesp 1226. 27. 47  
 ∪—∪—∪—∪—∪—∪— eccl 938. 39 = pop XI 1. 2  
 ∪—∪—∪—∪—∪—∪— av 1412. 15  
 —∪—∪—∪—∪—∪—∪— eq 559. 60, eccl 917  
 ^ ∪∪—∪—∪—∪—∪— }  
 —∪—∪—∪—∪—∪—∪— } eccl 940 (= pop XI 3. 4)  
 —∪—∪—∪—∪—∪—∪— vesp 1246 (antec dodr)  
 —∪—∪—∪—∪—∪—∪— eccl 965  
 ∪—∪—∪—∪—∪—∪—∪— av 1374 (antec tetram choriambobacch)  
 ∪—∪—∪—∪—∪—∪—∪— av 1376

## Tetrametra:

- ∪—∪—∪—∪—∪—∪—∪—∪— vesp 1239, av 1410. 11

## Dodrantes:

- ∪—∪—∪—∪— Th 991  
 ∪∪—∪—∪— av 430 (resp δ)  
 ∪∪—∪—∪— }  
 ∪∪—∪—∪— } av 944/5 (cf Pind fr 105, 1)  
 —∪—∪—∪— vesp 1245  
 ∪∪∪∪—∪— av 234-41 (resp δ)

Strophae s. periodi dochmiacae: Ach 350 ss. 490 ss (admixtis trim iamb), av 1188 ss, plut 637 ss. nub 1162—64, Th 670—72 (forma anap; antec anapp legitimi). 675—76. 680/1. 85/7. 710/1. 1039/40, av 427. 28. 29 (resp dodr ∪∪—∪—∪—), vesp 730 (δ δ resp trim), av 230 (δ δ resp trim aeolenopl). 952 (item).

Dochmii singulares: vesp 733. 36 (iambis adiecti). 874 (resp prosodiaco), av 236 (resp dodr  $\cup\cup\cup\cup\cup$ )

Licentiae antistrophicae:

$\cup\cup\cup\cup\cup$  —  $\cup\cup\cup\cup\cup$  }  
 $\cup\cup\cup\cup\cup$  —  $\cup\cup\cup\cup\cup$  } nub 952/3: 1027/8  
 $\cup\cup\cup\cup\cup$  — — — Lys 327: 41  
 $\cup\cup\cup\cup\cup$  — — — Th 994: 4090  
 lecyth: glyce (Simon) eq 332: 406

## IAMBICA

Strophae s. periodi iambicae (dimetricae magnam partem):  
 Ach 263 ss (Φαλῆς). 863 ss. 929 ss. 1008 ss, eq 756 ss, pac 513 ss (praef dim enopl). 929 ss (admixtis anapp et enopl claudente pherecr aceph), av 406 ss (cum duabus metr ix catenis). 629 ss. 851 ss. 903 ss (adm dimm enopl). 1755 ss, nub 1154 ss. 1206 ss. 1303 ss (inserto prosodiaco). 1345 ss (trim tria singulis adiectis prosodiacis), Lys 256 ss (de 262. 63  $\cup\cup\cup\cup\cup$  cf enopl). 1296 ss (adm enopl anapp), Th 312 ss (adm enopl). 969 ss (adm prosodd). 985 ss, ran 384 ss. 398 ss. 416 ss, plut 290 ss. 302 ss. 316 ss, Ach 1157—61, vesp 868—72. 1335—37 (claud paroem enopl), pac 1127—35 (cr magnam partem), Lys 216—90 (resp trochaeis). 476—77 (resp anapp)

Dimetra:

$\cup\cup$  —  $\cup\cup$  — vesp 317 (seq aeoll), Th 1018  
 $\cup\cup\cup$  — — — eccl 971  
 — — —  $\cup\cup\cup\cup$  — Lys 1310  
 — — —  $\cup$  — — Th 368  
 — — — — — eccl 913. 964<sup>a</sup>  
 — — — — —  
 — — — — — av 1722/3  
 $\cup\cup\cup$  — — — av 1314, Th 326  
 — — —  $\cup\cup$  — av 905  
 — — —  $\cup$  — — av 909  
 — —  $\cup$  /  $\cup\cup\cup\cup$  — pac 460/1  
 $\cup\cup\cup\cup$  — —  $\cup\cup$  — av 904  
 $\cup\cup\cup$  — —  $\cup\cup\cup$  nub 1206 (subs -ia cr)

Trimetra (praeter ia *ithyph*, *ba ith*, *ia lecyth*, *ba lec*):

ia ia ba Ach 1201, eq 1273 (str chalcid clausula), pac 518,  
 av 242, ran 398. 99. 402. 1309  
 ia ba cr ran 1294  
 ia ~cr cr eccl 962

*ia sp sp* Ach 1212

*mol sp sp* nub 1160

Trimetra vulgaria iambicis canticis inserta: Ach 278. 79  
492. 93. 1191. 92 . . . , vesp 729. 31. 868. 69. 1224 . . . 1236 . . . ,  
av 228. 29. 431. 857. 903. 907. 911 . . . 1375 . . .

Tetrametra catalectica canticis inserta: Ach 285, vesp  
530. 31, pac 858. 62 . . .

## TROCHAICA

Strophae s. periodi trochaicae (omissis pure creticis):  
Ach 280 ss. 284 ss, eq 616 ss, vesp 334 ss (cum dim vi catena).  
1060 ss. 1265 ss 1326 ss (incip  $\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}$   $\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}$ ), pac 346 ss. 385 ss,  
av 1470 ss. 1553 ss ( $\text{---}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\text{---}$  in nom propr 1561), Lys 614 ss  
(616 *ia cr*). 658 ss. 665 ss. 781 ss ( $\text{---}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\text{---}$ ). 1043 ss ( $\text{---}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\text{---}$ ).  
1247 ss (adm enopl). 1279 ss ( $\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}$ , epodica pars enoplia),  
ran 534 ss. 896 ss. 1099 ss. 1370 ss. 1482 ss, eccl 893 ss. 900 ss  
(902. 904 *ch ba*), vesp 1339—41, av 333—5 ( $\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\text{---}$ ), nub 457—58,  
ran 242—49. 262—67. 1342—44.

Creticae strophae s. periodi: Ach 209 ss. 665 ss. 971 ss  
(claud tetr tro), eq 303 ss, pac 1127 ss (28. 29. 30 *ia cr*). Ach  
288—90. 99—301, eq 322—25, pac 1131—35, av 244—47.  
1065—69, Lys 620—22

## Dimetra:

*cr* sp av 247

*cr sp* ran 1363

*sp cr* ran 1356

*sp sp* Lys 1264

$\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}$  vesp 1326

$\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\text{---}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\text{---}$  av 227 (cf pentam Ach 285)

{  $\text{---}\acute{\upsilon}\text{---}\acute{\upsilon}\text{---}\acute{\upsilon}\text{---}$

{  $\text{---}\acute{\upsilon}\text{---}\text{---}\text{---}$  pac 390 (cf adn)

$\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}$  ( $\acute{\upsilon}$ ) vesp 339: 60. 406: 65. 411: 68 (?). 1062: 93.

1064: 95, av 333 ss: 348 ss, Lys 785 ss: 809 ss.

1046: 61: 1192: 1206

Trimetra (praeter *tr tr tr* [vel  $\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}$ ], velut av 233. 35,  
ran 229—31, et *tr ithyph*, velut Lys 784):

$\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}\acute{\upsilon}$  *tr ch* av 939 (Πινδά-ρειον ἔπος)

*sp tr tr* Lys 658. 781

*tr sp tr* Lys 1253

*sp tr sp* Lys 1260 } Λακύνων χορεία

*sp sp sp* Lys 1261 }

Tetrametra catalectica canticis inserta: Ach 987 (antec tetr *cr*), eq 326. 27 (antec tetr *cr*). 330 (antec tetr *da*). 333. 34 (antec tetr *ia ia lecyth*), vesp 403. 4. 408. 9...

## IONICA

Strophae ionicae: vesp (de 273 ss v infra) 291 ss, Th 101 ss (epodica pars enoplia [*da ithyph paroem*]), ran 323 ss, pop XVI

## Dimetra:

|      |      |                            |            |       |                           |
|------|------|----------------------------|------------|-------|---------------------------|
| ω—ω— | —ω—  | vesp 297:310               | ω—ω—       | ω—ω—  | av 260                    |
| ω—ω— | —ω—  | Th 107. 116. 117, ran 328  | ω—ω—       | ω—ω—  | av 262                    |
| —ω—  | ↓ω—  | Th 120                     | {ω—ω—      | —ω—   |                           |
| ω—ω— | ω—ω— | vesp 301, Th 101           | {ω—ω—      | —ω—   | av 1396/7                 |
| —ω—  | —ω—  | av 261 (an <i>cr cr</i> ?) | {ω—ω—      | ω—ω—  |                           |
| ω—ω— | ω—ω— | vesp 290 (vox operaria?)   | {ω—ω—      | —ω—   | Th 103 <sup>a/b</sup>     |
| ω—ω— | ω—ω— | av 267 (pac 513?)          | —ω—        | ω—(—) | Th 109 (106) (119)        |
| —ω—  | ω—ω— | Th 129                     | ω—ω—       | ω—ω—  | Th 113                    |
| —ω—  | ω—ω— | pop XVI 2                  | —ω—        | ω—ω—  | ran 1337. 46 <sup>b</sup> |
| —ω—  | ω—ω— | av 1392                    | —ω—        | ω—ω—  | Th 114                    |
| ω—ω— | ω—ω— | ran 1355                   | ω—ω—       | —ω—   | Th 105                    |
| ω—ω— | —ω—  | ran 1336                   | —ω—        | ↓ω—   | av 254. 1394              |
| ω—ω— | ω—ω— | ran 323                    | Monometra: |       |                           |
| ω—ω— | ω—ω— | ran 325. 1346 <sup>a</sup> | —ω—        | ω—ω—  | av 1393                   |
| ω—ω— | ω—ω— | pop XVI 1                  | —ω—        | ω—ω—  | av 1395                   |

## Trimetra:

|      |      |      |           |
|------|------|------|-----------|
| ω—ω— | ω—ω— | ω—ω— | pop XVI 3 |
| —ω—  | ↓ω—  | ω—ω— | ran 1347  |
| —ω—  | —ω—  | ↓ω—  | Th 115    |

Strophae s. periodi chalcidicae: eq 1264 ss, vesp 273 ss (incipit ab ionicis puris), eccl 571 ss (incipit a trim *da*, clauditor tetram Archilochoe). pac 775—84 (resp period enopl [*cha cett*]), nub 461—75.

Hypercatalecticae periodi: vesp 278, pac 778/9, nub 464.

Ithyphallicum adicitur: pac 777; trimetrum iamb catal (Archilocheum): eq 1273.